Accreditated 'A' Grade by NAAC

Estd. 1950

DAYANAND COLLEGE, HISAR

(Under DAV College Managing Committee, New Delhi)
(Affiliated to Guru Jambheshwar University of Sc. & Tech., Hisar)

Webinar/Workshops organized by the College 2020-21

Ph. 01662-233136, 01662-270989
E-mail : principal.dnchsr@gmail.com
Web site: *www.dnc.ac.in*

DEPARTMENT OF PSYCHOLOGY

(One Day Webinar on Mindfulness" based Self Management Intervention in Promoting health and Well being during Covid 19")

Resource Person: Prof. Sandeep Rana

Date : 30th May, 2020

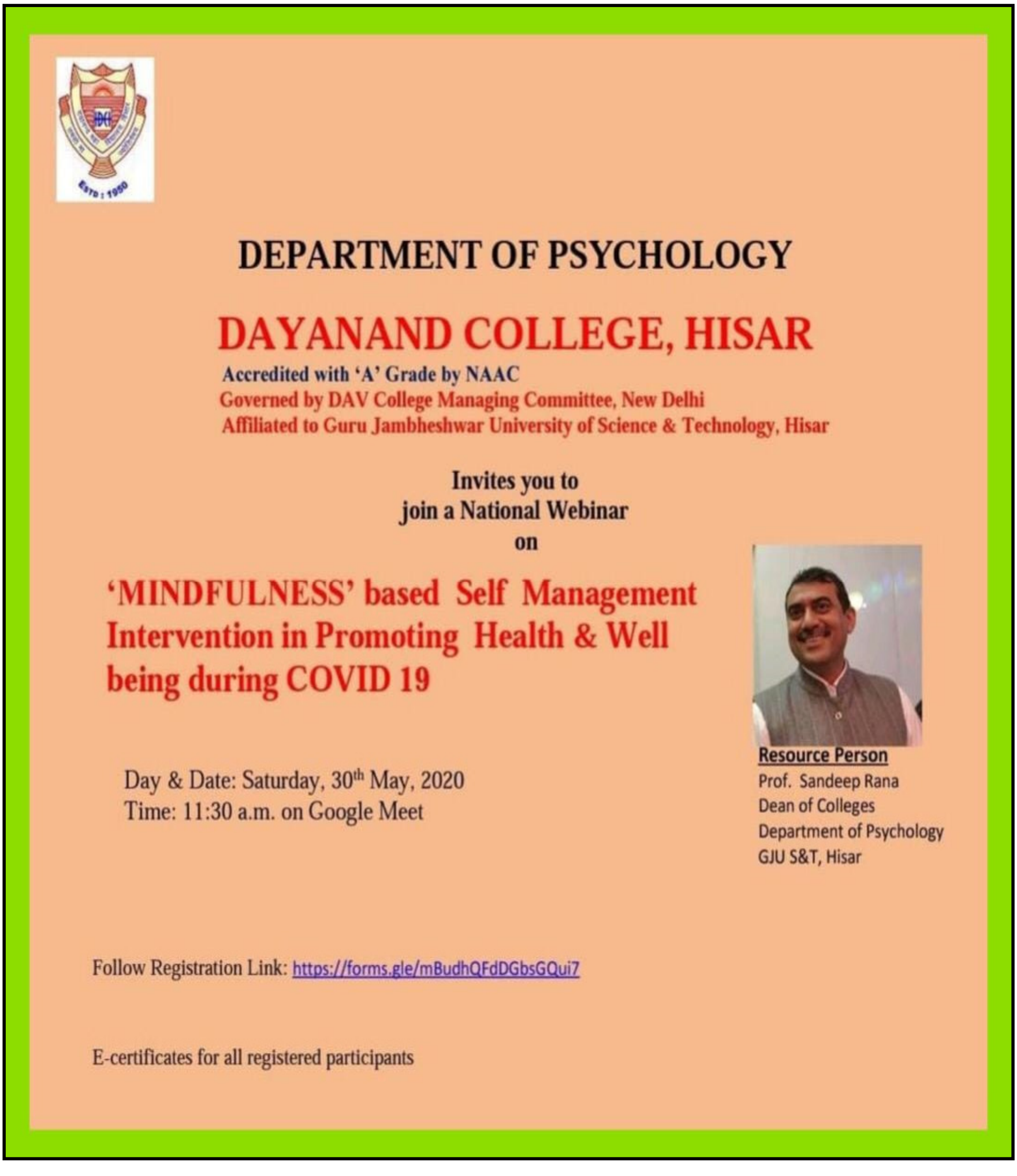

कोविड-19 के दौरान अपने मन को किस तरह स्वस्थ रखें विषय पर वेबिनार आयोजित

मनुष्य को केवल वर्तमान में जीना चाहिए : डॉ. संदीप राना

हिसार/31 मई/रिपोर्टर

दयानन्द कॉलेज द्वारा कोविड-19 के दौरान अपने मन को किस तरह स्वस्थ रखें विषय पर एक दिवसीय वेबिनार आयोजित किया गया जिसमें डॉ. गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एव प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग के प्रोफेसर संदीप राना ने कहा कि मनुष्य को वर्तमान में जीना चाहिए तथा इस एकान्तवास के दौरान जब समस्त विश्व महामारी से जूझ रहा है, मनुष्य को अपने निकटतम करीबियों तथा रिश्तेदारों के साथ विभिन्न माध्यमों के द्वारा जुड़े रहना चाहिए। मनुष्य को केवल वर्तमान में जीना चाहिए। एक बच्चा क्यों खुश रहता है क्योंकि वह वर्तमान में ही जीता है। वह अपने साथ अपने भविष्य तथा भूत साथ लेकर नहीं चलता। मनुष्य वर्तमान में जीने की बजाय अपने साथ अपना भूत तथा भविष्य साथ लेकर चलता है इसलिए वह दु:खी रहता है। मनुष्य को एक समय पर एक ही जगह होना चाहिए यानि के जब वह खाना खा रहा तो वह केवल खाने पर ही ध्यान दे, अगर वह सुबह के समय घूमने के लिए निकला है तो वह केवल घूम ही रहा हो तथा वह उसे महसूस भी कर रहा हो। इसके लिए मनुष्य को जरूरी है कि वह प्रतिदिन केवल एक मिनट अपनी आंखें बन्द कर ध्यान से अपनी सांसों को महसूस करे। उन्होंने 'कोविड-19 के दौरान अपने मन को किस तरह स्वस्थ रखें। विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में कहा कि मनुष्य को हमेशा हर उस चीज का शुक्रगुजार होना चाहिए जोकि उसके पास है। उन्होंने कहा कि अगर इस संसार में सभी अध्यापक तथा माता-पिता अगर अपने बच्चों की समस्याओं को सुनने लग जाएंगे तो बच्चों की 50 प्रतिशत से अधिक समस्याओं का समाधान अपने आप हो जाएगा। हमें अपने अन्दर की दुनिया को पहचानने और संवारने की आवश्यकता है। हमें अपनी ताकत को पहचानना है तथा अपनी कमियों को नजरअंदाज करना है। हमें हर समय निर्णायक की भूमिका में ही नहीं होना चाहिए। हमें हमेशा छोटी-छोटी बातों में ही खुशी ढूंढनी चाहिए तथा उसे दूसरों के साथ बांटना चाहिए तथा सभी की खुशी के लिए प्रार्थना करनी चाहिए। इन्सान को अपनी खुशियों की चाबी दूसरों को नहीं देनी चाहिए यानि के इन्सान को किसी के द्वारा की गई प्रशंसा से न तो ज्यादा खुश होना चाहिए न ही किसी के द्वारा की गई बुराई से ज्यादा दु:खी होना चाहिए। इन्सान को अपने काम तथा अपने परिवार के बीच में संतुलन बनाना चाहिए तथा उसी तरह ही इन्सान को अपने शरीर, दिमाग तथा आत्मा के बीच में संतुलन बनाना चाहिए। इन्सान जैसा सोचता है वैसा ही बनता है। अगर हम हर समय नकारात्मक विचार रखते है तो हम नकारात्मकता की तरफ जाते हैं अगर हम सकारात्मक सोच रखते है तो हमारे विचार भी सकारात्मक बनते हैं। वेबिनार की संयोजिका अरुणा कद ने सभी प्रतिभागियों को वेबिनार के विषय में विस्तार से बताया तथा मुख्य वक्ता का सभी प्रतिभागियों से उनका परिचय करवाया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने वेबिनार के अन्त में मुख्य वक्ता के अतिरिक्त सभी प्रतिभागियों तथा वेबिनार से जुड़े लोगों का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि इस समय एकान्तवास के दौरान किस तरह से हम अपने आपको तथा अपने परिवार को तनाव से बचा सकते हैं। इस एकान्तवास के कारण सभी मनुष्यों के रहन-सहन में भी परिवर्तन आया है। उन्होंने बताया कि इस वेबिनार में 245 प्रतिभागियों ने भाग लिया तथा गुगल मीट ऐप के माध्यम से वे इस वेबिनार से जुड़े। सभी प्रतिभागियों को ई-प्रमाणपत्र शीघ्र ही भेज दिए जाएंगे। वेबिनार के अन्त में प्रश्नोत्तर काल का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता ने प्रतिभागियों द्वारा उठाए गए सभी प्रश्नों तथा जिज्ञासाओं का उत्तर दिया।

दयानंद कॉलेज द्वारा कोविड-19 के दौरान अपने मन को किस तरह स्वस्थ रखें विषय पर वेबिनार का आयोजन

पाठकपक्ष न्यूज

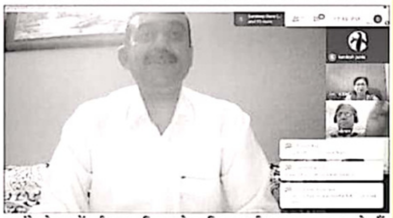

हिसार, 31 मई : मनुष्य को वर्तमान में जीना चाहिए तथा इस एकान्तवास के दौरान जब समस्त विश्व महामारी से जूझ रहा है, मनुष्य को अपने निकटतम करीबियों तथा रिश्तेदारों के साथ विभिन्न माध्यमों के द्वारा जुड़े रहना चाहिए। मनुष्य को केवल वर्तमान में जीना चाहिए। एक बच्चा क्यों खुश रहता है, क्योंकि वह वर्तमान में ही जीता है। वह अपने साथ अपने भविष्य तथा भूत साथ लेकर नहीं चलता। मनुष्य वर्तमान में जीने की बजाय अपने साथ अपना भूत तथा भविष्य साथ लेकर चलता है, इसलिए वह दुखी रहता है। मनुष्य को एक समय पर एक ही जगत होना चाहिए यानि के जब वह खाना खा रहा हो तो वह केवल खाने पर ही ध्यान दें, अगर वह सुबह के समय घूमने के लिए निकलता है तो वह केवल घूम ही रहा हो तथा वह उसे महसूस भी कर रहा हो। इसके लिए मनुष्य को जरूरी है कि वह प्रतिदिन केवल एक मिनट अपनी आंखें बंद कर ध्यान से अपनी सांसों को महसूस करें। यह शब्द डॉ. संदीप राना, प्रो. मनोविज्ञान विभाग, गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्व विद्यालय, हिसार ने कोविड-19 के दौरान अपने मन को किस तरह स्वस्थ रखें विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में दयानंद महाविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग द्वारा गत दिवस आयोजित एक दिवसीय वेबिनार के दौरान अपने विचार प्रकट करते हुए कहे। उन्होंने कहा कि अगर इस संसार में सभी अध्यापक तथा माता-पिता अपने बच्चों की समस्याओं को सुनने लग जाएंगे तो बच्चों की 50 प्रतिशत से अधिक समस्याओं का समाधान अपने आप हो जाएगा। हमें अपने अंदर की दुनिया को पहचानने और संवारने की आवश्यकता है। हमें अपनी ताकत को पहचानना है तथा अपनी कमियों को नजरअंदाज करना है। हमें हर समय निर्णायक की भूमिका में ही नहीं होना चाहिए। हमें हमेशा छोटे-छोटी बातों में ही खुशी ढूंढनी चाहिए तथा उसे दूसरों के साथ बांटना चाहिए तथा सभी की खुशी के लिए प्रार्थना करनी चाहिए। इंसान को अपनी खुशियों की चाबी दूसरों को नहीं देनी चाहिए यानि के इंसान को किसी के द्वारा की गई प्रशंसा से न तो ज्यादा खुश होना चाहिए न ही किसी द्वारा की गई बुराई से ज्यादा दुखी होना चाहिए। इंसान के अपने काम तथा अपने परिवार के बीच में संतुलन बनाना चाहिए तथा उसी तरह ही इंसान को अपने शरीर, दिमाग तथा आत्मा के बीच में संतुलन बनाना चाहिए। इंसान जैसा सोचता है वैसा ही बनता है। अबर हम हर समय नकारात्मक विचार रखते हैं तो हम नकारात्मकता की तरफ जाते हैं। अगर हम सकारात्मक सोच रखते हैं तो हमारे विचार भी सकारात्मक बनते हैं। वेबिनार के आरंभ में वेबिनार की संयोजिका श्रीमती अरूणा कद ने सभी प्रतिभागियों को वेबिनार के विषय में विस्तार से बताया तथा मुख्य वक्ता का सभी प्रतिभागियों से उनका परिचय करवाया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने वेबिनार के अंत में मुख्य वक्ता के अतिरिक्त सभी प्रतिभागियों तथा वेबिनार से जुड़े लोगों का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि इस समय एकान्तवास के दौरान किस तरह से हम अपने आपको तथा अपने परिवार को तनाव से बचा सकते हैं इस वेबिनार में हमें महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। इस एकान्तवास के कारण सभी मनुष्यों के रहन-सहन में भी परिवर्तन आया है। उन्होंने कहा कि इस वेबिनार में 245 प्रतिभागियों ने भाग लिया तथा गुगल मीट एप्प के माध्यम से वे इस वेबिनार से जुड़े। सभी प्रतिभागियों को ई-प्रमाणपत्र शीघ्र ही भेज दिए जाएंगे। वेबिनार के अंत में प्रश्नोत्तर काल का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य वक्ता ने प्रतिभागियों द्वारा उठाए गए सभी प्रश्नों तथा जिज्ञासाओं का उत्तर दिया।

Psychology Department of Dayanand College Hisar organised one day National Webinar on the topic ' MINDFULNESS based Self Management Intervention in Promoting Health and Wellbeing during COVID 19. Professor Sandeep Singh Rana , Dean of Colleges Guru Jambheshwar University of Science and Technology Hisar was keynote speaker. He beautifully explained how we can live a positive Life during this unprecedented crisis.

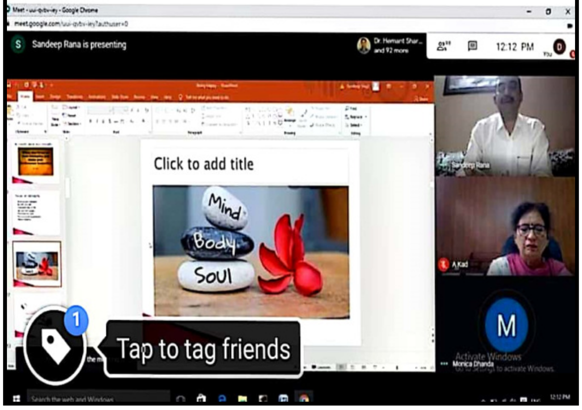

DEPARTMENT OF PHYSICAL EDUCATION

(Two Days Workshop on ”Rejuvenation through Yoga during COVID”)

Resource Person: Dr. Vikram Singh, Parveen Kumar Verma

Date :1st,2nd June, 2020

दैनिक पाठकपक्ष, हिसार, मंगलवार, 2 जून, 2020

दयानन्द कॉलेज की कार्यशाला से जुड़े देश-विदेश के प्रतिभागी

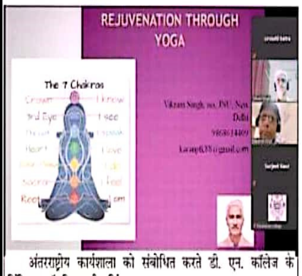

अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला को संबोधित करते डी. एन. कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. विक्रमजीत सिंह।

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 2 जून : योग, ध्यान, आयुर्वेद एवं प्राकृतिक चिकित्सा द्वारा कोरोना वायरस से लड़ा जा सकता है। यह शब्द दयानन्द महाविद्यालय के फिजिकल एजुकेशन विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला के उद्घाटन समारोह के अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए नई दिल्ली स्थित जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के मुख्य फिजिकल एजुकेटर डॉ. विक्रम सिंह ने कहे। उल्लेखनीय है कि हिसार स्थित दयानन्द महाविद्यालय कोरोना काल के दौरान लगातार ऑनलाइन कार्यक्रम आयोजित करके शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को जागरूक कर रहा है। इसी कड़ी में 'कोरोना के बीच योग से कैसे संभव है कायाकल्प' विषय पर दो दिवसीय ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। दयानन्द महाविद्यालय के फिजिकल एजुकेशन विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में दोनों दिन 2500 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इस कार्यशाला की खास बात यह रही कि इसमें 12 देशों के 25 प्रतिभागियों ने भी भाग लिया। इस अवसर पर दयानन्द महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने कहा कि इस कार्यशाला के माध्यम से महाविद्यालय का मकसद लोगों को कोरोना के प्रति जागरूक करना है। हमें खुशी है कि दोनों दिन योग पर आधारित इस कार्यशाला से देश-विदेश के लोग जुड़े हैं। कार्यशाला के उद्घाटन समारोह में पहले दिन मुख्य वक्ता नई दिल्ली स्थित जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के मुख्य फिजीकल एजुकेटर डॉ. विक्रम सिंह रहे जबकि समापन समारोह में दूसरे दिन अंतरराष्ट्रीय योग प्रशिक्षक प्रवीन कुमार वर्मा ने मुख्य वक्ता के रूप में योग का महत्व स्पष्ट किया। उद्घाटन समारोह में मुख्य फिजिकल एजुकेटर डॉ. विक्रम सिंह ने योग के तकनीकी पहलुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने विस्तार से बताया कि योग, ध्यान, आयुर्वेद एवं प्राकृतिक चिकित्सा से कोरोना वायरस से लड़ा जा सकता है। उन्होंने बच्चे, किशोर, बालिग, बुजुर्ग, स्पेशल बच्चे, खिलाड़ी, अभिनेता, कलाकार, शिक्षक एवं सैनिकों के लिए योग के महत्व को अलग-अलग तरह से समझाया। कार्यशाला के समापन समारोह में अंतरराष्ट्रीय योग प्रशिक्षक प्रवीन कुमार वर्मा ने योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कब, क्यों और कैसे योग करें पर विस्तृत व्याख्यान दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि किस तरह योग कोरोना वायरस से लड़ने में कारगर सिद्ध हो सकता है। छह बार ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी योग चैंपियनशिप जीतने वाले प्रवीन कुमार वर्मा ने ऑनलाइन योग मुद्राएं प्रदर्शित करके योग को अपनाने के लिए प्रेरित किया। दोनों वक्ताओं ने स्पष्ट किया कि योग व आयुर्वेद से प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाकर कोरोना से लड़ा जा सकता है। दयानन्द महाविद्यालय के प्रिंसिपल डॉ. विक्रमजीत सिंह ने वक्ताओं का धन्यवाद ज्ञापन करने के बाद कहा कि कोरोना वायरस ने पूरी दुनिया को हिला कर रख दिया है। इसके कारण व्यक्तियों की पूरी दिनचर्या ही बदल गई है। उन्होंने कहा कि योग व आयुर्वेद से ही इस वायरस से लड़ा जा सकता है। इससे प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और इंसान किसी भी बीमारी का बखूबी सामना कर सकता है। इस दौरान कार्यशाला की संयोजक फिजिकल एजुकेशन विभाग की विभागाध्यक्ष सुरजीत कौर ने कार्यशाला की सार्थकता पर प्रकाश डाला। कार्यशाला की आयोजक समिति के सचिव डॉ. अनूप सिंह परमार, मंजीत सिंह एवं आयोजक समिति के सदस्य सुरेश कुमार, वलेरिया सेठी, नरेंद्र कुमार, शर्मीला गुनपाल व मनोज बिंदल की इस अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला को सफल बनाने में विशेष भूमिका रही।

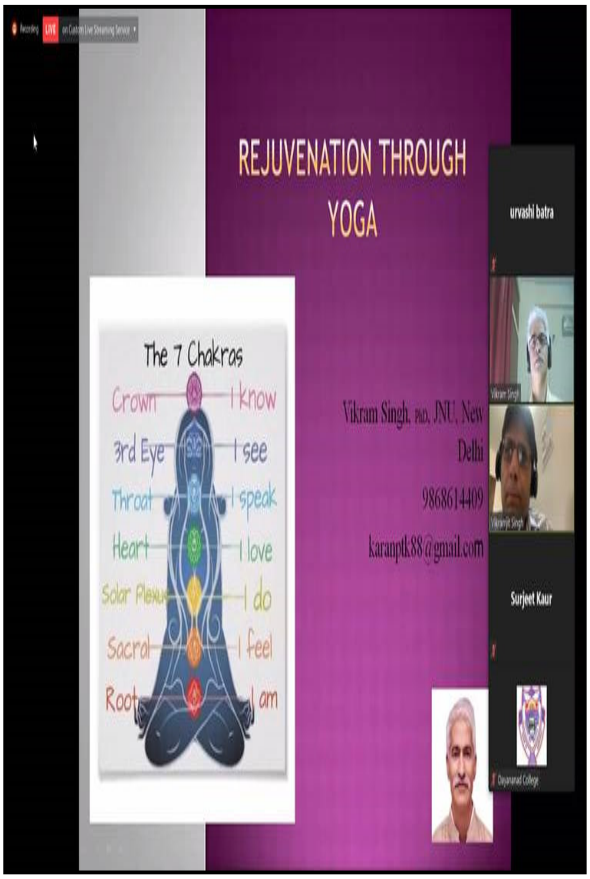

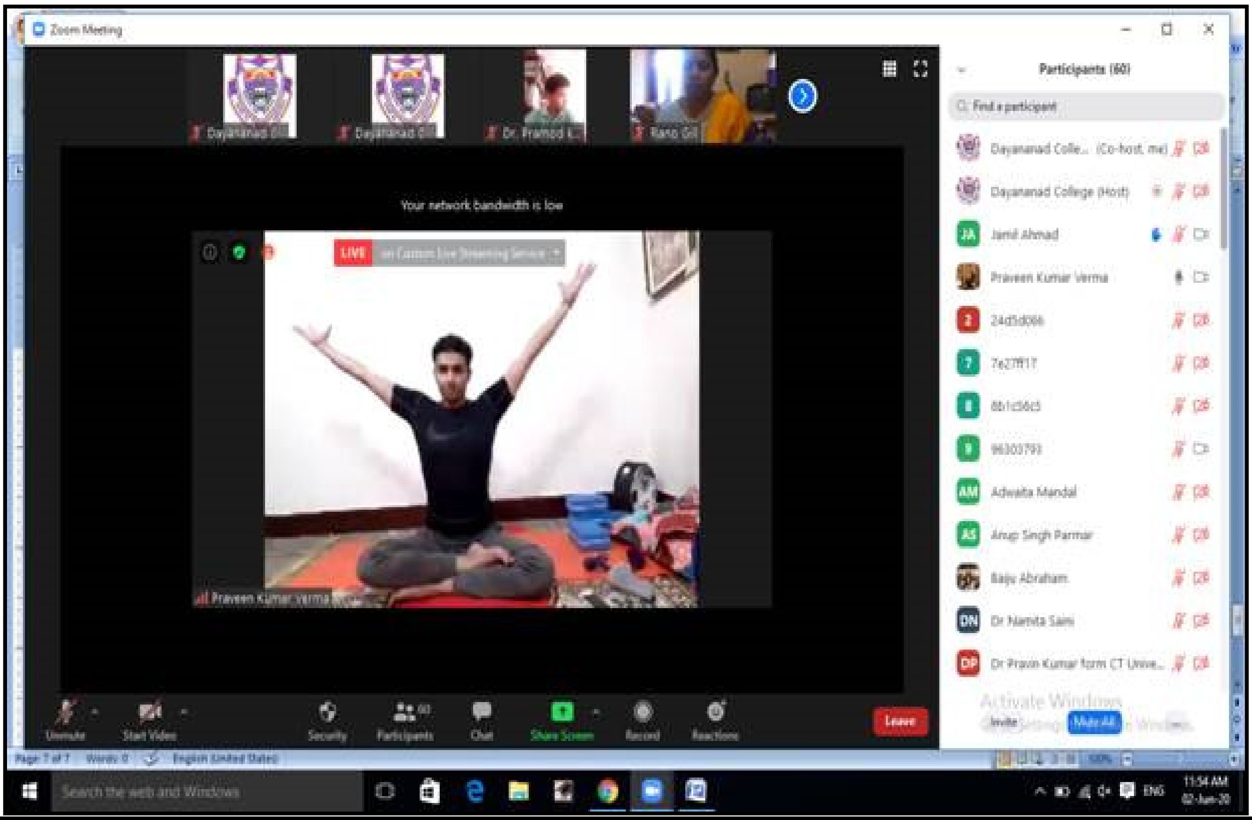

DEPARTMENT OF HINDI

(1 Day Webinar on “Rangmanch Aur Cinema ka Jeevan Par Parbhav”)

Resource Person: Smt. BaljinderKaur

Date: 7th June,2020

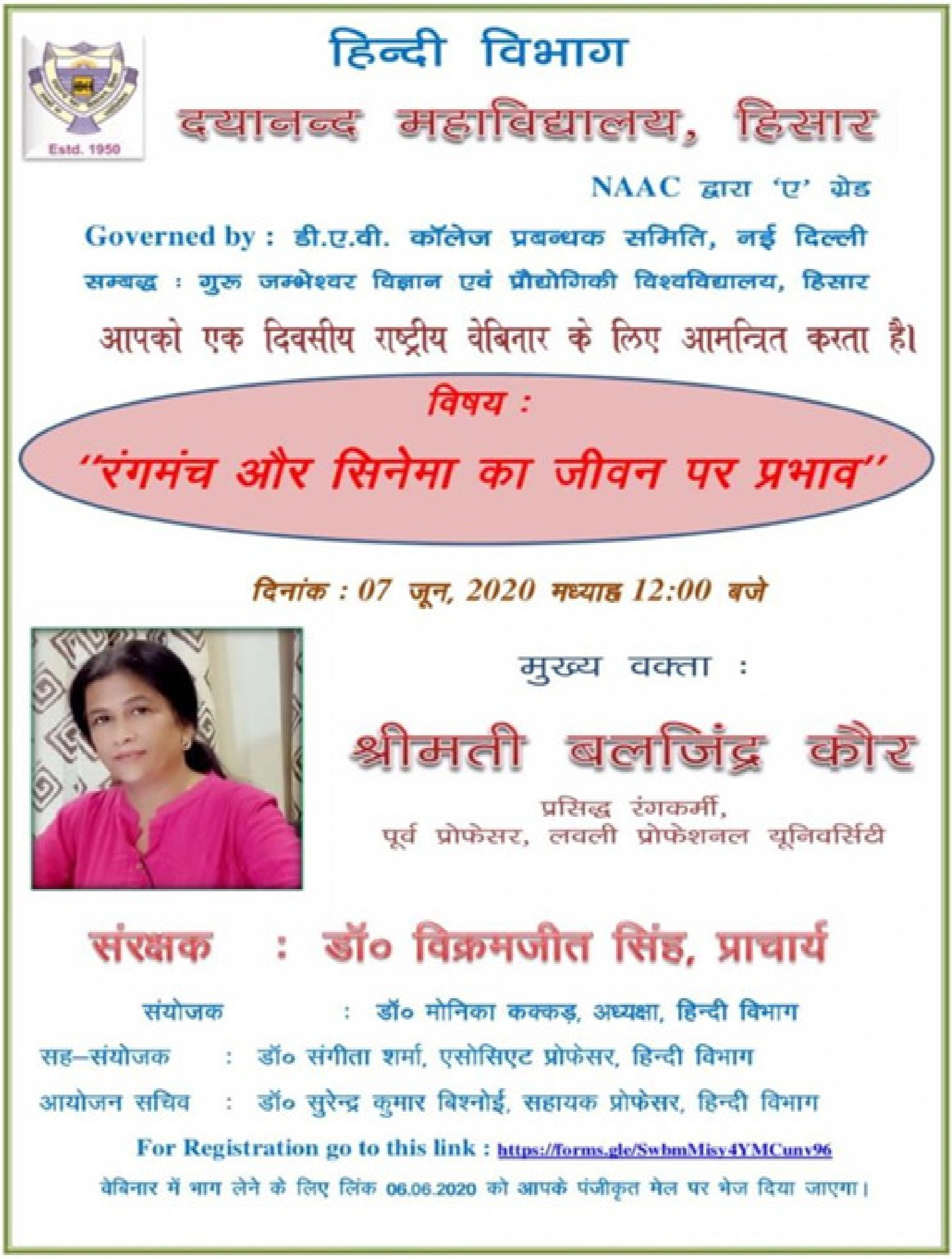

रचनात्मक सिनेमा व रंगमंच को बढ़ावा मिले : बलजिंद्र कौर

दयानंद कालेज द्वारा रंगमंच और सिनेमा का जीवन पर प्रभाव विषय पर वेबिनार आयोजित

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 7 जून : आज के दौर में हर तरह की फिल्में बनती हैं, लेकिन दर्शकों को तय करना है कि किस तरह की फिल्में उन्हें देखनी चाहिए। समाज में बढ़ती हुई अराजकता को देखते हुए रचनात्मक सिनेमा व रंगमंच को बढ़ावा मिलना चाहिए, यह विचार प्रसिद्ध रंगकर्मी एवं नेशनल अवॉर्डी बलजिंद्र कौर ने दयानन्द कॉलेज के हिन्दी विभाग द्वारा 'रंगमंच और सिनेमा का जीवन पर प्रभाव' विषय पर आयोजित वेबिनार में मुख्य वक्ता के रूप में प्रकट किए। श्रीमती बलजिंद्र कौर ने सिनेमा व रंगमंच के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। इस वेबिनार में देशभर के 1500 प्रतिभागियों ने भाग लिया। दयानन्द कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. विक्रमजीत सिंह ने अपने सम्बोधन में कहा कि सिनेमा समाज का आईना है। समाज में जो भी घटित होता है उसे ही पटकथा के रूप में स्क्रीन पर उतारा जाता है। उन्होंने कहा कि देखा जाए

वेबिनार को संबोधित करती प्रसिद्ध रंगकर्मी बलजिंद्र कौर

तो पूरा समाज ही रंगमंच है। हर इंसान यहां पर अपना-अपना किरदार निभा रहा है। तनावभरे इस आधुनिक युग में सकारात्मक सिनेमा एवं रंगमंच की नितांत आवश्यकता है। दयानन्द कॉलेज के हिंदी की विभागाध्यक्षा डॉ. मोनिका कक्कड़ ने वेबिनार के माध्यम से आह्वान किया कि विद्यार्थियों को रंगमंच और सिनेमा के प्रति अपनी समझ को बढ़ाना होगा। वेबिनार की सह संयोजक डॉ. संगीता शर्मा एवं आयोजन सचिव डॉ. सुरेंद्र कुमार बिश्नोई की भी इस आयोजन को सफल करने में विशेष भूमिका रही। मुख्य वक्ता लवली प्रोफेशल यूनिवर्सिटी की पूर्व प्रौफेसर बलजिंद्र कौर ने वेबिनार के दौरान दर्शकों को बुरी फिल्मों के प्रति सावधान किया। उन्होंने कहा कि यदि दर्शक बुरी फिल्में देखने ही न जाएं तो वे अपने आप बननी बंद हो जाएंगी। बलजिंद्र कौर ने कहा कि सेंसर बोर्ड होने के बावजूद फिल्में बेलगाम हो रही हैं जबकि रंगमंच आज भी मर्यादा में रहकर काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि बुरी फिल्मों को हर हाल में रिजेक्ट करना होगा। बलजिंद्र कौर ने रंगमंच के ऐतिहासिक परिदृश्य को जीवंत करते हुए कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन में रंगमंच कलाकारों की अविस्मरणीय भूमिका रही है। ऐसे ही बहुत से बेजोड़ कलाकार आज भी गरिमा को बनाए रखे हुए अपने अभिनय से समाज को झकझोरने का काम कर रहे हैं।

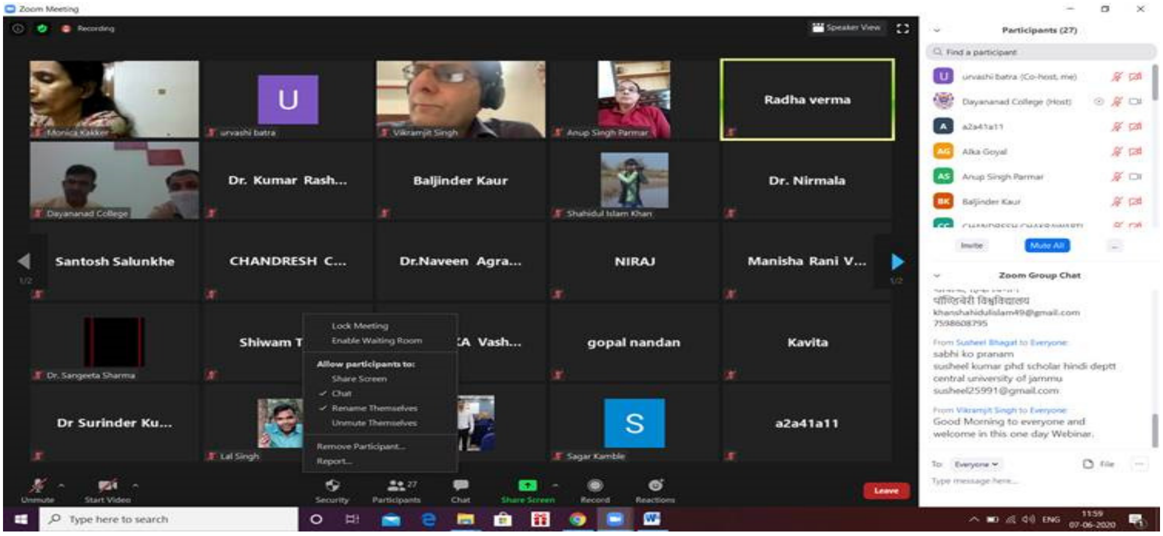

INTERNAL QUALITY ASSURANCE CELL

(1 Day Webinar on " Impact Of Covid 19 on Higher Education : New Challenges")

Resource Person: Dr. Pawan Sharma

Date : 10th June, 2020

DAYANAND COLLEGE, HISAR

Accredited with 'A' Grade by NAAC

Governed by DAV College Managing Committee, New Delhi

Affiliated to Guru Jambheshwar University of Science & Technology, Hisar

INTERNAL QUALITY ASSURANCE CELL

Invites you to
Join a National Webinar
On
Impact of COVID- 19 on Higher Education: New Challenges
On
Wednesday, 10th June, 2020. Time: 11.30 AM on Zoom

Key Note Speaker
Dr. Pawan Sharma Principal
DAV College, Chandigarh, Sector-10

Registration & Certificate of Participation

No Registration Fee
Participation: Faculty and research scholars of all subjects are invited.
Registration form link: https://forms.gle/6bkJufDns1WWxM8X6
Joining link for Google Meet will be sent to the registered email id of the participants.

All participants will be given E-certificates after successfully completing the Webinar and filling up the feedback form.

ABOUT THE INSTITUTION

Dayanand College, Hisar is a 70 years old, Re-Accredited as 'A' Grade institution by NAAC, Bangalore in November 2016. The temple of learning is a nursery of higher education. The college owes its existence to the vision and missionary zeal of Lala Gian Chand Mahajan (later venerated as Swami Munishwaranand) who was a teacher by profession, a social crusader by inclination, and a saint by temperament. Swamiji was helped in his crusade by a galaxy of philanthropists and missionaries. The college is a multi-faculty, co-educational government-aided institution affiliated to Guru Jambheshwar University of Science & Technology, Hisar. Founded in the historical city of Hisar in 1950, the college was taken over by the DAV College Managing Committee, New Delhi in 1962. The opening of a college in Hisar was like creating oasis in the desert. The college is situated on two campuses, occupying a total land area of about 24 acres out of which 4 acres of land is for the college complex and 20 acres of land is harnessed for creating facilities like hostels, staff quarters and sports ground and indoor sports complex.

भौतिकवादिता को छोड़कर प्रकृति से जुड़ना होगा : डॉ. पवन शर्मा

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 10 जून : भौतिकवादिता के इस युग में मनुष्य ने कभी प्रकृति की परवाह नहीं की, यही कारण है कि प्रकृति अब अपने आप को संवार रही है। यदि इंसान को खुशहाल रहना है तो उसे भौतिकवादिता को छोड़कर प्रकृति से जुड़ना होगा, यह विचार डी.ए.वी. कॉलेज, चण्डीगढ़ के प्राचार्य डॉ. पवन शर्मा ने दयानन्द महाविद्यालय के इंटरनल क्वालिटी एसोरेन्स सैल द्वारा 'उच्च शिक्षा पर कोरोना का प्रभाव एवं नई चुनौतियाँ विषय पर आयोजित राष्ट्रीय वैबिनार में मुख्य वक्ता के रूप में व्यक्त किए। इस वैबिनार में देशभर से 400 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। डॉ. पवन शर्मा ने कोविड-19 महामारी के चलते प्रभावित हुई शिक्षा व्यवस्था पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि लॉकडाउन के दौरान अध्यापन की तकनीक में अचानक बदलाव आ गया है। कोरोना काल के बाद अगले 10-15 वर्षो में कार्यशैली का बदला हुआ स्वरूप दिखाई देगा। उन्होंने कहा कि तकनीकी रूप से बेशक इंसान ने उन्नति की है लेकिन वास्तव में इंसान साधनों का गुलाम बनकर रह गया है। वह अपने आप से ऊपर उठकर सोच ही नहीं पाता। उसकी संवेदनशीलता स्वार्थपूर्ति की मंशा में दबकर रह गई है। इसलिए विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ संवेदनशीलता व नैतिकता का पाठ पढ़ाने की भी आवश्यकता है। कोरोना काल के बाद बदलने वाले स्वरूप की चर्चा करते हुए डॉ. पवन शर्मा ने कहा कि असीमित संसाधनों की पूर्ति के लिए शिक्षण संस्थानों में प्राइवेट सैक्टर का अधिपत्य बढ़ेगा जिससे शिक्षा के व्यापारीकरण की आशंका है। उस दौर में मूल्य आधारित शिक्षा को बचाए रखना अपने आप में बड़ी चुनौती होगी। वैबिनार को संबोधित करते हुए दयानन्द महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने कहा कि कोरोना वायरस के चलते शिक्षा बुरी तरह प्रभावित हुई है। यह अभी भविष्य के गर्भ में है कि कब और कैसे शिक्षा व्यवस्था पटरी पर आएगी। यह दौर शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं अभिभावकों के लिए चुनौती भरा है। संयम एवं सजगता द्वारा ही हम इस दौर से निकलकर बेहतर व्यवस्था बना सकते हैं। इस दौरान वैबिनार के संयोजक एवं वनस्पति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. विवेक श्रीवास्तव ने इस वैबिनार की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आपदा की इस स्थिति का हमें एकजुट होकर और डटकर सामना करना होगा। वैबिनार के अन्त में प्रश्नोत्तरकाल का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने विभिन्न प्रश्न पूछे जिनका मुख्यवक्ता द्वारा उत्तर दिया गया। वैबिनार के समन्वयक डॉ. अनूप सिंह परमार ने सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद ज्ञापित किया। वैबिनार को सफल बनाने में वैबिनार के समन्वयक डॉ. अनूप सिंह परमार, सचिव एवं सह संयोजक डॉ. शम्मी नागपाल, आयोजन समिति के सदस्य डॉ. सुनीता लेगा, नरेंद्र कुमार, डॉ. नीरू बाला, डॉ. आदित्य कुमार, डॉ. हेमन्त शर्मा, मनोज बिंदल, उर्वशी, सचिन मेहरा एवं सुशील राजपाल का विशेष योगदान रहा।

सर्राफा भाव

सोना (24 कैरेट)- 47200, 22 कैरेट- 43700, चांदी- 48000

सौजन्य : जैन ज्वैलर्स, 84, पीएलए, नजदीक टाउन पार्क, हिसार (90349-51490)

भारत विश्व गुरु बनने की राह प

पाठकपक्ष न्यूज

हांसी, 10 जून : भाजपा के पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश प्रवक्ता व हरियाणा सरकार में पिछड़ा वर्ग के डायरेक्टर अशोक कनौजिया ने आज स्थानीय पृथ्वी राज चौहान के किले पर मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल ...

करना, राम मन्दिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त करना, ट्रिप्पल तलाक जैसी ...

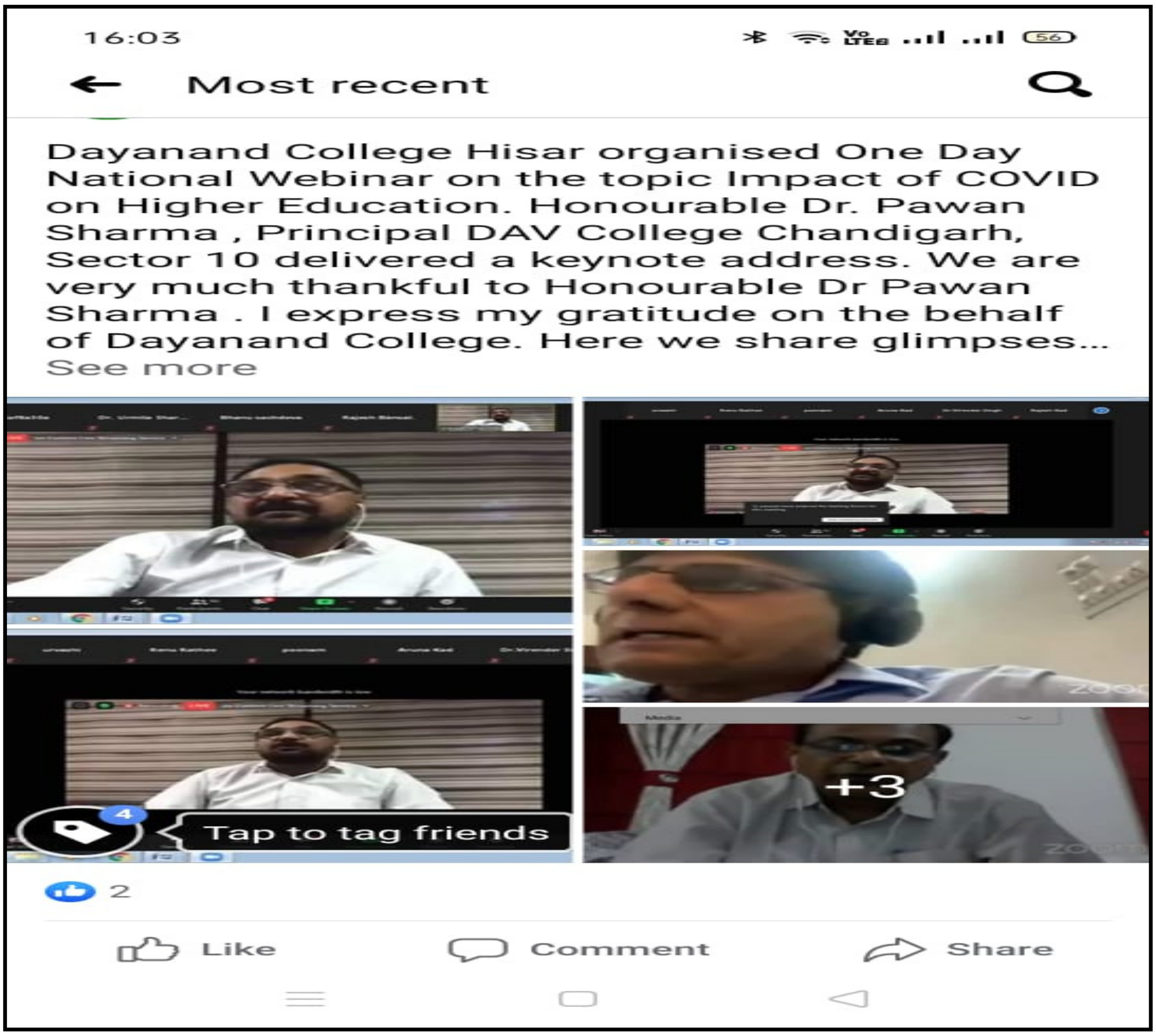

NATIONAL CADET CORPS (NCC) GIRLS UNIT

(One Day Webinar On"Role Of Science & Techonology during Covid 19 Pandemic")

Resource Person: Dr. Neeraj Dilbagi

Date : 12th June, 2020

NCC Unit of Dayanand College Hisar organised One Day National Webinar on the Topic ' Role Of Science and Technology during COVID 19 Pandemic. Prof. Neeraj Dilbaghi, Department of Bio and Nano Technology and Director UGC-HRDC Guru Jambheshwar University of Science and Technology, Hisar delivered keynote address and beautifully explained how can we combat with Corona Virus with the help of Science and Technology. Here we share glimpses of Webinar.

सितम्बर तक कोरोना की वैक्सीन बनने की उम्मीद: प्रो. नीरज दिलबागी

दयानन्द कॉलेज द्वारा आयोजित नैशनल वैबिनार में विज्ञान व तकनीक की भूमिका पर हुआ मंथन

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 12 जून : विज्ञान ने पूरी व्यवस्था को बदलकर रख दिया है। अब ऑनलाइन पेमेंट से लेकर पढ़ाई एवं मनोरंजन तक सभी ऑनलाइन करना सम्भव हो गया है। कोरोना महामारी से लड़ने में भी विज्ञान व तकनीक महती भूमिका निभा रहे हैं। युद्ध स्तर पर चल रहे शोध से इसी वर्ष सितम्बर माह तक कोरोना की वैक्सीन बनने की उम्मीद है, यह विचार दयानन्द कॉलेज द्वारा कोरोना महामारी के दौरान विज्ञान व तकनीक की भूमिका पर आयोजित नैशनल वैबिनार में मुख्य वक्ता के रूप में गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय के बायो एवं नैनो टेक्नोलॉजी विभाग के प्रोफैसर एवं यूजीसी-एचआरडीसी के डायरेक्टर नीरज दिलबागी ने प्रकट किए। उल्लेखनीय है कि कोरोना काल के दौरान हिसार का दयानन्द महाविद्यालय वैबिनारों के माध्यम से लगातार समाज में जागरूकता लाने के लिए प्रयासरत है। इसी कड़ी में 'कोरोना महामारी के दौरान विज्ञान एवं तकनीक की भूमिका' विषय पर आज ऑनलाइन नैशनल वैबिनार आयोजित किया गया। इस वैबिनार में देशभर से 2100 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। मुख्य वक्ता ने कोरोना महामारी के दौरान विज्ञान एवं तकनीक की भूमिका पर स्लाइडों के माध्यम से विस्तार से चर्चा की। दयानन्द महाविद्यालय की एन.सी.सी. की तीनों यूनिट के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित वैबिनार को संबोधित करते हुए दयानन्द कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. विक्रमजीत सिंह ने कहा कि इस आपात स्थिति में हम सावधानी व तकनीक के बूते ही विजय पा सकते हैं। विज्ञान व तकनीक के बलबूते ही इंसान नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। वैबिनार के संयोजक डॉ. हेमंत शर्मा ने वैबिनार के उद्देश्यों की चर्चा करते हुए कोरोना काल के दौरान विज्ञान की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। वैबिनार के सह-संयोजक डॉ. आदित्य कुमार ने प्रश्नोत्तरी सत्र का संचालन किया तथा सह-संयोजक डॉ. नीरू बाला ने अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया। वैबिनार की सफलता में डॉ. हेमंत शर्मा, डॉ. नीरू बाला, डॉ. आदित्य कुमार एवं आयोजक समिति की सचिव डॉ. सुनीता सेंगा एवं मनोज बिंदल की विशेष भूमिका रही। मुख्य वक्ता प्रो. नीरज दिलबागी ने कोरोना वायरस की पृष्ठभूमि का जिक्र करते हुए इसे महामारी बनने तक के सफर को विस्तार से समझाया। उन्होंने कहा कि बेशक आज हम आपात स्थिति का सामना कर रहे हैं लेकिन विज्ञान व तकनीक के प्रयोग के कारण हम इस महामारी से लड़ने में भी सक्षम हो रहे हैं। पहले पी.पी.ई. किट का आयात किया जाता था लेकिन अब हर सप्ताह देश में ही ऐसी लाखों बेहतरीन किट बनाई जा रही हैं। इसी तरह अन्य देशों की भांति भारत में भी कोरोना की वैक्सीन बनाने पर शोध कार्य जारी है। उन्होंने बताया कि आने वाले समय में विज्ञान व तकनीक के प्रयोग से आर्थिक व सामाजिक स्तर पर काफी परिवर्तन आएगा।

DEPARTMENT OF COMPUTER SCIENCE

(Six Day Workshop For Students)

Resource Person: Ms. Veerta, Mr. Vikas, Ms. Ritu, Ms. Vinamarata, Ms. Sonia, Ms, Meenu,Ms. Anju, Ms. Maya, Ms, Deepka, Ms Manisha, Ms Meenakshi, Ms. Alka & Ms. Meena

Date : 16th -21st May, 2020

DAYANAND COLLEGE, HISAR

Accredited with 'A' Grade by NAAC

Governed by DAV College Managing Committee, New Delhi

Affiliated to Guru Jambheshwar University of Science & Technology, Hisar

Computer Science Department

Organizes

Six days ICT Online Workshop for Students

Day 1 : 16th June, 2020
Online Form Filling and Mailing
Ms. Veerta & Mr. Vikas

Day 2 : 17th June 2020
Microsoft Word & Resume Preparation
Ms. Ritu & Ms.Vinamarata

Day 3: 18th June 2020
Microsoft Excel
Ms. Sonia & Ms. Meenu

Day 4: 19th June 2020
Microsoft PowerPoint
Ms Anju, Ms. Maya & Ms. Deepika

Day 5: 20th June 2020
Web Designing
Ms. Manisha & Ms Meenakshi

Day 6: 21st June 2020
Hacking & Cyber Security
Ms. Alka & Ms. Meena

For Registration

No Registration Fee
Participation: Students of all streams can participate in this Workshop.
For joining the Workshop, Registration is mandatory.
Time-From 9:00 AM daily on Youtube
Registration form link: https://forms.gle/VkoYni3fhvsvZj8C9
Link of the workshop will be provided through E-mail.

ABOUT THE INSTITUTION

Dayanand College, Hisar is a 70 years old, re-accredited as 'A' Grade institution by NAAC, Bangalore in November 2016. This Temple of learning is a nursery of higher education. The college owes its existence to the vision and missionary zeal of Lala Gian Chand Mahajan (later venerated as Swami Munishwaranand) who was a teacher by profession, a social crusader by inclination, and a saint by temperament. Swamiji was helped in his crusade by a galaxy of philanthropists and missionaries. The college is a multi-faculty, co-educational government-aided institution affiliated to Guru Jambheshwar University of Science & Technology, Hisar. Founded in the historical city of Hisar in 1950. The college was taken over by the DAV College Managing Committee, New Delhi in 1962. The opening of a college in Hisar was like creating oasis in the desert. The college is situated on two campuses, occupying a total land area of about 24 acres out of which 4 acres of land is for the college complex and 20 acres of land is harnessed for creating facilities like hostels, staff quarters, sports ground and indoor sports complex.

व्यावहारिक ज्ञान से होगा कौशल विकास: डॉ. विक्रमजीत सिंह

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 16 जून : आज के दौर में किताबी ज्ञान से काम चलने वाला नहीं है, इसके साथ-साथ व्यावहारिक ज्ञान की भी नितांत आवश्यकता है। यह शब्द दयानन्द महाविद्यालय के कम्प्यूटर साइंस विभाग द्वारा विद्यार्थियों के लिए आयोजित सूचना एवं संचार तकनीक (आईसीटी) पर आधारित 6 दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला का शुभारम्भ करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने कहे। उन्होंने कहा कि पाठ्यक्रम से सम्बन्धित डिग्री लेने के साथ-साथ कार्य कुशलता को भी बढ़ाना होगा। उन्होंने कहा कि इस तकनीकी युग में कंप्यूटर ज्ञान के बिना आगे बढ़ना सम्भव नहीं है। उद्घाटन सत्र में कार्यशाला के संयोजक नरेन्द्र कुमार ने कार्यशाला के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कोरोना महामारी के दौरान विद्यार्थी अपने घरों तक सीमित होकर रह गए हैं, इस दौर में सूचना एवं संचार तकनीक पर आधारित यह 6 दिवसीय कार्यशाला उनके लिए काफी उपयोगी साबित होगी। उन्होंने कहा कि इस कार्यशाला में विद्यार्थियों को बहुत कुछ नया सीखने को मिलेगा। आज कार्यशाला के पहले दिन "ऑनलाइन फॉर्म फिलिंग एवं मेलिंग" विषय पर प्राध्यापकों श्रीमती वीरता व विकास ने स्लाइडों के माध्यम से व्याख्यान दिया। 17 जून को "माइक्रोसॉफ्ट वर्ड एवं रिज्यूम प्रिपेरेशन" के बारे में श्रेतु तथा विनमता जानकारी देंगे। 18 जून को शिक्षिका सोनिया तथा मीनू "माइक्रोसॉफ्ट एक्सेल" से सम्बन्धित जानकारी विद्यार्थियों के साथ सांझा करेंगी। इसी तरह 19 जून को शिक्षिका अंजू, माया व दीपिका का "माइक्रोसॉफ्ट पावर प्वाइंट" के बारे में व्याख्यान रहेगा। 20 जून को मनीषा तथा मीनाक्षी "वेब डिजाइनिंग" के तकनीकी पहलुओं पर प्रकाश डालेंगी।

कार्यशाला को संबोधित करते डी. एन. कॉलेज के प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह।

कार्यशाला के अन्तिम दिन 21 जून को अल्का व मीना "हैकिंग एंड साइबर सिक्योरिटी" के बारे में बताएंगे। कार्यशाला आयोजन समिति के सदस्य शिक्षक मनोज बिंदल ने बताया कि इस 6 दिवसीय कार्यशाला की योजना को क्रियान्वित करने में श्रीमती उर्वशी, मीनाक्षी, रितु, मीनू, अंजू, वीरता, सोनिया, मनीषा, विनमता, माया, दीपिका बिश्नोई, मीना कुमारी, अल्का गोस्वान एवं विकास चौहान का विशेष योगदान रहा है। दयानन्द कॉलेज के प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने बताया कि कार्यशाला में पहले दिन 500 से अधिक विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। उम्मीद है कि इस 6 दिवसीय कार्यशाला से सैकड़ों और विद्यार्थियों के जुड़ने की सम्भावना है। उन्होंने कहा कि यह कार्यशाला हर संकाय के विद्यार्थियों के लिए उपयोगी है। इसमें किसी भी महाविद्यालय तथा विश्वविद्यालय के विद्यार्थी ऑनलाइन भाग ले सकते हैं।

The Computer Science Department of Dayanand College, Hisar organised 6 days ICT online workshop to enhance the skills of students. Here we share the glimpses of the first day of the workshop.

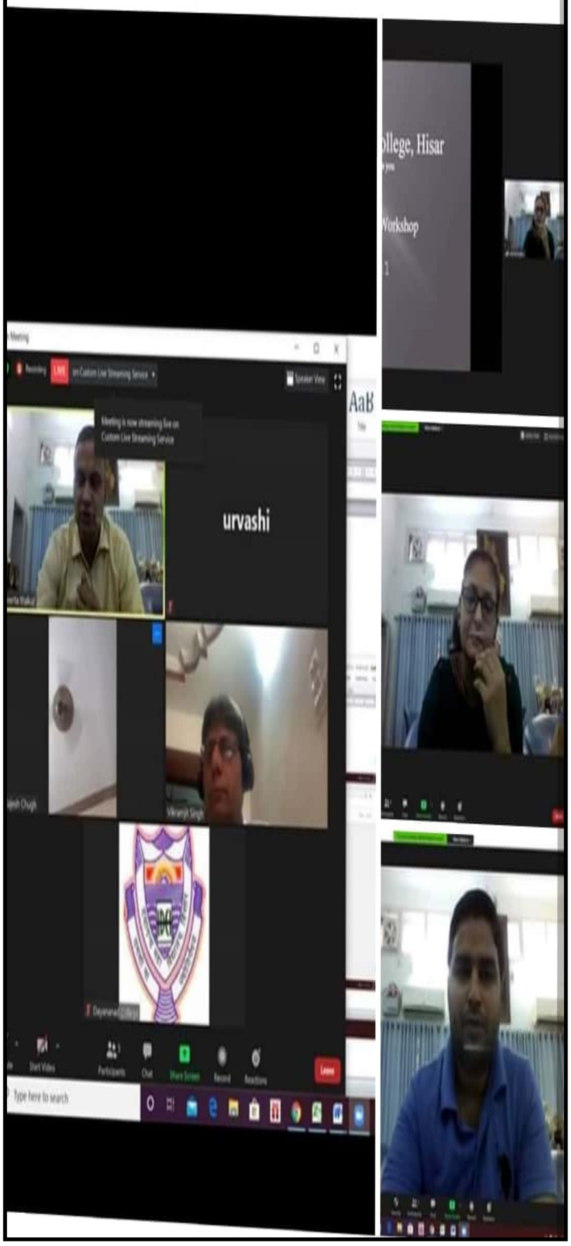

DEPARTMENT OF PHYSICS

(1 Day Webinar on "Photonics: The Walk of Life During and After Covid -19")

Resource Person: Dr. Devendra Mohan

Date : 22nd June, 2020

DAYANAND COLLEGE, HISAR

Accredited with 'A' Grade by NAAC

Governed by DAV College Managing Committee, New Delhi

Affiliated to Guru Jambheshwar University of Science & Technology, Hisar

Department of Physics

Invites you to
Join a National Webinar
On
Photonics: The Walk of Life During and after COVID- 19
On
Monday, 22nd June, 2020
Time: 11.30 AM on Zoom

Key Note Speaker
Dr. Devendra Mohan
Professor, Department of Physics, GJU S&T, Hisar

Free Registration
Registration Link:
https://forms.gle/WkwtRvjwzHB3BCxg8

Webinar Coordinator
Dr. Anoop Parmar
Head, Department of Geography
Webinar Co-Convener
Narender Kumar
Assistant Professor, Department of Physics
Organizing Committee
Mr. Manoj Bindal
Ms.Urvashi

Convener
Chetan Sharma
Head, Department of Physics

Patron
Dr.Vikramjit Singh
Principal

E-Certificates will be given to all those participants who will attend the webinar & fill feedback form.
For any query please email at: physics.dnchsr@gmail.com
Contact Us:
Mr. Chetan Sharma - 8295322899
Mr. Narender Kumar-9416239713

कोरोना काल में संदेश भेजने के लिए फोटोनिक्स तकनीक काफी उपयोगी: प्रो. देवेंद्र मोहन

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 22 जून : आज दयानन्द महाविद्यालय के फिजिक्स विभाग द्वारा 'फोटोनिक्स: कोरोना काल के दौरान एवं बाद में जीवन का चलन' विषय पर ऑनलाइन राष्ट्रीय वैबिनार का आयोजन किया गया। वैबिनार के मुख्य वक्ता गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय के फिजिक्स विभाग के प्रोफेसर डॉ. देवेंद्र मोहन ने अपने सम्बोधन में कहा कि फोटोनिक्स प्रकाश (फोटोन) पीढ़ी का भौतिक विज्ञान है तथा फोटोनिक्स 21वीं सदी का प्रमुख प्रौद्योगिक विषय है। उन्होंने फोटोनिक्स व ऑपटिक्स में अंतर स्पष्ट करते हुए फोटोनिक्स की सामाजिक, औद्योगिक व आर्थिक क्षेत्रों में विविध आयामों की विस्तार से चर्चा की। प्रो. देवेंद्र मोहन ने कहा कि कोरोना काल के दौरान हम फोटोनिक्स तकनीक की सहायता से अपने सामाजिक जीवन में संदेशों को प्रसारित कर सकते हैं। राष्ट्रीय वैबिनार को संबोधित करते हुए दयानन्द महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने कहा कि कोरोना वायरस के चलते लोग तनावग्रस्त हो रहे हैं। इस दौर में फोटोनिक्स जैसी तकनीक संदेशों के माध्यम से लोगों को जोडने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। उन्होंने कहा कि इस महामारी के दौरान आपस में संवाद होना नितांत आवश्यक है। वैबिनार के संयोजक दयानन्द महाविद्यालय के फिजिक्स विभाग के विभागाध्यक्ष चेतन शर्मा ने वैबिनार की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला तथा सह समन्वयक नरेंद्र कुमार ने प्रश्नोतर सत्र का संचालन किया तथा मुख्यवक्ता ने प्रतिभागियों द्वारा उठाए गए प्रश्नों के उत्तर दिए। वैबिनार को सफल बनाने में समन्वयक डॉ. अनूप

परमार, सह समन्वयक नरेंद्र कुमार एवं आयोजक समिति के सदस्य शिक्षक मनोज बिंदल व शिक्षिका उर्वशी की विशेष भूमिका रही। सभी प्रतिभागियों को ई-सर्टिफिकेट भी प्रदान किए जाऐंगे।

DEPARTMENT OF MANAGEMENT

(One Day Webinar on Atrategy For Reviving Indian Economy in Post Covid 19)

Resource Person: Dr. Harbhajan Bansal

Date : 30th May, 2020

नियोक्ता व कर्मचारी एक-दूसरे के पूरक: प्रो. शबनम सक्सेना

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 27 जून : दयानन्द कॉलेज के प्रबंधन विभाग द्वारा 'कोरोना काल के दौरान एवं बाद में नियोक्ता व कर्मचारी के सम्बन्ध' विषय पर राष्ट्र स्तरीय वैबिनार आयोजित किया गया। वैबिनार के मुख्य वक्ता गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय के हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस की डीन प्रो. शबनम सक्सेना ने कोरोना काल के दौरान उत्पन्न हुए तनाव एवं नियोक्ता व कर्मचारियों के सम्बन्धों पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने कहा कि दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं और दोनों का एक-दूसरे के बिना काम नहीं चल सकता। राष्ट्रीय वैबिनार को सम्बोधित करते हुए वैबिनार के

समन्वयक डॉ. अनूप सिंह परमार ने कहा कि कर्मचारी किसी भी संस्थान की रीढ़ होते हैं, इसलिए हर हाल में उनका ध्यान रखना जरूरी है। इसके साथ-साथ कर्मचारियों का भी दायित्व है कि वे बदलते समय के साथ अपने आप को अपडेट करते रहें। राष्ट्रीय वैबिनार की संयोजक दयानन्द कॉलेज के प्रबंधन विभाग से डॉ. नीरू बाला ने नियोक्ता व कर्मचारियों की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए मुख्य वक्ता का परिचय करवाया एवं सह संयोजक डॉ. आदित्य कुमार ने प्रतिभागियों को धन्यवाद ज्ञापित किया। वैबिनार को सफल बनाने में आयोजक सचिव डॉ. संगीता, डॉ. छवि मंगला, तकनीकी समन्वयक डॉ. मनोज बिंदल व शिक्षिका उर्वशी का विशेष योगदान रहा। उल्लेखनीय है कि कोरोना काल के दौरान लॉकडाउन की स्थिति में हिसार का दयानन्द कॉलेज ऑनलाइन वैबिनार, कांफ्रेंस एवं ऑनलाइन वर्कशॉप आयोजित करके विद्यार्थियों एवं बुद्धिजीवियों को लगातार जोड़े हुए है तथा विद्यार्थी घर बैठे बहुत कुछ सीखकर समय का सदुपयोग कर रहे हैं।

कोरोना काल के बाद भारतीय अर्थ व्यवस्था सुदृढ़ होगी : प्रो. हरभजन बंसल

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 24 जून : कोरोना महामारी एक बहुत बड़ी वैश्विक समस्या के रूप में उभरी है, लेकिन कोरोना काल के बाद भारत की अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होगी। कोरोना का विभिन्न क्षेत्रों में अलग-अलग तरह से प्रभाव पड़ेगा, यह शब्द आज दयानन्द महाविद्यालय के प्रबन्धन विभाग द्वारा "कोरोना काल के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने के लिए रणनीति" विषय पर आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय वैबिनार में गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार (कुलसचिव) डॉ. हरभजन बंसल ने मुख्यवक्ता के रूप में कहे। उन्होंने 'आत्मनिर्भर भारत' तथा 'वोकल फॉर लोकल' की अवधारणा पर बल देते हुए दावा किया कि इसमें

कोई संशय नहीं है कि कोरोना काल के बाद भारत की अर्थव्यवस्था नए मुकाम पर होगी। अपने सम्बोधन में दयानन्द महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने कहा कि कोरोना ने जीवन के सभी पहलुओं को प्रभावित किया है। सभी देशों की अर्थव्यवस्था पर इसका गहरा प्रभाव पड़ा है लेकिन इसमें भी कोई दो राय नहीं है कि कोरोना काल के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था में तेजी से सुधार होगा। वैबिनार की संयोजक डॉ. नीरू बाला ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया तथा कहा कि आज के इस तनाव भरे दौर में इस बात पर अवश्य मंथन होना चाहिए कि भारतीय अर्थव्यवस्था में कब व कैसे सुधार होगा। वैबिनार के समन्वयक डॉ. अनूप सिंह परमार ने सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद ज्ञापित किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने इस वैबिनार के सफल आयोजन के लिए वैबिनार की संयोजक डॉ. नीरू बाला, आयोजन सचिव डॉ. सुनीता लेगा, डॉ. हेमंत शर्मा तथा तकनीकी समन्वयक की भूमिका निभा रहे मनोज बिंदल व उर्वशी को बधाई दी है। वैबिनार में डॉ. हेमंत शर्मा ने प्रश्नोत्तर सत्र का संचालन किया तथा मुख्य वक्ता ने प्रतिभागियों द्वारा उठाए गए प्रश्नों के उत्तर दिए।

DEBATING SOCIETY

(6 Days Online Training Workshop on "Communication Skills for Students")

Resource Person: Prof Rajneesh Arora, Prof. Deepti Dharmani, Dr. Aparna, Dr. Yashu Rai Tayal, Dr. Geeta Rani, Dr. Monika Kakkar & Dr. Shammi Nagpal

Date : 24-29 June, 2020

DAYANAND COLLEGE, HISAR

Accredited with 'A' Grade by NAAC

Governed by DAV College Managing Committee, New Delhi

Affiliated to Guru Jambheshwar University of Science & Technology, Hisar

Debating Society

Organizes

Six days Online Training Workshop on Communication Skills for Students

June 24-29, 2020

Day 1 : 24-06-2020, Time : 10:00 a.m.
Key Note Speaker
Professor Rajneesh Arora
Director, English & Foreign Languages University
Regional Campus, Lucknow

Day 2 : 25-06-2020, Time : 11:30 a.m.
Professor Deepti Dharmani
Department of English
CDLU, Sirsa

Day 3: 26-06-2020, Time : 11:30 a.m.
Dr. Aparna
Department of Languages & Haryanvi Culture
CCSHAU, Hisar

Day 4 : 27-06-2020, Time : 11:30

Dr. Yashu Rai Tayal
Associate Professor
Head, Department of English
Dayanand College, Hisar

Dr. Geeta Rani
Associate Professor
Department of English
Dayanand College, Hisar

Day 5 : 28-06-2020, Time : 11:30

Dr. Monika Kakkar
Associate Professor
Head, Department of Hindi
Dayanand College, Hisar

Dr. Shammi Nagpal
Associate Professor
Department of English
Dayanand College, Hisar

Day 6 : 28-06-2020, Time : 11:30 a.m.
Interaction with the Students

ABOUT THE INSTITUTION

Dayanand College, Hisar is a 70 years old, re-accredited as 'A' Grade institution by NAAC, Bangalore in November 2016. This Temple of learning is a nursery of higher education. The college owes its existence to the vision and missionary zeal of Lala Gian Chand Mahajan (later venerated as Swami Munishwaranand) who was a teacher by profession, a social crusader by inclination, and a saint by temperament. Swamiji was helped in his crusade by a galaxy of philanthropists and missionaries. The college is a multi-faculty, co-educational government-aided institution affiliated to Guru Jambheshwar University of Science & Technology, Hisar. Founded in the historical city of Hisar in 1950. The college was taken over by the DAV College Managing Committee, New Delhi in 1962. The opening of a college in Hisar was like creating oasis in the desert. The college is situated on two campuses, occupying a total land area of about 24 acres out of which 4 acres of land is for the college complex and 20 acres of land is harnessed for creating facilities like hostels, staff quarters, sports ground and indoor sports complex.

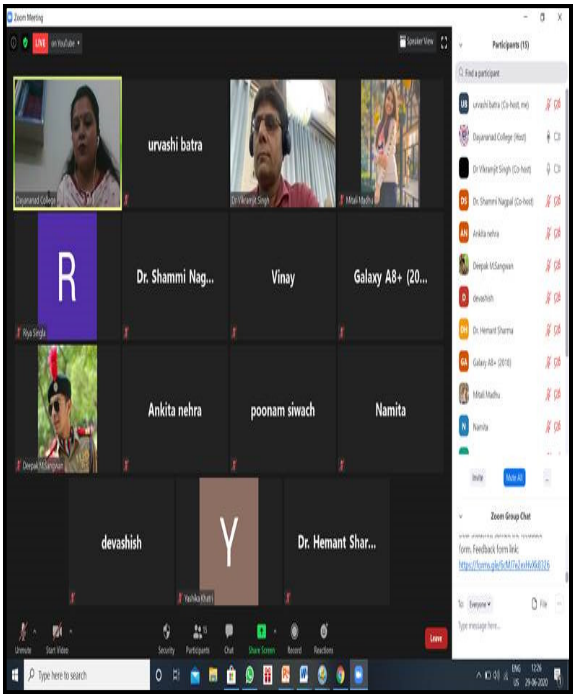

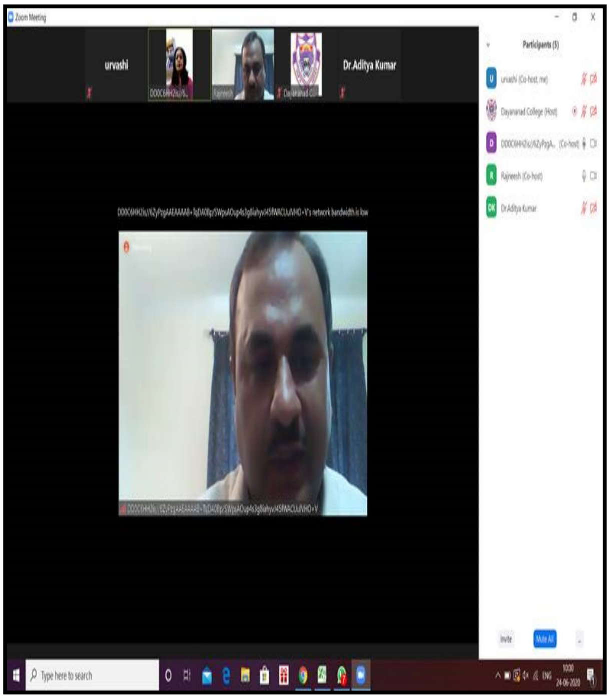

अभिव्यक्ति हमेशा सशक्त होनी चाहिए : प्राचार्य

हिसार/29 जून/रिपोर्टर

विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम की पुस्तकों के साथ-साथ संचार कौशल में भी सुधार करना चाहिए। हमारी अभिव्यक्ति से ही हमारे व्यक्तित्व का अंदाजा लग जाता है, इसलिए अभिव्यक्ति हमेशा सशक्त होनी चाहिए, यह विचार दयानन्द महाविद्यालय की डिबेटिंग सोसायटी द्वारा 'संचार कौशल में सुधार' विषय पर आयोजित छह दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यशाला के समापन पर विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए दयानन्द महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने प्रकट किए। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अच्छा साहित्य पढ़ें और प्रभावशाली ढंग से बोलने एवं लिखने का अभ्यास करे तथा शिक्षकों का भी यह दायित्व है कि वे अपनी कक्षा में विद्यार्थियों को अभिव्यक्ति का समान अवसर प्रदान करें। छह दिन तक चली ऑनलाइन कार्यशाला में वक्ता प्रो. रजनीश अरोड़ा ने संचार कौशल के गुर समझाते हुए कहा कि वक्ता को अपनी जिम्मेदारी समझनी चाहिए। उसे बदलते समय के अनुसार अपनी कुशलता में लगातार इजाफा करते रहना चाहिए। प्रो. दीप्ति धर्मानी ने अपने वक्तव्य से विद्यार्थियों को सुनने की कला से अवगत करवाया। उन्होंने कहा कि वक्ता के साथ-साथ अच्छा श्रोता होना भी जरूरी है। वक्ता डॉ. अपर्णा ने विद्यार्थियों को आह्वान किया कि वे पढने की आदत डालें। उन्होंने कहा कि अधिकतर विद्यार्थी केवल पाठ्यक्रम की पुस्तकों तक सीमित होकर रह जाते हैं जबकि उन्हें हर तरह की रचनात्मक पुस्तकें पढ़नी चाहिए। इसके अतिरिक्त दयानन्द महाविद्यालय के अंग्रेजी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. यशुराय तायल, डॉ. गीता रानी, डॉ. शम्मी नांगपाल तथा हिन्दी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. मोनिका कक्कड़ ने अलग-अलग दिन व्याख्यानों के माध्यम से संचार कौशल के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। आयोजक समिति की सदस्य डॉ. छवि मंगला ने अंतिम दिन प्रश्नोत्तर सत्र का संचालन किया। इस कार्यशाला का लाभ देशभर के विभिन्न राज्यों के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने उठाया। इस कार्यशाला में विद्यार्थियों ने संचार कौशल से सम्बन्धित विभिन्न पहलुओं को न केवल समझा बल्कि कार्यशाला के अंतिम दिन अपने अनुभवों को साझा करते हुए अपनी जिज्ञासाओं को भी शांत किया। कार्यशाला एवं डिबेटिंग सोसायटी की संयोजक डॉ. शम्मी नागपाल ने कार्यशाला की सफलता से उत्साहित होकर कहा कि इससे विद्यार्थियों के संचार कौशल में निश्चित ही इजाफा होगा। उन्होंने कहा कि रोजमर्रा की जिंदगी में संचार कौशल होना नितांत आवश्यक है। संचार कौशल पर आधारित इस प्रशिक्षण कार्यशाला के आयोजक सचिव महाविद्यालय के फिजिक्स विभाग के विभागाध्यक्ष चेतन शर्मा एवं आयोजक समिति के सदस्यों विजय सिंह, डॉ. हेमंत शर्मा, मंजू शर्मा, डॉ. छवि मंगला, मनोज बिंदल, उर्वशी ठकराल एवं सुशील राजपाल ने कार्यशाला की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

DEPARTMENT OF ENGLISH
& MASS COMMUNICATION

(One Day Interdisciplinary National Conference on Cinema, Literature and Society)

Resource Person: Sh. Yashpal Sharma & Dr. Jai Singh

Date : 24th June, 2020

DAYANAND COLLEGE, HISAR

ACCREDITED WITH 'A' GRADE BY NAAC
Governed by DAV College Managing Committee, New Delhi
Affiliated to Guru Jambheshwar University of Science and Technology, Hisar

Department of English
&
Department of Mass Communication
Invite you to
One Day Interdisciplinary National Conference
on
Cinema, Literature and Society
on
June 24, 2020

Session I
12:00 PM - 01:00 PM
Sh. Yashpal Sharma
Eminent Actor
Theatre, Cinema and Television

Session II
01:00 PM - 02:00 PM
Dr. Jai Singh
Assistant Professor
Department of Indian and World Literature
EFLU, Hyderabad

REGISTRATION & CERTIFICATE OF PARTICIPATION

Registration is free but mandatory
Faculty and research scholars of all subjects are invited.
Registration form link: https://forms.gle/2YBVJE58tYpj52Bi6
Joining link and instructions will be sent by email on 23.06.2020.
All participants will be given e-certificates only after successfully completing all the sessions and filling up the feedback form.
For any query please email at: filmsociety.dnc@gmail.com

Department of English and Mass Communication of Dayanand College, Hisar organised One Day National Interdisciplinary Conference on Cinema, Literature and Society. Eminent film actor and Director Sh. Yashpal Sharma delivered keynote address and second session was chaired by Dr. Jai Singh, Assistant Professor, Department of Indian and World Literature at E.F.L.U Hyderabad. Here we share glimpses of Confrence.

यशपाल शर्मा ने बुरी फिल्मों व घटिया वेब सीरीज से बचने का किया आह्वान

यथार्थवादी सिनेमा विद्यार्थियों को दिशा दिखाने में सक्षम

हरिभूमि न्यूज »» हिसार

- दयानन्द महाविद्यालय ने सिनेमा, साहित्य व समाज विषय पर राष्ट्रीय कान्फ्रेंस का किया आयोजन

प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता यशपाल शर्मा ने युवाओं से आह्वान किया है कि वे बुरी फिल्मों व घटिया वेब सीरिज से बचकर रहें। उन्होंने कहा कि युवाओं को रचनात्मक सिनेमा को प्रमुखता से देखना चाहिए और यथार्थवादी सिनेमा को प्राथमिकता देनी चाहिए। रंगकर्मी एवं फिल्म निर्देशक यशपाल शर्मा ने दयानन्द महाविद्यालय के इंग्लिश विभाग एवं जनसंचार विभाग के संयुक्त तत्वावधान में सिनेमा, साहित्य और समाज विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कांफ्रेंस को बतौर मुख्य वक्ता सम्बोधित किया। फिल्म अभिनेता यशपाल शर्मा ने कहा कि युवा कुछ चुनिंदा अभिनेताओं को अपना आदर्श मानते हैं जबकि कोरोना काल में डॉक्टर, सफाईकर्मी, समाजसेवी, किसान एवं पुलिस असली हीरो के रूप में सामने आए हैं। यशपाल शर्मा ने बुरी फिल्मों के प्रति सावधान करते हुए कहा कि युवाओं को यथार्थवादी एवं प्रेरणादायी फिल्में देखनी चाहिए ताकि वे अपने जीवन में सही निर्णय ले सकें। राष्ट्रीय कांफ्रेंस के द्वितीय सत्र में हैदराबाद की इंग्लिश एंड फोरन लैंग्वेज युनिवर्सिटी के सहायक प्रोफेसर डॉ. जयसिंह ने व्याख्यान दिया। राष्ट्रीय कांफ्रेंस में दयानंद महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने कहा कि सामाजिक, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने में सिनेमा तथा साहित्य कारगर हैं। उन्होंने कहा कि यह गर्व की बात है कि अभिनेता यशपाल शर्मा दयानन्द कॉलेज के विद्यार्थी रहे हैं और अब अंतरराष्ट्रीय पटल पर ख्याति अर्जित कर रहे हैं। राष्ट्रीय कांफ्रेंस के द्वितीय सत्र के मुख्य वक्ता हैदराबाद की इंग्लिश एंड फोरन लैंग्वेज युनिवर्सिटी के सहायक प्रोफेसर डॉ. जयसिंह ने कहा कि जिस तरह हमारा जीव विज्ञान जैविक जीनों द्वारा निर्धारित होता है उसी तरह हमारे सामाजिक-सांस्कृतिक अस्तित्व का निर्धारण भाषाई जीनों या सरल भाषा की विवेचनात्मक संरचनाओं द्वारा किया जाता है। उन्होंने उदाहरण देते हुए समझाया कि जिस तरह रेशम का कीड़ा भीतर से रेशम पैदा करता है और उसी तरह उसके भीतर घुस जाता है, उसी तरह इंसान प्रवचनों का उत्पादन करता है और उन प्रवचनों के भीतर उलझा रहता है। उन्होंने कहा कि चाहे सिनेमा हो या फिर कहानियां, उपन्यास या समाचार हों, सभी इंसान को अलग-अलग ढंग से प्रभावित करते हैं। राष्ट्रीय कांफ्रेंस के संयोजक सहायक प्रोफेसर सुरेश कुमार ने सभी अतिथियों का आभार जताया। कांफ्रेंस सलाहकार व समन्वयक इंग्लिश विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. यशु राय तायल ने भी कांफ्रेंस के दौरान अपने विचार व्यक्त किए। कांफ्रेंस में आयोजक सचिव मंजीत सिंह, आयोजक समिति के सदस्य शिक्षिका वलेरिया सेठी, मीनाक्षी चौहान, संगीता मलिक, राजेश चुघ, मनोज बिंदल का विशेष योगदान रहा।

हिसार। कान्फ्रेंस को संबोधित करते मुख्य वक्ता बॉलीवुड स्टार यशपाल शर्मा।

दैनिक पाठकपक्ष, हिसार, वीरवार, 25 जून, 2020

यथार्थवादी सिनेमा विद्यार्थियों को दिशा दिखाने में सक्षम : यशपाल शर्मा

दयानन्द महाविद्यालय ने 'सिनेमा, साहित्य व समाज' विषय पर आयोजित की राष्ट्रीय कांफ्रेंस

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 25 जून : प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता यशपाल शर्मा ने युवाओं से आह्वान किया है कि वे बुरी फिल्मों व घटिया वैब सीरीज से बचकर रहें। उन्होंने कहा कि युवाओं को रचनात्मक सिनेमा को प्रमुखता से देखना चाहिए और यथार्थवादी सिनेमा को प्राथमिकता देनी चाहिए। रंगकर्मी एवं फिल्म निर्देशक यशपाल शर्मा ने दयानन्द महाविद्यालय के इंग्लिश विभाग एवं जनसंचार विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 'सिनेमा, साहित्य और समाज' विषय पर आयोजित राष्ट्र स्तरीय कांफ्रेंस को बतौर मुख्य वक्ता सम्बोधित किया। कांफ्रेंस के प्रथम सत्र के दौरान यशपाल शर्मा ने 'युवाओं पर सिनेमा का प्रभाव' विषय पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि युवा कुछ चुनिंदा अभिनेताओं को अपना आदर्श मानते हैं जबकि कोरोना काल में डॉक्टर, सफाईकर्मी, समाजसेवी, किसान एवं पुलिस असली हीरो के रूप में सामने आए हैं। यशपाल शर्मा ने बुरी फिल्मों के प्रति सावधान करते हुए कहा कि युवाओं को यथार्थवादी एवं प्रेरणादायी फिल्में देखनी चाहिए ताकि वे अपने जीवन में सही निर्णय ले सकें। राष्ट्रीय कांफ्रेंस के द्वितीय सत्र में हैदराबाद की इंग्लिश एंड फोरन लैंग्वेज युनिवर्सिटी के सहायक प्रोफेसर डॉ. जयसिंह ने व्याख्यान दिया। राष्ट्रीय कांफ्रेंस को सम्बोधित करते हुए दयानन्द महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने कहा कि सामाजिक, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने में सिनेमा व साहित्य कारगर हैं। सिनेमा व साहित्य भावाभिव्यक्ति के सशक्त साधन हैं तथा इनका सही इस्तेमाल करके समाज को सही दिशा दिखाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि यह गौरव की बात है कि अभिनेता यशपाल शर्मा दयानन्द कॉलेज के विद्यार्थी रहे हैं और अब अंतरराष्ट्रीय पटल पर ख्याति अर्जित कर रहे हैं। राष्ट्रीय कांफ्रेंस के संयोजक सहायक प्रोफेसर सुरेश कुमार ने सभी अतिथियों का अभिनन्दन करते हुए उनकी उपलब्धियों से रूबरू करवाया। उन्होंने राष्ट्रीय कांफ्रेंस की प्रासंगिकता एवं उपयोगिता पर भी प्रकाश डाला। कांफ्रेंस सलाहकार व समन्वयक इंग्लिश विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. यशु राय तायल ने भी कांफ्रेंस के दौरान अपने विचार व्यक्त किए। राष्ट्रीय कांफ्रेंस के द्वितीय सत्र के मुख्य वक्ता हैदराबाद की इंग्लिश एंड फोरन लैंग्वेज युनिवर्सिटी के सहायक प्रोफेसर डॉ. जयसिंह ने कहा कि जिस तरह हमारा जीव विज्ञान जैविक जीनों द्वारा निर्धारित होता है उसी तरह हमारे सामाजिक-सांस्कृतिक अस्तित्व का निर्धारण भाषाई जीनों या सरल भाषा की विवेचनात्मक संरचनाओं द्वारा किया जाता है। उन्होंने उदाहरण देते हुए समझाया कि जिस तरह रेशम का कीड़ा भीतर से रेशम पैदा करता है और उसी तरह उसके भीतर घुस जाता है, उसी तरह इंसान प्रवचनों का उत्पादन करता है और उन प्रवचनों के भीतर उलझा रहता है। उन्होंने कहा कि चाहे सिनेमा हो या फिर कहानियां, उपन्यास या समाचार हों, सभी इंसान को अलग-अलग ढंग से प्रभावित करते हैं। कांफ्रेंस को सफल बनाने में आयोजक सचिव मंजीत सिंह, आयोजक समिति के सदस्य शिक्षिका वलेरिया सेठी, मीनाक्षी चौहान, संगीता मलिक, राजेश चुघ व मनोज बिंदल का विशेष योगदान रहा।

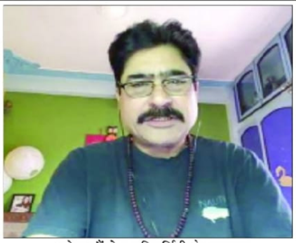

DEPARTMENT OF MATHEMATICS

(One Day International Webinar on "Application Of Mathematics in Science and Techonology")

Resource Person: Prof. O.D. Makinde & Dr. Ajit Kumar

Date : 25th June, 2020

DAYANAND COLLEGE, HISAR

Accredited with 'A' Grade by NAAC

Governed by DAV College Managing Committee, New Delhi

Affiliated to Guru Jambheshwar University of Science & Technology, Hisar

Department of Mathematics

Organizes

International Webinar

on

Application of Mathematics in Science and Technology

Date:25June,2020 **Time:1:30 PM**

Key-Note speaker
Professor O. D. Makinde
(MFR, FAAS, FIAPS)
Faculty of Military Science, Stellenbosch University, South Africa

Dr.Ajit Kumar
Head, Department of Mathematics
Institute of Chemical Technology, Mumbai

Convener
Dr.Inderjit Singh
Head, Department of Mathematics

Patron
Dr. Vikramjit Singh
Principal

Organizing Secretary
Dr.Neeru Bala
Assistant Professor
Department of Mathematics

इंजीनियरिंग कूलिंग बढ़ाने में नैनोफ्लूड डायनॉमिक्स तकनीक कारगर: प्रो. ओ.डी. मैकेंडी

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 27 जून : दयानन्द महाविद्यालय के गणित विभाग द्वारा 'विज्ञान व प्रौद्योगिकी में गणित का महत्व' विषय पर आयोजित किए गए अन्तरराष्ट्रीय वैबिनार में देश-विदेश से प्रतिभागियों ने शिरकत की। दक्षिण अफ्रीका की स्टेलिनबोश यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर ओ. डी. मैकेंडी प्रथम सत्र के मुख्य वक्ता रहे जबकि द्वितीय सत्र में मुंबई के इंस्टीट्यूट ऑफकेमिकल टेक्नोलॉजी के डॉ. अजीत कुमार ने मुख्य वक्ता के तौर पर व्याख्यान दिया। प्रथम सत्र के मुख्य वक्ता प्रो. ओ. डी. मैकेंडी ने मैग्नेटो फ्लूड डायनॉमिक्स एंड इंजीनियरिंग एप्लीकेशन विषय पर सारगर्भित व्याख्यान दिया। उन्होंने नैनोफ्लूड के गतिय सिद्धांत की सहायता से इंजीनियरिंग कूलिंग को बढ़ाने का वैज्ञानिक पक्ष समझाया। इसी भांति डॉ. अजीत कुमार ने आधुनिक साफ्टवेयर द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस मशीन लर्निंग जैसे विषय में गणितीय पक्ष को उजागर किया। इस अन्तरराष्ट्रीय वैबिनार का आयोजन दयानन्द महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने कहा कि गणित के महत्व को समझकर हम इस आधुनिक दौर में और भी बेहतर कार्य कर सकते हैं। अन्तरराष्ट्रीय वैबिनार के संयोजक दयानन्द कॉलेज के गणित विषय के विभागाध्यक्ष डॉ. इंद्रजीत सिंह ने वैबिनार की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए इसके महत्व को स्पष्ट किया। वैबिनार को सफल बनाने में आयोजक सचिव गणित विभाग की प्राध्यापिका डॉ. नीरू बाला, आयोजक समिति के सदस्य इला ढींगड़ा, मनोज बिंदल व सुशील राजपाल का विशेष योगदान रहा।

DEPARTMENT OF MANAGEMENT

(1 Day Webinar on "Employer Employee Relation During and After COVID-19")

Resource Person: Prof. Shabnam Saxena

Date : 26th June, 2020

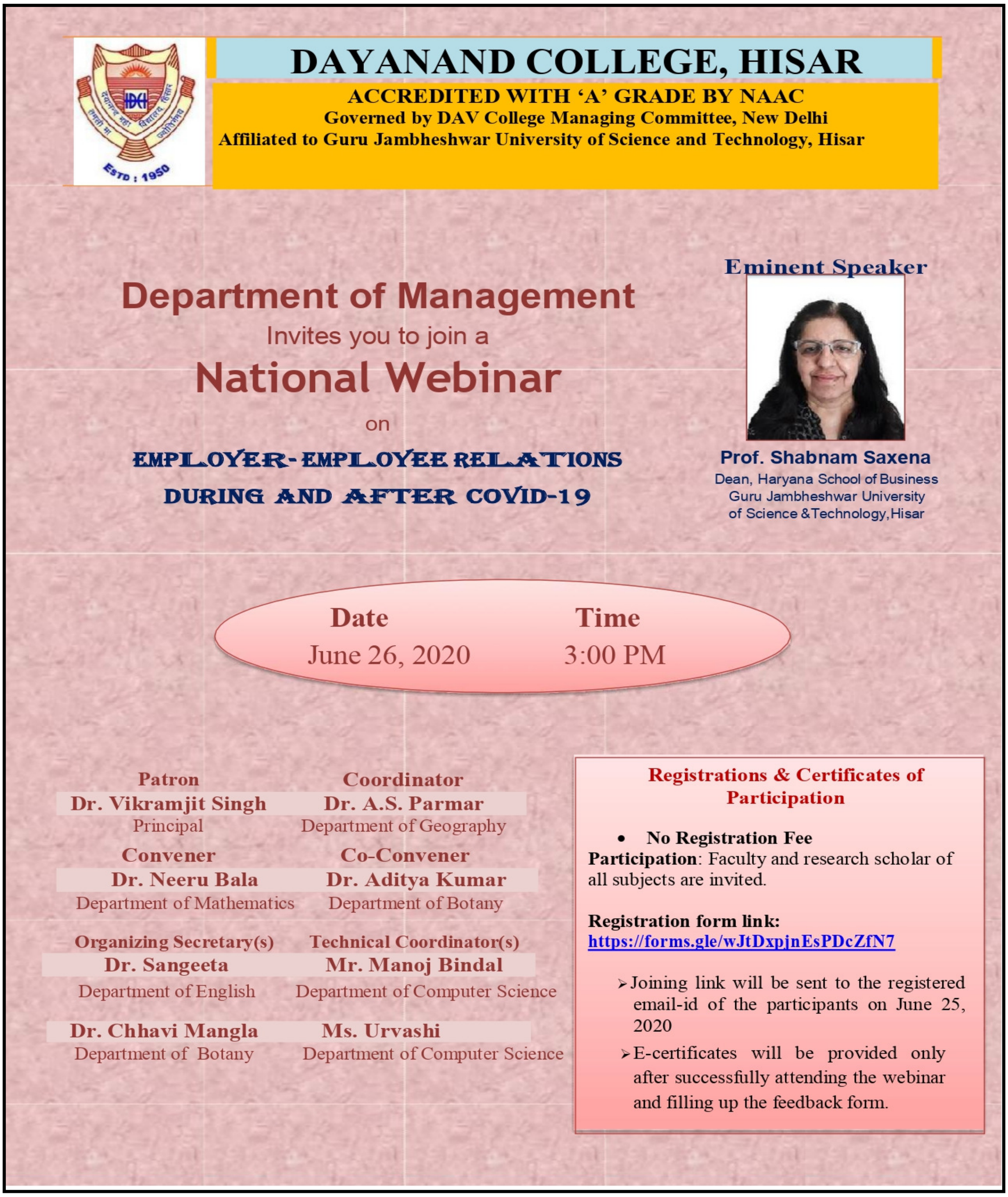

Department of Management of Dayanand College, Hisar organised One Day National Webinar on the Topic Employer-Employee Relations during and after COVID-19. Professor Shabnam Saxena, Dean Haryana School of Business, Guru Jambheshwar University of Science and Technology, Hisar delivered keynote address. Here we share glimpses of Webinar.

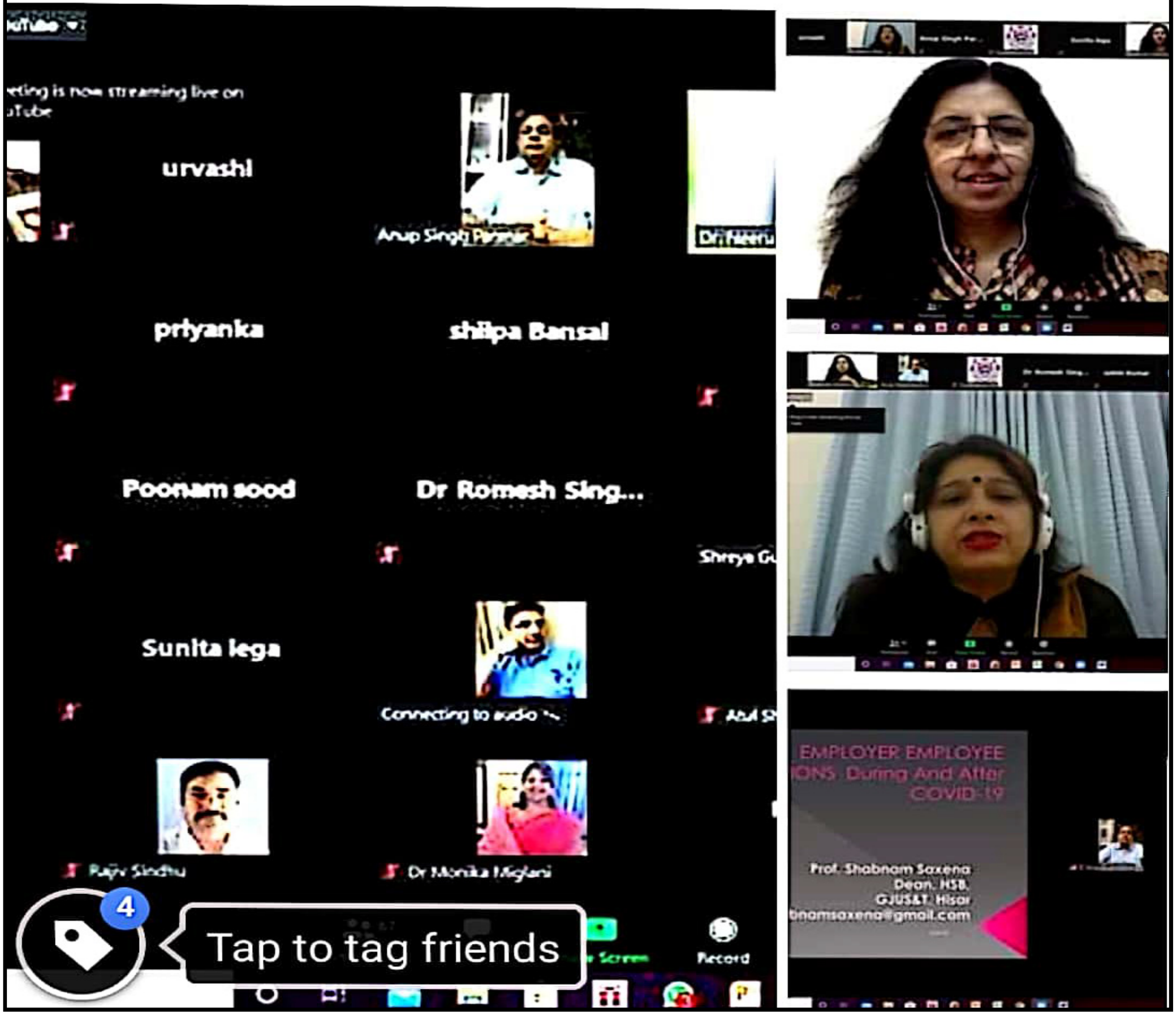

LIFE SCIENCE ASSOCIATION

(1 Day Webinar on "Immunomodulatory Effects of Antiooxidants in Combating Covid 19")

Resource Person: Dr. R.K. Salar

Date : 27th June, 2020

DAYANAND COLLEGE, HISAR

Accredited with 'A' Grade by NAAC
Governed by DAV College Managing Committee, New Delhi
Affiliated to Guru Jambheshwar University of Science & Technology, Hisar

About the Institution

Dayanand College, Hisar is a 70 years old, re-accredited as 'A' Grade institution by NAAC, Bangalore in November 2016. This Temple of learning is a nursery of higher education. The college owes its existence to the vision and missionary zeal of Lala Gian Chand Mahajan (later venerated as Swami Munishwaranand) who was a teacher by profession, a social crusader by inclination, and a saint by temperament. Swamiji was helped in his crusade by a galaxy of philanthropists and missionaries. The college is a multi-faculty, co-educational government-aided institution affiliated to Guru Jambheshwar University of Science & Technology, Hisar. Founded in the historical city of Hisar in 1950,the college was taken over by the DAV College Managing Committee, New Delhi in 1962. The opening of a college in Hisar was like creating oasis in the desert. The college is situated on two campuses, occupying a total land area of about 24 acres out of which 4 acres of land is for the college complex and 20 acres of land is harnessed for creating facilities like hostels, staff quarters, sports ground and indoor sports complex.

Life Sciences Association

Invites you to join a National Webinar
on
Immunomodulatory Effects of Antioxidants in Combating COVID-19
on
Saturday 27th June, 2020 at 4:00 p.m

Eminent Speaker
Professor (Dr.) R.K.Salar
Dean, Faculty of Life Sciences
Chaudhary Devi Lal University, Sirsa (Haryana)

Registration & Certificate of Participation

No Registration Fee
Participation: Faculty and research scholar of all subjects are invited.
Registration form link: https://forms.gle/9kNHcSS1Z3uYouem6
Joining link will be sent to the registered email id of the participants on June 26,2020
All participants will be given e-certificates after successfully completing the webinar and filling up the feedback form.
For any query please email at: lifescience27.webinar@gmail.com

Life Sciences Association of Dayanand College, Hisar organised One Day National Webinar on the Topic Immunomodulatory Effects of Antioxidants in Combating COVID-19. Dr. R.K Salar, Dean faculty of Life Sciences of Chaudhry Dev Lal University, Sirsa delivered keynote address. Here we share the glimpses of Webinar.

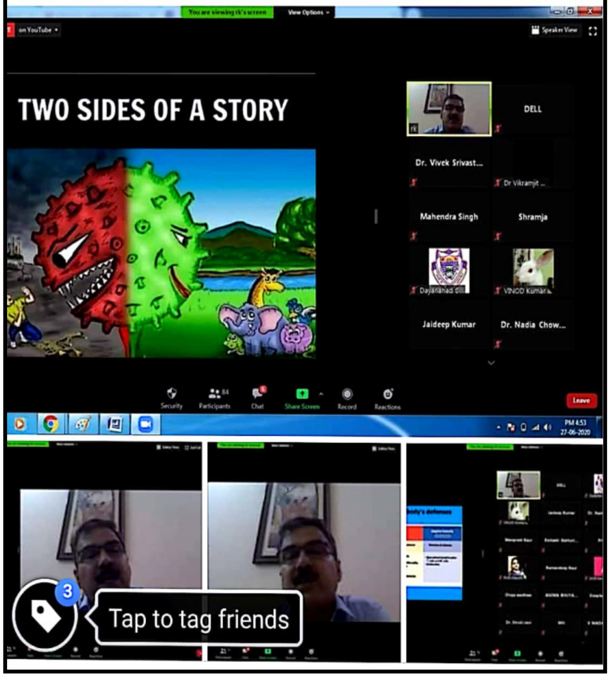

प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाकर कोरोना से बचना संभव: प्रो. आर. के. सलार

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 29 जून :प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाकर तथा हेल्दी फूड का सेवन करके हम कोरोना के प्रभाव से बच सकते हैं, इसके लिए हमें मौसमी फलों तथा सब्जियों का सेवन तो करना ही चाहिए, लेकिन इसके साथ-साथ हमें शराब, धूम्रपान एवं नशे के लिए प्रयोग किए जाने वाले ड्रग्स इत्यादि का भी त्याग करना होगा, यह विचार दयानन्द महाविद्यालय की लाइफ साइंस एसोसिएशन के तत्वावधान में 'कोरोना से मुकाबला करने में एंटीऑक्सिडेंट के इंम्यूनोमॉड्यूलेटरी प्रभाव' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय वैबिनार में प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए मुख्य वक्ता चौ. देवीलाल विश्वविद्यालय, सिरसा के लाइफ साइंस विभाग के डीन प्रो. आर. के. सलार ने प्रकट किए। उन्होंने जहां कोरोनों के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की, वहीं स्लाइडों के माध्यम से उन्होंने कोरोनों से बचाव के उपायों को भी विस्तार से समझाया तथा विभिन्न विटामिनों के प्रभाव से सम्बन्धित जानकारी भी सांझा की। दयानन्द महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने अपने विचार प्रकट करते हुए कहा कि कोरोना से बचने के लिए हमें सजगता व सतर्कता तो अपनानी ही होगी, इसके अतिरिक्त हमें अपनी दिनचर्या में भी सुधार करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि हर इंसान को प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने सम्बन्धी उपायों को अपनी आदत में शामिल कर लेना चाहिए। वैबिनार के संयोजक तथा कॉलेज के बॉटनी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. विवेक श्रीवास्तव ने मुख्य वक्ता का परिचय करवाने तथा अभिनन्दन करते हुए इस वैबिनार के आयोजन की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हमें इस तरह के भोजन का सेवन करना चाहिए जिससे हमें दवाइयों की जरूरत ही न पड़े। डॉ. श्रीवास्तव ने कहा कि इन्सान की डाइट पौष्टिक होनी चाहिए तथा उसमें विभिन्न विटामिनों एवं अन्य तत्वों की भरपूर मात्रा हो। वैबिनार की आयोजक सचिव डॉ. छवि मंगला ने प्रश्नोत्तर सत्र का संचालन किया। वैबिनार के सह संयोजक डॉ. आदित्य एवं डॉ. हेमंत शर्मा की भी वेबिनार के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका रही। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने आयोजक समिति के सदस्यों डॉ. राज रानी, डॉ. कंचन कामरा, डॉ. निधि अग्रवाल, डॉ. सुमन बाला, देवराज, सचिन मेहरा, डॉ. मीनाक्षी जिंदल, प्रतिभा, मोनिका, मनोज बिंदल, उर्वशी ठकराल एवं सुशील राजपाल का वैबिनार को सफल बनाने में विशेष योगदान के लिए साधुवाद दिया।

नभ-छोर स्थानीय-वि

वैबिनार में स्लाइडों के माध्यम से कोरोना से बचाव के लिए उपायों को समझाया

हिसार/28 जून/रिपोर्टर

प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाकर तथा हैल्दी फूड का सेवन करके हम कोरोना के प्रभाव से बच सकते हैं, इसके लिए हमें मौसमी फलों तथा सब्जियों का सेवन तो करना ही चाहिए, लेकिन इसके साथ-साथ हमें शराब, धूम्रपान एवं नशे के लिए प्रयोग किए जाने वाले ड्रग्स इत्यादि का भी त्याग करना होगा, यह विचार दयानन्द महाविद्यालय की लाइफ साइंस एसोसिएशन के तत्वावधान में 'कोरोना से मुकाबला करने में एंटीऑक्सिडेंट के इंम्यूनोमॉड्यूलेटरी प्रभाव' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय वैबिनार में प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए मुख्य वक्ता देवीलाल विश्वविद्यालय, सिरसा के लाइफ साइंस विभाग के डीन प्रो. आरके सलार ने प्रकट किए। उन्होंने जहां कोरोना के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की, वहीं स्लाइडों के माध्यम से उन्होंने कोरोना से बचाव के उपायों को समझाया तथा विभिन्न विटामिनों के प्रभाव से सम्बन्धित जानकारी भी साझा की। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने कहा कि कोरोना से बचने के लिए हमें सजगता व सतर्कता तो अपनानी ही होगी, इसके अतिरिक्त हमें अपनी दिनचर्या में भी सुधार करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि हर इंसान को प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने सम्बन्धी उपायों को अपनी आदत में शामिल कर लेना चाहिए। वैबिनार के संयोजक तथा कॉलेज के बॉटनी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. विवेक श्रीवास्तव ने कहा कि हमें इस तरह के भोजन का सेवन करना चाहिए जिससे हमें दवाइयों की जरूरत ही न पड़े। डॉ. श्रीवास्तव ने कहा कि इन्सान की डाइट पौष्टिक होनी चाहिए तथा उसमें विभिन्न विटामिनों एवं अन्य तत्वों की भरपूर मात्रा हो। वैबिनार की आयोजक सचिव डॉ. छवि मंगला ने प्रश्नोत्तर सत्र का संचालन किया। वैबिनार के सह संयोजक डॉ. आदित्य एवं डॉ. हेमंत शर्मा की भी वैबिनार के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका रही। आयोजक समिति के सदस्यों डॉ. राज रानी, डॉ. कंचन कामरा, डॉ. निधि अग्रवाल, डॉ. सुमन बाला, देवराज, सचिन मेहरा, डॉ. मीनाक्षी जिंदल, प्रतिभा, मोनिका, मनोज बिंदल, उर्वशी ठकराल एवं सुशील राजपाल का वैबिनार को सफल बनाने में विशेष योगदान के लिए धन्यवाद किया गया।

DEPARTMENT OF CHEMISTRY

(1 Day Webinar on Polymer: Structure, Property-Relations and applications)

Resource Person: Dr. J.B. Dahiya

Date : 10 Nov, 2020

DAYANAND COLLEGE,HISAR

Accredited with 'A' Grade by NAAC

Governed by DAV College Managing Committee ,New Delhi

Affiliated to Guru Jambheshwar University of Science and Technology, Hisar

Department of Chemistry

Invites you to join a

National Level Webinar

On

Polymer: Structure, Property-Relations and Applications

Date: 10 Nov, 2020

Time: 12:30 PM

Resource Person:

Dr. J.B. Dahiya

Dean, Faculty of Physical Sciences & Technology

Guru Jambheshwar University of Science & Technology, Hisar

Convener

M.L Garg
Head, Dept. of Chemistry

Patron

Dr. Vikramjit Singh
Principal

पॉलिमर्स मानव जीवन का हिस्सा : डॉ. दहिया

हिसार/10 नवंबर/रिपोर्टर

सदियों से प्राकृतिक रूप से उपलब्ध पॉलिमर्स जैसे लकड़ी, ऊन, रबड़, चमड़ा, सिल्क इत्यादि मानव के जीवन का हिस्सा रहा है। जैसे-जैसे मानव जीवन में कृत्रिम पॉलिमर्स का उपयोग अधिक होने लगा है, उसके साथ ही इसकी संरचना एवं गुणों के विषय में अनुसंधान की उपयोगिता की जरूरत बढ़ रही है। यह शब्द दयानन्द कॉलेज के रसायन विभाग द्वारा 'पॉलिमर्स की आज के युग में उपयोगिकता' विषय पर आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय वैबिनार में मुख्य वक्ता गुरू जम्भेश्वर विश्वविद्यालय में फिजिकल साईंस एवं प्रोद्यौगिकी विभाग के अधिष्ठाता डॉ. जय भगवान दहिया ने कहे। उन्होंने कहा कि मनुष्य के जीवन में पॉलिमर्स की महत्वपूर्ण भूमिका है। आधुनिक जीवन के लिए शीशे जैसे पॉलिमर्स की उपयोगिता मानव जीवन के लिए महत्वपूर्ण है। आधुनिक युग में प्लास्टिक की उपयोगिता ट्रांसपोर्ट, डिफैन्स, इलैक्ट्रिकल, और इलैक्ट्रॉनिक, मैडिकल इत्यादि में इसकी उपयोगिता प्रमाणित हुई है। मैडिकल साईस के क्षेत्र में पॉलिमर्स पर अनुसंधान हो रही है जो मानव जीवन के लिए बहुत उपयोगी होगी। साथ ही डॉ. दहिया ने मानव जाति को सचेत किया कि मैडिकल उपयोग में पॉलिमर्स एक चुनौती बनी हुई है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने कहा कि डॉ. दहिया इसी महाविद्यालय के छात्र रहे हैं तथा आज अपने ही महाविद्यालय में वह मुख्य वक्ता के रूप में वैबिनार को सम्बोधित कर रहे हैं। उन्होंने आयोजक समिति के सदस्यों एमएल गर्ग, विभागाध्यक्ष, रसायन विभाग, डॉ. सुनीता लेगा, प्राध्यापिका, डॉ. अर्चना मलिक को इस वैबिनार के सफल आयोजन के लिए बधाई दी।

डीएन कॉलेज में पॉलीमर्स की आज के युग में उपयोगिता विषय पर वेबिनार

हिसार | दयानंद कॉलेज के रसायन विभाग ने पॉलीमर्स की आज के युग में उपयोगिता विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया, जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में जीजेयू के फिजिकल साइंस एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अधिष्ठाता डॉ. जयभगवान दहिया मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि सदियों से प्राकृतिक रूप से उपलब्ध पॉलीमर्स जैसे लकड़ी, ऊन, रबड़, चमड़ा, सिल्क इत्यादि मानव के जीवन का हिस्सा रहा है। जैसे-जैसे मानव जीवन में कृत्रिम पॉलीमर्स का उपयोग अधिक होने लगा है, उसके साथ ही इसकी संरचना एवं गुणों के विषय में अनुसंधान की उपयोगिता की जरूरत बढ़ रही है। मनुष्य के जीवन में पॉलीमर्स की महत्वपूर्ण भूमिका है। आधुनिक जीवन के लिए शीशे जैसे पॉलिमर्स की उपयोगिता मानव जीवन के लिए महत्वपूर्ण है।

DEPARTMENT OF HISTORY

(1 Day Webinar on PolymerGuru Nank Dev Ji: Teaching and Legacy)

Resource Person: Prof. Harmahender Singh Bedi & Prof. Karamjit Singh

Date : 11th , 2020

DAYANAND COLLEGE, HISAR

Accredited with 'A' Grade by NAAC

Governed by DAV College Managing Committee, New Delhi

Affiliated to Guru Jambheshwar University of Science & Technology, Hisar

Department of History

On the occasion of 551st Jayanti of Guru Nanak Dev Ji

is going to organise a

National Webinar

On

Guru Nanak Dev Ji: Teachings and Legacy

Date: 11th Dec., 2020

Time: 11:00 AM

Key Note Speaker

Prof. Harmahender Singh Bedi

Chancellor

Central University Himachal Pradesh,

Dharmshala(HP)

Resource Person

Prof. Karamjit Singh (Retd.)

Former Chairman

Department of Punjabi,

Kurukshetra University,

Kurukshetra(Hry)

Convener

Dr. Mahender Singh

Head, Dept. of History

Patron

Dr. Vikramjit Singh

Principal

Co-Convener:

Dr. Joginder Singh(History)

Dr. Suruchi Sharma(History)

Organising Committee:

Mr. Mahender Singh(History)

Ms. Meenakshi(Comp. Sc.)

Ms. Alka(Comp. Sc.)

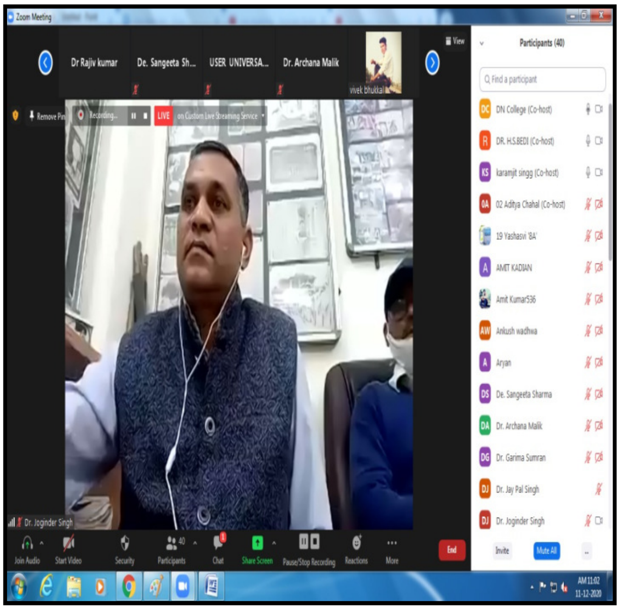

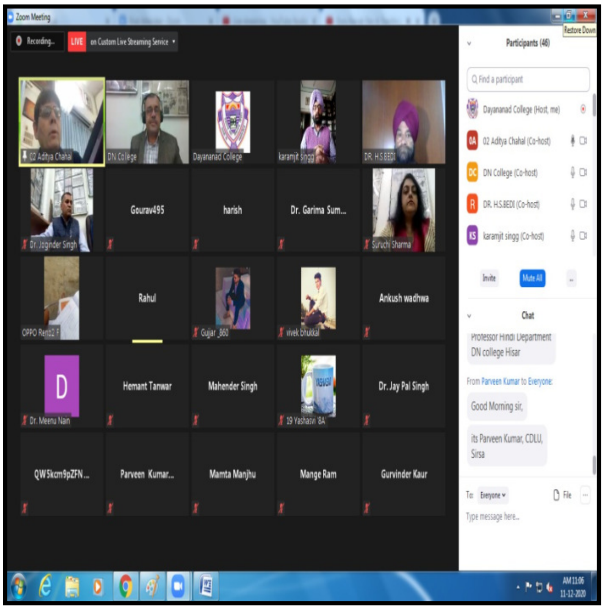

स्थानीय-विविध हिसार, शुक्रवार, 11 दिसंबर 2020 3

गुरू नानकदेव की विरासत और शिक्षाओं को समझना जरूरी : बेदी

हिसार/11 दिसंबर/रिपोर्टर

दयानन्द महाविद्यालय के इतिहास विभाग के तत्वावधान में आज ''गुरू नानकदेव जी: विरासत व शिक्षा'' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वैबिनार का आयोजन किया गया जिसमें मूल वक्ता केन्द्रीय विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश, धर्मशाला के कुलाधिपति प्रो. हरमहेन्द्र सिंह बेदी तथा कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के पंजाबी विभाग के पूर्व अध्यक्ष विशेषज्ञ वक्ता प्रो. कर्मजीत सिंह रहे। कार्यक्रम के प्रारम्भ में इतिहास विभाग के अध्यक्ष डॉ. महेन्द्र सिंह द्वारा कार्यक्रम का उद्देश्य व रूपरेखा बताई। जिसमें स्पष्ट किया गया कि गुरू नानकदेव जी जैसे व्यक्तित्व ने राष्ट्र निर्माण व मूल्यों के निर्माण के लिए बहुत कुछ किया है। फलत: उनकी विरासत व शिक्षाओं को समझना अनिवार्य है। कॉलेज प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने गुरू नानकदेव के आदर्शों पर प्रकाश डाला तथा बताया कि उनके आदर्श 550 वर्ष बाद भी कितने प्रासंगिक हैं। कार्यक्रम के मूल वक्ता प्रो. हरमहेन्द्र सिंह बेदी ने गुरू नानक के जीवन तथा तत्कालीन परिवेश पर प्रकाश डाला। उन्होंने उस काल की जटिल परिस्थितियों तथा गुरू नानक जी द्वारा किए गए नेक कार्यों का वर्णन किया। उन्होंने बताया कि व्यक्ति के जीवन में यह महत्वपूर्ण नहीं कि उसके पास कितने संसाधन हैं बल्कि यह महत्वपूर्ण है कि वह समाज हित में उनका प्रयोग कैसे करता है। उन्होंने सच्चा सौदा, लंगर प्रणाली तथा सामाजिक समरस्ता के बारे में भी गुरू जी का सन्देश साझा किया। विशेषज्ञ वक्ता के रूप में जुड़े प्रो. कर्मजीत सिंह ने गुरू नानक की समाज सुधार सम्बन्धित गतिविधियों पर प्रकाश डाला उन्होंने उनकी मानवतावादी धारणा तथा धर्म के सरल विषयों की भी व्याख्या की। प्रो. सिंह ने बताया कि गुरू जी बहुत सामान्य ढंग से जीवन जीते हुए सहज ही लोगों का मन जीत लेते थे। यही कारण है कि सामान्य जन, धर्म, जाति इत्यादि के भेद-भाव से उपर उठ कर उनके प्रति आस्था अभिव्यक्त करते थे। विभाग की प्राध्यापिका डॉ. सुरूचि शर्मा ने अतिथियों का परिचय करवाया तथा डॉ. जोगिन्द्र सिंह ने आभार अभिव्यक्त किया। इस अवसर पर हरियाणा, पंजाब, दिल्ली व चंडीगढ़ के प्रतिभागियों ने शिरकत की तथा विशेषज्ञों के साथ संवाद कर अपनी जिज्ञासा भी शान्त की। इस अवसर पर कॉलेज के शिक्षक, विद्यार्थी व गैर-शिक्षक स्टाफ के सदस्य भी जुड़े। आयोजन समिति ने इतिहास विभाग के महेन्द्रसिंह तथा कम्प्यूटर विभाग से मीनाक्षी, अल्का की भूमिका सराहनीय रही।

गुरू नानकदेव के आदर्श व शिक्षाएं 550 वर्ष बाद भी प्रासंगिक

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 12 दिसम्बर : दयानन्द महाविद्यालय, हिसार के इतिहास विभाग के तत्वाधान में आज ''गुरू नानकदेव विरासत व शिक्षाएं'' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया। इस वेबीनार में मूल वक्ता प्रो. हरमहेन्द्र सिंह बेदी, कुलाधिपति, केन्द्रीय विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश, धर्मशाला तथा विशेषज्ञ वक्ता प्रो. कर्मजीत सिंह, पूर्व अध्यक्ष पंजाबी विभाग, कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरूक्षेत्र रहे। कार्यक्रम के प्रारम्भ में इतिहास विभाग के अध्यक्ष डॉ. महेन्द्र सिंह द्वारा कार्यक्रम का उद्देश्य व रूपरेखा बताई। इसमें स्पष्ट किया गया कि गुरू नानकदेव जैसे व्यक्तित्व ने राष्ट्र निर्माण व मूल्यों के निर्माण के लिए बहुत कुछ किया है। फलत: उनकी विरासत व शिक्षाओं को समझना अनिवार्य है। कॉलेज प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने इस कार्यक्रम में शामिल अतिथियों व प्रतिभागियों का स्वागत किया। उन्होंने गुरू नानकदेव के आदर्शों पर प्रकाश डाला तथा बताया कि उनके आदर्श 550 वर्ष बाद भी कितने प्रासंगिक हैं। कार्यक्रम के मूल वक्ता प्रो. हरमहेन्द्र सिंह बेदी ने गुरू नानक के जीवन तथा तत्कालीन परिवेश पर प्रकाश डाला। उन्होंने उस काल की जटिल परिस्थितियों तथा गुरू नानक द्वारा किए गए नेक कार्यों का वर्णन किया। उन्होंने बताया कि व्यक्ति के जीवन में यह महत्वपूर्ण नहीं कि उसके पास कितने संसाधन हैं बल्कि यह महत्वपूर्ण है कि वह समाज हित में उनका प्रयोग कैसे करता है। उन्होंने सच्चा सौदा, लंगर प्रणाली तथा सामाजिक समरस्ता के बारे में भी गुरू जी का सन्देश सांझा किया। विशेषज्ञ वक्ता के रूप में जुड़े प्रो. कर्मजीत सिंह ने गुरू नानक की समाज

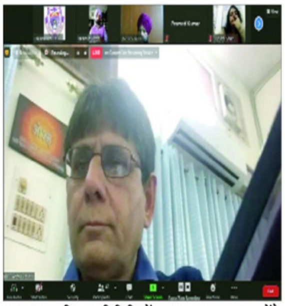

सुधार सम्बन्धित गतिविधियों पर प्रकाश डाला उन्होंने उनकी मानवतावादी धारणा तथा धर्म के सरल विषयों की भी व्याख्या की। प्रो. सिंह ने बताया कि गुरू नानक बहुत सामान्य ढंग से जीवन जीते हुए सहज ही लोगों का मन जीत लेते थे। यही कारण है कि सामान्य जन, धर्म, जाति इत्यादि के भेद-भाव से उपर उठ कर उनके प्रति आस्था अभिव्यक्त करते थे। विभाग की प्राध्यापिका डॉ. सुरूचि शर्मा ने अतिथियों का परिचय करवाया तथा डॉ. जोगिन्द्र सिंह ने आभार अभिव्यक्त किया। इस अवसर पर हरियाणा, पंजाब, दिल्ली व चण्डीगढ़ के प्रतिभागियों ने शिरकत की तथा विशेषज्ञों के साथ संवाद कर अपनी जिज्ञासा भी शान्त की। इस अवसर पर कॉलेज के शिक्षक, विद्यार्थी व गैर-शिक्षक स्टाफ के सदस्य भी जुड़े। आयोजन समिति ने इतिहास विभाग के महेन्द्रसिंह तथा कम्प्यूटर विभाग से मिनाक्षी, अल्का की भूमिका सराहनीय रही। प्रस्तुत कार्यक्रम में तकनीकी सहयोग कॉलेज के कम्प्यूटर विभाग द्वारा प्रदान किया गया।

DEPARTMENT OF ZOOLOGY

(1 Day Webinar on Biodiversity for Knowledge Upgradation)

Resource Person: Dr. Deepak Rai

Date : 19th Jan, 2021

DAYANAND COLLEGE, HISAR

Accredited with 'A' Grade by NAAC

Governed by DAV College Managing Committee, New Delhi

Affiliated to Guru Jambheshwar University of Science & Technology, Hisar

Webinar on Biodiversity for Knowledge Upgradation

Organized by:
Department of Zoology

Date of Webinar 19th January 2021

Organizer Dr. Vivek Srivastava
Professor Incharge
Department of Zoology
Dayanand College, Hisar

जैवविविधता को बनाए रखना जरूरी : डॉ. राय

हिसार | डीएन कॉलेज के प्राणी विज्ञान विभाग ने वाइल्ड लाइफ एंड एन्वॉयरमेंट कंजर्वेशन इन इंडियाः हउ टू स्टडी डायरेक्ट एंड इनडायरेक्ट फील्ड ऑब्जर्वेशन विषय पर राष्ट्रीय वेब संगोष्ठी की। इसमें मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. दीपक राय, सहायक प्राध्यापक, प्राणी विज्ञान विभाग, कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। डॉ. दीपक ने बताया कि किस तरह से पर्यावरण के संरक्षण के लिए जैवविविधता के संरक्षण आवश्यक है।

डॉ. दीपक ने बताया कि मानव समाज के कल्याण और स्थिरता को बनाए रखने के लिए जैवविविधता को बनाए रखना जरूरी है। डॉ. दीपक ने छात्रों व शिक्षकों को जंगल व जंगली जानवरों की विविधता की खोज किस आधार पर की जाती है, इसकी जानकारी दी। प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने डॉ. दीपक राय का स्वागत किया। कार्यक्रम के संयोजक व वनस्पति विभाग के अध्यक्ष डॉ. विवेक श्रीवास्तव ने बताया कि कार्यक्रम में लगभग 285 प्रतिभागियों ने रजिस्ट्रेशन करवाया।

The Department of Zoology of Dayanand College Hisar organised one day National Webinar on the topic Wildlife and Environment Conservation in India: How to Study Direct and Indirect Field Observations? Dr Deepak Rai, Assistant Professor at Department of Zoology Kurukshetra University Kurukshetra was keynote speaker. My heartiest congratulations to Department of Zoology. Thank You Very Much Dr. Deepak ji for informative and beautiful presentation.

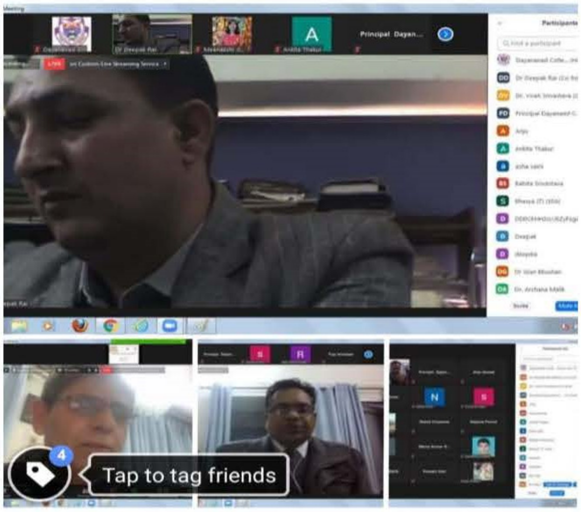

दयानंद कालेज ने जैव विविधता संरक्षण पर कराई राष्ट्रीय संगोष्ठी

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 19 जनवरी : दयानन्द महाविद्यालय, हिसार के प्राणी विज्ञान विभाग द्वारा "Wild Life and Environment Conservation in India : How to Study Direct And Indirect Filed Observation?" विषय पर राष्ट्रीय वैब संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. दीपक राय, सहायक प्राध्यापक, प्राणी विज्ञान विभाग, कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरूक्षेत्र ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। डॉ. दीपक ने बताया कि किस तरह से पर्यावरण के सरंक्षण के लिए जैव विविधता अथवा biodiversity के संरक्षण आवश्यक है। उन्होंने बताया कि मानव समाज के कल्याण और स्थिरता को बनाए

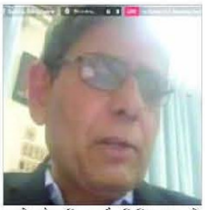

रखने के लिए जैवविविधता को बनाए रखना जरूरी है। डॉ. दीपक ने छात्रों व शिक्षकों को जंगल व जंगली जानवरों की विविधता की खोज किस आधार पर की जाती है, इसकी जानकारी दी। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने डॉ. दीपक राय का स्वागत करते हुए कहा कि डॉ. दीपक राय दयानन्द महाविद्यालय, हिसार में सन् 2008-2012 तक अपनी सेवाएं दे चुके हैं और वे हमारे परिवार के एक सदस्य के रूप नें हैं। कार्यक्रम के संयोजक व वनस्पति विभाग के अध्यक्ष डॉ. विवेक श्रीवास्तव ने बताया कि कार्यक्रम में लगभग 285 प्रतिभागियों ने रजिस्ट्रेशन करवाया जिनमें मुख्य रूप से अध्यापक व शोध विद्यार्थी उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में कार्यक्रम की आयोजन सह-सचिव डॉ. मिनाक्षी जिंदल ने प्रतिभागियों के द्वारा पूछे गए प्रश्नोत्तर काल का संचालन किया। वैबीनार के उपसंयोजक डॉ. आदित्य कुमार, डॉ. छवि मंगला के अतिरिक्त सचिन मेहरा तथा कम्प्यूटर साईंस विभाग की अलका, मोनिका और सुशील राजपाल उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में कार्यक्रम के आयोजन सचिव डॉ. हेमन्त शर्मा ने मुख्य वक्ता डॉ. दीपक राय, प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह और अन्य सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद प्रस्तुत किया।

DEPARTMENT OF DEFENCE STUDIES, HISTORY & POLITICAL SCIENCE

(1 Day Webinar on "India and her Neighbours in Current Scenario")

Resource Person: Dr. Jaskaran Singh Waraich & Dr. Kewal Krishan

Date : 21st Jan,2021

DAYANAND COLLEGE, HISAR

Accredited with 'A' Grade by NAAC

Governed by DAV College Managing Committee, New Delhi

Affiliated to Guru Jambheshwar University of Science & Technology, Hisar

Departments of Defence Studies, History & Political Science

are going to organize a National Webinar on

India and her Neighbours in Current Scenario

Date: 21st Jan., 2021 | Time: 12:00 Noon

Key Note Speaker

Dr. Jaskaran Singh Waraich
Chairperson
Dept. of Defence & National Security Studies
Panjab University, Chandigarh

Resource Person

Dr. Kewal Krishan
Dept. of Defence & Strategic Studies
Punjabi University, Patiala

Co-ordinator
Dr. Joginder Singh
In-charge
Dept. of Defence Studies

Convener
Dr. Mahender Singh
Head, Dept. of History

Patron
Dr. Vikramjit Singh
Principal

Co- Convener
Dr. Suruchi Sharma
Dept. of History

Organising Committee:

Mr. Pramod Kumar (Def. Studies)
Mr. Hemant Singh Tanwar (Def. Studies)
Mr. Mahender Singh (History)
Dr. Ramesh Punia (Pol. Sci.)
Mr. Mandeep Singh (Pol. Sci.)
Ms. Priyanka Boss (Pol. Sci.)
Ms. Alka (Comp. Sci.)
Ms. Manisha (Comp. Sci.)

पाक में सेना की भूमिका महत्वपूर्ण, इस कारण युद्ध का माहौल बनाना उनकी आवश्यकता: वड़ैच्च

हिसार/21 जनवरी/रिपोर्टर

दयानन्द महाविद्यालय के रक्षा अध्ययन, इतिहास एवं राजनीतिशास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वाधान में "भारत एवं पड़ोसी देश" विषय पर आज एक राष्ट्रीय वैबीनार का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी में मुख्य वक्ता पंजाब विश्वविद्यालय के रक्षा अध्ययन विभाग के अध्यक्ष डॉ. जेएस वड़ैच्च तथा पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला के डॉ. केवल कृष्ण रहे। संगोष्ठी के प्रारम्भ में इतिहास विभाग के अध्यक्ष डॉ. महेन्द्र सिंह ने संगोष्ठी का उद्देश्य स्पष्ट किया तथा वक्ताओं का परिचय करवाया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने भारत एवं पड़ोसी देशों के सम्बन्धों तथा विश्व के बदलते ध्रुवीकरण पर प्रकाश डाला तथा अतिथियों का स्वागत किया। संगोष्ठी में मुख्य वक्ता डॉ. जेएस वड़ैच्च ने भारत-पाकिस्तान के सम्बन्धों को अपनी विषय वस्तु बनाया। उन्होंने पाकिस्तान के निर्माण, कश्मीर के बारे में दोनों देशों की नीति, बाह्य देशों के इन देशों के बारे में हित तथा सांस्कृतिक पक्षों को उभारा। उन्होंने स्पष्ट किया कि पाकिस्तान में लोकतन्त्र लगभग असफल रहा है तथा सेना की भूमिका काफी महत्वपूर्ण होने के कारण युद्ध का माहौल बनाना उनकी आवश्यकता है। पाकिस्तान की आतंकवाद के प्रति नीति तथा एलओसी पर तनाव को भी इंगित किया। संगोष्ठी में दूसरे विशेषज्ञ डॉ. केवल कृष्ण ने भारत चीन सम्बन्धों की चर्चा करते हुए हिमाचल के सामरिक महत्व, 1962 के युद्ध की परिस्थिति, अन्तर्राष्ट्रीय मंच पर दोनों देशों के उभरने तथा दोनों देशों की सैन्यशक्ति इत्यादि पक्षों को वर्णित किया। उन्होंने दोनों देशों की राजनीतिक, आर्थिक जरूरतों पर प्रकाश डालते हुए एलएसी पर वर्तमान में जारी तनाव को भी अपनी चर्चा में लिया। संगोष्ठी समन्वयक व रक्षा अध्ययन विभाग के प्रभारी डॉ. जोगेन्द्र सिंह ने संगोष्ठी के महत्व तथा विद्यार्थियों को इसमें भाग लेने के विषय में विचार सांझा किए। डॉ. सुरुचि शर्मा, इतिहास विभाग द्वारा अतिथियों के प्रति आभार अभिव्यक्त किया गया। इस कार्यक्रम में तीनों विभागों के शिक्षकों व विद्यार्थियों द्वारा भागीदारी की गई तथा काफी मुद्दों के सवाल जवाब के रूप में संवाद भी हुआ। इसमें रक्षा अध्ययन विभाग के प्रमोद कुमार, हेमन्त तथा इतिहास विभाग के महेन्द्र सिंह, राजनीतिक विज्ञान के महेन्द्र सिंह, मनदीप सिंह, रमेश सिंह के अतिरिक्त कम्प्यूटर विभाग की अल्का तथा मोनिका की भूमिका महत्वपूर्ण रहीं। महाविद्यालय व अन्य विभागों के शिक्षक, गैर-शिक्षक तथा विद्यार्थी भी इससे जुड़े। प्रस्तुत कार्यक्रम भारतीय सेना के वीर जांबाज सैनिकों के प्रति समर्पित किया गया तथा इन देशों के साथ युद्धों में शहादत देने वालों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि भी दी गई।

प्रतियोगिता में

हिसार/21 जनवरी/रिपोर्टर

विभिन्न कानूनी व सामाजिक विषयों पर विभिन्न

दयानन्द महाविद्यालय में राष्ट्रीय वैब संगोष्ठी का आयोजन

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 22 जनवरी : दयानन्द महाविद्यालय, हिसार के रक्षा अध्ययन, इतिहास एवं राजनीतिशास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वाधान में "भारत एवं पड़ोसी देश" विषय पर आज एक राष्ट्रीय वैबीनार का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी में मुख्यवक्ता डॉ. जे.एस. वड़ैच्च, अध्यक्ष, रक्षा अध्ययन विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ तथा डॉ. केवल कृष्ण, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला रहे। संगोष्ठी के प्रारम्भ में डॉ. महेन्द्र सिंह, अध्यक्ष इतिहास विभाग ने संगोष्ठी का उद्देश्य स्पष्ट किया तथा वक्ताओं का परिचय करवाया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने भारत एवं पड़ोसी देशो के सम्बन्धों तथा विश्व के बदलते ध्रुवीकरण पर प्रकाश डाला तथा अतिथियों का स्वागत किया। संगोष्ठी में मुख्यवक्ता डॉ. जे.एस. वड़ैच्च ने भारत-पाकिस्तान के सम्बन्धों को अपनी विषय वस्तु बनाया। उन्होंने पाकिस्तान के निर्माण, कश्मीर के बारे में दोनों देशों की नीति, बाह्य देशों के इन देशों के बारे में हित तथा सांस्कृतिक पक्षों को उभारा। उन्होंने स्पष्ट किया कि पाकिस्तान में लोकतन्त्र लगभग असफल रहा है तथा सेना की भूमिका काफी महत्वपूर्ण होने के कारण युद्ध का माहौल बनाना उनकी आवश्यकता है। पाकिस्तान की आतंकवाद के प्रति नीति तथा एल.ओ.सी. पर तनाव को भी इंगित किया। संगोष्ठी में दूसरे विशेषज्ञ डॉ. केवल कृष्ण ने भारत चीन सम्बन्धों की विस्तार से चर्चा की। उन्होंने हिमाचल के सामरिक महत्व, 1962 के युद्ध की परिस्थिति, अन्तरराष्ट्रीय मंच पर दोनों देशों के उभरने तथा दोनों देशों की सैन्यशक्ति इत्यादि पक्षों को वर्णित किया। उन्होंने दोनों देशों की राजनीतिक, आर्थिक जरूरतों पर प्रकाश डालते हुए एल.ए.सी. पर वर्तमान में जारी तनाव को भी अपनी चर्चा में लिया। संगोष्ठी समन्वयक व रक्षा अध्ययन विभाग के प्रभारी डॉ. जोगेन्द्र सिंह ने संगोष्ठी के महत्व तथा विधार्थियों को इसमें भाग लेने के विषय में विचार सांझा किए। डॉ.सुरूचि शर्मा, इतिहास विभाग द्वारा अतिथियों के प्रति आभार अभिव्यक्त किया गया। इस कार्यक्रम में तीनों विभागों के शिक्षकों व विद्यार्थियों द्वारा भागीदारी की गई तथा काफी मुद्दों के सवाल-जवाब के रूप में संवाद भी हुआ। इसमें रक्षा अध्ययन विभाग के प्रमोद कुमार, हेमन्त तथा इतिहास विभाग के महेन्द्र सिंह, राजनीतिक विज्ञान के महेन्द्र सिंह, मनदीप सिंह, रमेश सिंह के अतिरिक्त कम्प्यूटर विभाग की अल्का तथा मोनिका की भूमिका महत्वपूर्ण रहीं। महाविद्यालय व अन्य विभागों के शिक्षक, गैर-शिक्षक तथा विद्यार्थी भी इससे जुड़े। प्रस्तुत कार्यक्रम भारतीय सेना के वीर जांबाज सैनिकों के प्रति समर्पित किया गया तथा इन देशों के साथ युद्धों में शहादत देने वालों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि भी दी गई।

पाकिस्तान का लोकतंत्र रहा है असफल : डॉ. वड़ैच्च

हिसार। दयानंद महाविद्यालय के रक्षा अध्ययन, इतिहास एवं राजनीतिशास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वाधान में 'भारत एवं पड़ोसी देश' विषय पर वीरवार को वेबिनार का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी में पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ के रक्षा अध्ययन विभाग के प्रोफेसर डॉ. जेएस वड़ैच्च और पंजाबी विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. केवल कृष्ण ने बतौर मुख्य वक्ता हिस्सा लिया।

डॉ. वड़ैच्च ने भारत-पाकिस्तान के संबंधों पर विचार रखे और कहा कि पाकिस्तान में लोकतंत्र लगभग असफल रहा है, जबकि डॉ. केवल कृष्ण ने भारत चीन संबंधों को लेकर हिमाचल के सामरिक महत्व, 1962 के युद्ध की परिस्थिति, अंतरराष्ट्रीय मंच पर दोनों देशों के उभरने और दोनों देशों की सैन्य शक्ति इत्यादि पक्षों को वर्णित किया। कार्यक्रम में कॉलेज के प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह, इतिहास विभाग के अध्यक्ष डॉ. महेंद्र सिंह, डॉ. जोगेंद्र सिंह, डॉ. सुरुचि शर्मा, प्रमोद कुमार, हेमंत, इतिहास विभाग के महेंद्र सिंह, राजनीतिक विज्ञान के महेंद्र सिंह, मनदीप सिंह, रमेश सिंह के अतिरिक्त कंप्यूटर विभाग की अल्का और मोनिका की भूमिका महत्वपूर्ण रहीं।

Department of Defense Studies, History and Political Science of Dayanand College Hisar organised one day National Webinar on the topic India and Her Neighbours in Current Scenario. Dr Jaskaran Singh , Chairperson Department of Defense and National Security Studies , Panjab University Chandigarh and Dr Kewal Krishan , Department of Strategic and Defence Studies Punjabi University Patiala were speakers on this occasion. My heartiest congratulations to concerned Departments and Dayanand College Hisar is thankful to both the speakers.

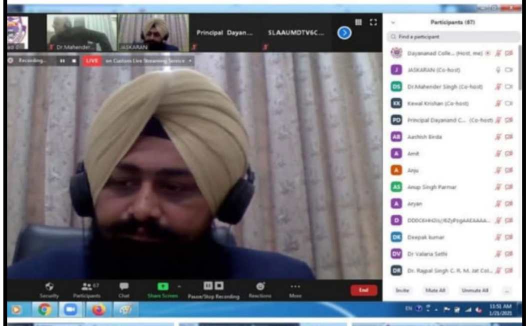

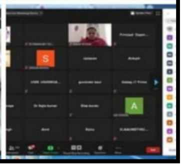

DEPARTMENT OF PSYCHOLOGY

(5 Days Workshop on "Mental Health & Well-being: Psychological Intervention")

Resource Person: Dr. Dinesh Kataria, Dr. Krishan K.Sony ,Dr. Manjit Rehal, Prof. Promila Batra & Prof. Rajbir Singh

Date : 8-12 Feb, 2021

DAYANAND COLLEGE, HISAR

Accredited with 'A' Grade by NAAC
Governed by DAV College Managing Committee, New Delhi
Affiliated to Guru Jambheshwar University of Science & Technology, Hisar

Department of Psychology
Invites you to join an International Workshop on
Mental Health & Well-being: Psychological Interventions

From 8th Feb. to 12th Feb. 2021 at 12:30 pm

Eminent Speakers:

8th Feb. 2021
Dr. Dinesh Kataria
Director Professor &
HoD of Psychiatry
Lady Hardinge Medical College, Delhi
Topic: Mental Health: An overview

9th Feb. 2021
Dr. Krishan K Sony
Assistant Professor
(Clinical Psychology)
Dept. of Psychiatry,
PGIMER, Chandigarh
Topic: Women Mental Health Issues & its Management: A Challenge

10th Feb. 2021
Dr. Manjit Rehal, Psychiatrist
(Associate Fellow British Psychology Society)
Topic: Silent Pandemic- Sexual violence & its impact on survivors

11th Feb. 2021
Prof. Promila Batra
Consulting Psychologist,
Retd. Professor of Psychology & Dean
M.D.U. Rohtak
Topic: Virtues and Mental Health

12th Feb. 2021
Prof. Rajbir Singh
Faculty of Behavioural Science,
SGT University, Gurugram
Topic: Positive psychology interventions to enhance well being and mental health

हर 1000 में से 648 महिलाएं अवसाद की शिकार-डॉ. कृष्ण सोनी

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 10 फरवरी : दयानन्द महाविद्यालय, हिसार के मनोविज्ञान विभाग के तत्वाधान में मानसिक अवसाद तथा निवारण विषय पर पाँच दिवसीय वर्कशाप का आयोजन किया गया। वर्कशाप का शुभाआरम्भ महाविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष श्रीमती अरूणा कद ने किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने आज के मुख्य वक्ता डॉ. दिनेश कटारिया, विभागाध्यक्ष मनोचिकित्सक, लेडी हार्डिंग मैडिकल कॉलेज, दिल्ली का स्वागत किया। डॉ. दिनेश कटारिया जी ने अपने सम्बोधन में मानसिक तनाव व स्वास्थ्य के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बड़े ही आसान शब्दों में मानसिक स्वास्थ्य का अर्थ, परिभाषा तथा मानसिक तनाव के कारण व उसके निवारण के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि मानसिक रोग एक गम्भीर समस्या है तथा इसका उपचार बहुत जरूरी है। उन्होंने अपने सम्बोधन में कहा कि लोगों को इस बारे में जागरूकता लानी चाहिए कि वे मानसिक रोगों का इलाज करवा सकें। उन्होंने अच्छे मानसिक स्वास्थ्य के लिए कुछ टिप्स भी दिए।

इस कड़ी में "मैन्टल हैल्थ व वैल बींग: साइकलोजिकल इंटरनेशनल" पर हो रही ऑनलाईन अन्तरराष्ट्रीय वर्कशाप के दूसरे दिन मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. कृष्ण कुमार सोनी, सहायक प्राध्यापक, मनोविज्ञान विभाग, पी. जी. आई. एम. ई. आर. चण्डीगढ़ रहे। वर्कशाप की शुरूआत अरूणा कद, विभागध्यक्ष, मनोविज्ञान विभाग द्वारा की गई। इन्होंने डॉ. कृष्ण कुमार सोनी व सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। डॉ. सोनी ने महिलाओं व पुरूषों में पाए जाने वाले शारीरिक व मानसिक अन्तर के ऊपर प्रकाश डालते हुए महिलाओं से सम्बन्धित मानसिक बीमारियों पर विस्तृत व्याख्यान दिया। मुख्य वक्ता ने महिलाओं से सम्बन्धित अवसाद व चिंता तथा बड़ी बीमारियों जैसे मनोविदितता, नशा आदि के ऊपर व्याख्यान दिया। इन्होंने इन सभी बीमारियों के कारण जैसे: घरेलू हिंसा, हारमोनल बदलाव, महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार आदि शामिल है। डॉ. सोनी ने बताया कि 1000 में से 648 महिलाए अवसाद की शिकार हैं। इनके कारण मनौशारीरिक तथा सामाजिक हैं। अत: महिलाओं के अच्छे शारीरिक व मानसिक विकास के लिए समाज में जागरूकता आवश्यक है। हमारे समाज में जो महिला और पुरूष में जो अन्तर है वह बहुत ज्यादा है। इससे भी महिलाओं में स्वास्थ्य सम्बन्धित शिकायत ज्यादा पाई जाती है। महिलाओं को बेहतर इलाज के लिए प्रोफेशनलस के पास जाना चाहिए। इस प्रकार डॉ. सोनी ने अपने व्याख्यान में महिलाओं से जुड़ी समस्याओं और उपचार पर विस्तृत जानकारी दी। वर्कशाप के अंत में मनोविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष श्रीमती अरूणा कद ने मुख्य वक्ता का धन्यवाद किया। वर्कशाप के दौरान महाविद्यालय की डॉ. रेनू राठी, डॉ. शर्मिला गुनपाल, डॉ. सुरूचि शर्मा उपस्थित रहे।

स्ट्रेस से उत्पन्न बदलावों को सकारात्मक विचारों से किया जा सकता है ठीक-प्रोमिला

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 12 फरवरी : दयानन्द महाविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग के तत्वाधान में आयोजित पांच दिवसीय वर्कशाप के चौथे दिन मुख्यवक्ता के रूप में प्रो. प्रोमिला बतरा, रिटायर्ड प्रोफेसर तथा काउंसलिंग साइकोलोजिस्ट, मनोविज्ञान विभाग, महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक ने "वर्चुअस एण्ड मेन्टल हैल्थ" विषय पर अपने विचार प्रकट किए। वर्कशाप की शुरूआत मनोविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष श्रीमती अरूणा कद ने करते हुए मुख्यवक्ता का परिचय करवाया। मुख्यवक्ता प्रो. प्रोमिला बतरा ने अपने वक्तव्य में जीवन में अपनाये जाने वाले अच्छे गुणों और विचारों के ऊपर चर्चा की। उन्होंने कहा कि जीवन में आने वाली स्ट्रेस से उत्पन्न हारमोनल बदलावों को भी अच्छे और सकारात्मक विचारों से ठीक किया जा सकता है। उन्होंने इमपैथी को अच्छे गुणों में सबसे ऊपर रखा। मनुष्य को अपने जीवन में अच्छे और बुरे की पहचान होनी चाहिए। इससे हमारे मानसिक स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। उनके अनुसार जीवन का सही अर्थ प्राप्त करने के लिए हमें अपने अन्दर सकारात्मक परिवर्तन लाने चाहिए तथा अपने विचारों पर काम करना चाहिए। इस प्रकार अच्छे मानसिक स्वास्थ्य के लिए अच्छे और सकारात्मक गुणों और विचारों का होना अति आवश्यक है। आज का वर्कशाप बहुत ही जानकारी देने वाला तथा एक नई सोच को जागृत करने वाला रहा। वर्कशाप के अंत में मनोविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष अरूणा कद ने मुख्य वक्ता का धन्यवाद किया। वर्कशाप के दौरान महाविद्यालय की डॉ. रेनू राठी, डॉ. शर्मिला गुणपाल, मोनिका, अनिल शर्मा और संदीप कुमार उपस्थित रहे।

विशेषज्ञों की सलाह • ऑनलाइन वर्कशॉप में एलएच मेडिकल कॉलेज दिल्ली के एचओडी साइकेट्रिस्ट डॉ. दिनेश कटारिया ने रखे विचार

दो सप्ताह से ज्यादा का तनाव, काम में मन न लगना और थकान है मेंटल अनफिट की निशानी, शर्म छोड़कर लें मनोचिकित्सक की मदद

भास्कर न्यूज | हिसार

मानसिक तनाव व बीमारी वह नहीं जो दो या तीन दिन के लिए आपको परेशान कर रही हो। आपके मूड, ट्रस्ट व एनर्जी को लगातार कम होते हुए 2 हफ्ते से ज्यादा का समय हो गया है तो यह मानसिक बीमारी है। इसके लिए मनोचिकित्सक की मदद जल्द लें। ये टिप्स डीएन कॉलेज में आयोजित ऑनलाइन इंटरनेशनल वर्कशॉप में एलएच मेडिकल कॉलेज दिल्ली के एचओडी साइकेट्री डॉ. दिनेश कटारिया ने बताए। मेंटल अनफिट होने के बारे में डॉक्टर की सलाह लेने को अक्सर एक शर्म की तरह महसूस किया जाता है। इसके प्रति अवेयर होना जरूरी है।

एबीसी सिद्धांत जिन पर फोकस करना जरूरी

- ए यानि अवेयरनः फिलिंग्स व मूड
- बी यानि बिहेवियरः एटीट्यूड, एक्टिविटी, स्पीच व ग्रूमिंग
- सी यानि कॉगनिशनः जजमेंट, गोल डायरेक्शन्स, थॉट

मेंटल हेल्थ को परखने का एसटीडी फॉर्मूला

- एस यानि सिंप्टमः इच्छा, मूड व एनर्जी में लगातार गिरावट।
- टी यानि टाइमः कम से कम 2 हफ्ते तक रेगुलर रहना।
- डी यानि डिस्फंक्शनः फैमिली, स्वयं, सामाजिक रूप से भागीदारी न कर पाना।

मेंटल हेल्थ की प्रॉब्लम के लक्षण आपके सोचने की शक्ति व तरीके में बदलाव महसूस करना, सकारात्मकता से अधिक नकारात्मक विचारों का आना, स्वभाव में हिंसक हो जाना, छोटी छोटी बातों पर गुस्से पर काबू न होना, अपनी हार स्वीकार न कर पाना, हार जाने का डर, सच से भागना, काम में मन न लगना, धीरे धीरे शारीरिक थकान महसूस करना इसके लक्षण है। यदि किसी भी व्यक्ति को यह लक्षण 2 हफ्ते तक रहते हैं तो वह मानसिक रूप से अनफिट है।

नॉर्मल होने के लक्षण

- सच को आसानी से स्वीकार कर पाना।
- सेल्फ अवेयरनेस व सेल्फ नॉलेज।
- खुद को जैसे हो वैसे स्वीकार करना।
- हिसंक स्वभाव को कंट्रोल कर पाना व अपने आप पर काबू कर सकना।
- नशे से दूर रहकर उसका आदी न होना।
- दूसरों से अपने संबंध मधुरता पूर्वक बनाए रख पाना।
- काम को बेहतर से बेहतर तरीके से पूर्ण करने की लगन।

असामान्यता के सिद्धांत

- डिविएंसः कुछ निश्चित विचार, स्वभाव, इमोशन को स्वीकार न कर पाना जो परेशान करता है।
- डिस्ट्रेसः अकेलापन व नकारात्मकता का अधिक प्रभाव व तनाव।
- डिस्फंक्शनः दूसरों से हमेशा आगे जाने की होड़ में अपने स्वभाव को नकरात्मक बनाते जाना।
- डैंजरस्नेसः दूसरों के लिए भी खतरा बन जाना, हिंसक हो जाना।

ठीक करने के उपाय

डॉ. कटारिया ने बताया कि साइकेट्रिस्ट से सलाह लेनी चाहिए एंव काउंसिलिंग करवानी चाहिए। यदि वह सामाजिक रूप से खुद को कंफर्टेबल महसूस करता है तो ज्यादा से ज्यादा समय बिताएं। किताबें पढ़ना भी एक अच्छी दवा हो सकती है। परिवार व रिश्तेदारों को जरूरत है कि वे उसकी मदद करें व चिकित्सक से दवाई शुरू करें।

आज के मुख्य वक्ता व टॉपिक: 9 फरवरी को पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ के साइकेट्री विभाग से असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. कृष्ण के सोनी मुख्य वक्ता रहेंगे। वर्कशॉप दोपहर 12.30 बजे शुरू होगी।

और तुमने कहा, सदा आता रहे। बुनती थीं। कैसा रंगीन था। कैसा संघर्ष नहीं।

देश में 10 करोड़ मानसिक रोगियों के लिए केवल 10,000 डाक्टर्स उपलब्ध-प्रो. राजबीर

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 14 फरवरी : दयानन्द महाविद्यालय, हिसार के मनोविज्ञान विभाग के तत्वाधान में आयोजित पांच दिवसीय वर्कशाप के अन्तिम दिन वर्कशाप की शुरूआत करते हुए मनोविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष अरूणा कद ने मुख्यवक्ता का परिचय करवाया। मुख्यवक्ता के रूप में प्रो. राजबीर सिंह, बिहेवियरल साईस, फैकल्टी ऑफ बिहेवियरल साईस, एस.जी.टी. यूनिवर्सिटी, गुड़गांव ने अपने विचार प्रकट किए। उन्होंने अपने वक्तव्य में आंकड़ों की सहायता से मानसिक बीमारियों में आ रहे उछाल की तरफ सबका ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने बताया कि भारत में 1990 के बाद से अवसाद के दोगुने से भी ज्यादा लोग ग्रसित हो गए हैं। अवसाद और चिंता के केस लगातार बढ़ रहे हैं, परन्तु 10 करोड़ मानसिक रोगियों के लिए केवल 10,000 डाक्टर्स उपलब्ध हैं। भारत में परिस्थितियां मनोरोगियों के लिए सामान्य नहीं हैं। प्रोफेसर राजबीर सिंह ने बताया कि पोजिटिव डेवियेन्ट बिहेवियर के द्वारा समाज में बदलाव लाया जा सकता है। उन्होंने केस स्टडीज के माध्यम से पॉजिटिव व्यवहार का महत्व बताया कि किस तरह दूसरे लोग इसे देखकर बड़े पैमाने पर अपने समस्यात्मक व्यवहार में बदलाव कर सकते हैं। साइको-एजुकेशनल स्किल्ज के द्वारा इन व्यवहारों को अपनाया जा सकता है, क्योंकि नकारात्मक व्यवहार में सकारात्मक और शालीन व्यवहार को देखकर ही बदलाव लाया जा सकता है। वर्कशाप के अंत में दयानन्द महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने सभी का धन्यवाद किया और मनोविज्ञान विभाग को इसके सफल आयोजन के लिए साधुवाद दिया। वर्कशाप का समापन करते हुए मनोविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष अरूणा कद ने आज के मुख्य वक्ता का धन्यवाद किया। इस वर्कशाप में महाविद्यालय की डॉ. रेनू राठी, डॉ. शर्मिला गुणपाल, मोनिका, अनिल शर्मा और संदीप कुमार उपस्थित रहे।

DEPARTMENT OF PHYSICAL EDUCATION & NSS

(2 Days workshop on "Alternative Therapies for Physical And Mental Health)

Resource Person: Dr. Vikram Singh,Sh. Suresh Kumar

Date: 22^{nd}-23^{rd} Feb,2021

DAYANAND COLLEGE, HISAR

Accredited with 'A' Grade by NAAC

Governed by DAV College Managing Committee, New Delhi

Affiliated to Guru Jambheshwar University of Science & Technology, Hisar

Dept. of Physical Education in collaboration with NSS Units
Invite you to join an Interdisciplinary National Workshop on

Alternative Therapies for Physical & Mental Health

22^{nd} Feb. To 23^{rd} Feb. 2021 at 11:00 am

Eminent Speakers:

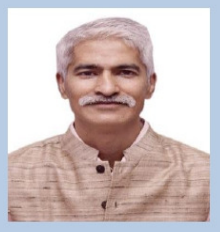

On 22^{nd} Feb. 2021

Dr. Vikram Singh

Head Physical Educator

Jawaharlal Nehru University,

New Delhi

Topic: Skills & Opportunities in Yoga & Naturopathy

On 23^{rd} Feb. 2021

Sh. Suresh Kumar

Yogacharya Grand Reiki Master

Mudra Healer

Topic: Mudra Chikitsa

About The Institution

Dayanand College, Hisar is a 70 years old, Re-Accredited as 'A' Grade institution by NAAC, Bangalore in November 2016. The temple of learning is a nursery of higher education. The college owes its existence to the vision and missionary zeal of Lala Gian Chand Mahajan (later venerated as Swami Munishwaranand) who was a teacher by profession, a social crusader by inclination, and a saint by temperament. Swamiji was helped in his crusade by a galaxy of philanthropists and missionaries. The college is a multi-faculty, co-educational government-aided institution affiliated to Guru Jambheshwar University of Science & Technology, Hisar. Founded in the historical city of Hisar in 1950, the college was taken over by the DAV College Managing Committee, New Delhi in 1962.The emergence of this seat of learning marked a new era in this educationally and culturally obscure land even after independence. It was a dust bowl, a dry, dreary and dismal darkness. The opening of a college here was thus like creating oasis in the desert. The college is situated on two campuses, occupying a total land area of about 28 acres out of which 4 acres of land is for the college complex and 24 acres of land is harnessed for creating facilities like hostels, staff quarters and sports ground and indoor sports complex.

Department of Physical Education of Dayanand College Hisar organised two days National workshop on the topic Alternative Therapies for Physical and Mental Health. First day of the workshop Dr Vikram Singh Head Physical Educator Jawaharlal Nehru University (JNU) New Delhi was keynote speaker and he enlightened the participants on the topic: Skills and Opportunities in Yoga and Naturopathy. Thank You Very Much Dr Vikram Singh ji and hearties **Congratulations** to Department of Physical Education.

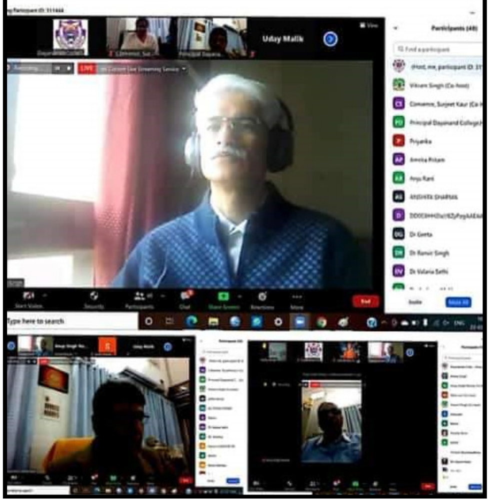

प्राकृतिक तरीके से रोगों से लड़ने की दी सलाह

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 24 फरवरी : दयानन्द महाविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग तथा एन.एस.एस. की ईकाईयों द्वारा संयुक्त रूप से 'शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य के लिए आवश्यक वैकल्पिक चिकित्सा विधियां'' विषय पर चलाई जा रही दो दिवसीय राष्ट्रीय वर्कशाप के अन्तिम दिन का सफल आयोजन किया गया। इसमें योगाचार्य सुरेश कुमार रेकी व मुद्रा चिकित्सा मास्टर मुख्य वक्ता रहे। विभागाध्यक्ष सुरजीत कौर ने मुख्य वक्ता का स्वागत किया। योगाचार्य ने पंच तत्वों (आकाश, पृथ्वी, वायु,

अग्नि व जल) का उदाहरण देते हुए हमारे जीवन में इनका महत्व स्पष्ट किया। हमारा शरीर इन्हीं पांच तत्वों से मिलकर बना है और इन्हीं पांच तत्वों में रोग प्रतिरोधक क्षमता विद्यमान है। सुरेश कुमार ने विभिन्न मुद्राओं के द्वारा अलग-अलग बीमारियों से बचने के उपाय बताए। इस प्रकार उन्होंने प्राकृतिक तरीके से रोगों से लड़ने की अपील की। मंच का संचालन डॉ. नेहा रानी द्वारा किया गया। मुख्य वक्ता का धन्यवाद डॉ. शर्मिला गुणपाल ने किया। इस वर्कशाप में डॉ. अनूप सिंह परमार, मंजीत सिंह, डॉ. सुरेन्द्र बिश्नोई, सुरेश कुमार, अजय पाल व मीनाक्षी चौहान की भी सक्रिय भूमिका रही। दयानन्द महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने वर्कशाप के सफल आयोजन के लिए शारीरिक शिक्षा विभाग को बधाई दी।

दयानंद कालेज कराएगा आवश्यक वैकल्पिक चिकित्सा विधियों पर राष्ट्रीय वर्कशॉप

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 20 फरवरी : दयानन्द महाविद्यालय, हिसार का शारीरिक शिक्षा विभाग तथा एन.एस.एस. की इकाईयां संयुक्त रूप से 22 व 23 फरवरी को ''शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य के लिए आवश्यक वैकल्पिक चिकित्सा विधियां'' विषय पर एक राष्ट्रीय वर्कशाप का आयोजन करने जा रही हैं। इस अवसर पर जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के मुख्य शारीरिक प्रशिक्षक डॉ. विक्रम सिंह मुख्यवक्ता के रूप में 'योगा तथा प्राकृतिक चिकित्सा क्षेत्र में सेवा के अवसर' विषय पर 22 फरवरी को अपने विचार रखेंगे। इसी कड़ी में 23 फरवरी को योगा तथा महान रेकी मास्टर सुरेश कुमार 'मुद्रा चिकित्सा' बारे अपने विचार रखेंगे। सुरेश कुमार ने न केवल देश अपितु विदेशों में भी इस तरह की कार्यशालाओं का आयोजन किया हुआ है। अभी तक इस वर्कशाप में विद्यार्थियों के अतिरिक्त विभिन्न स्थानों तथा विभागों से लगभग 676 प्रतिभागियों ने भाग लेने के लिए अपना ऑनलाइन पंजीकरण करवा दिया है।

दयानंद कालेज कराएगा आवश्यक वैकल्पिक चिकित्सा विधियों पर राष्ट्रीय वर्कशॉप

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 20 फरवरी : दयानन्द महाविद्यालय, हिसार का शारीरिक शिक्षा विभाग तथा एन.एस.एस. की इकाईयां संयुक्त रूप से 22 व 23 फरवरी को ''शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य के लिए आवश्यक वैकल्पिक चिकित्सा विधियां'' विषय पर एक राष्ट्रीय वर्कशाप का आयोजन करने जा रही हैं। इस अवसर पर जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के मुख्य शारीरिक प्रशिक्षक डॉ. विक्रम सिंह मुख्यवक्ता के रूप में 'योगा तथा प्राकृतिक चिकित्सा क्षेत्र में सेवा के अवसर' विषय पर 22 फरवरी को अपने विचार रखेंगे। इसी कड़ी में 23 फरवरी को योगा तथा महान रेकी मास्टर सुरेश कुमार 'मुद्रा चिकित्सा' बारे अपने विचार रखेंगे। सुरेश कुमार ने न केवल देश अपितु विदेशों में भी इस तरह की कार्यशालाओं का आयोजन किया हुआ है। अभी तक इस वर्कशाप में विद्यार्थियों के अतिरिक्त विभिन्न स्थानों तथा विभागों से लगभग 676 प्रतिभागियों ने भाग लेने के लिए अपना ऑनलाइन पंजीकरण करवा दिया है।

होली चाइल्ड विद्यालय के ड्रामा क्लब के विद्यार्थियों ने दी नाट्य प्रस्तुति

THE ARYA SAMAJ, DAYANAND COLLEGE, HISAR

(3 Days Online Competitions on " Nibandh lekhan,Bhashan And Sholokacharan")

Date: 22-24th February,2021

।। आर्य समाज ।।

दयानन्द महाविद्यालय, हिसार

'निबन्ध लेखन, भाषण एवं श्लोकोच्चारण प्रतियोगिता'

मान्यवर,

सादर नमस्कार।

सादर सूचित किया जाता है कि आर्य समाज, दयानन्द महाविद्यालय, हिसार द्वारा राज्य स्तरीय अन्तर्महाविद्यालय निबन्ध लेखन, भाषण (हिन्दी एवं अंग्रेजी) एवं श्लोकोच्चारण प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता से सम्बन्धित महत्त्वपूर्ण सूचनाएं इस प्रकार है –

हिन्दी एवं अंगेजी भाषण प्रतियोगिता के विषय :

- युग दृष्टा 'महर्षि दयानन्द' (Maharishi Swami Dayanand : Epoch Maker)
- महर्षि दयानन्द का शिक्षा दर्शन (Educational Philosophy of Maharishi Dayanand)
- महिला सशक्तिकरण के पक्षधर 'महर्षि दयानन्द' (Advocation of Women Empowerment)
- महर्षि दयानन्द : भारतीय संस्कृति के रक्षक (Protector of Indian Culture : Maharishi Dayanand)

निबन्ध लेखन प्रतियोगिता के विषय :

- आधुनिक भारत के निर्माण में महर्षि दयानन्द का योगदान
- महर्षि दयानन्द का वैदिक दर्शन
- महर्षि दयानन्द : समतावादी समाज के निर्माता
- महर्षि दयानन्द का स्वाधीनता विषयक चिन्तन

प्रतियोगिता के नियम :

- प्रत्येक प्रतियोगिता में एक महाविद्यालय से दो विद्यार्थी भाग ले सकते हैं।
- समय भाषण हेतु 4 से 5 मिनट रहेगा तथा श्लोकोच्चारण हेतु 2 से 3 मिनट रहेगा।
- भाषण एवं श्लोकोच्चारण प्रतियोगिताओं हेतु नाम भेजने की अन्तिम तिथि 15 फरवरी, 2021 है।
- हिन्दी भाषण प्रतियोगिता 22 फरवरी, अंग्रेजी भाषण प्रतियोगिता 23 फरवरी व श्लोकोच्चारण प्रतियोगिता 24 फरवरी 2021 को ऑनलाइन होगी।
- निबन्ध की शब्द सीमा 2500–3000 है।
- निबन्ध की भाषा केवल हिन्दी रहेगी।
- निबन्ध की पी.डी.एफ. फाईल बनाकर Email ID : aryasamaj@dnc.ac.in पर 15 फरवरी, 2021 तक भेजें।

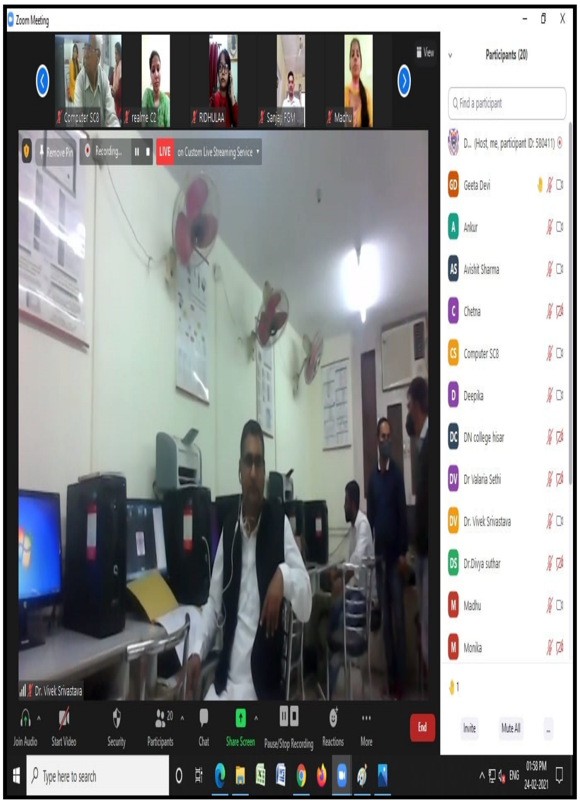

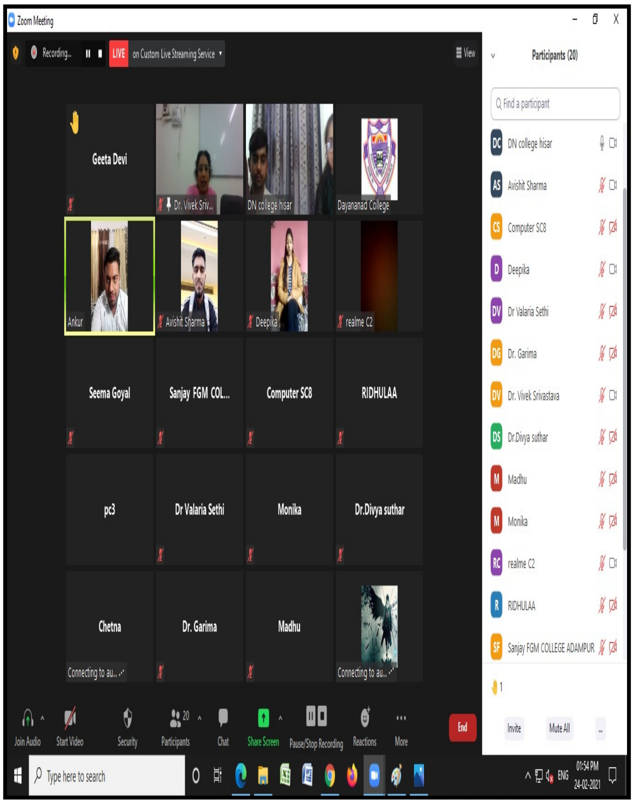

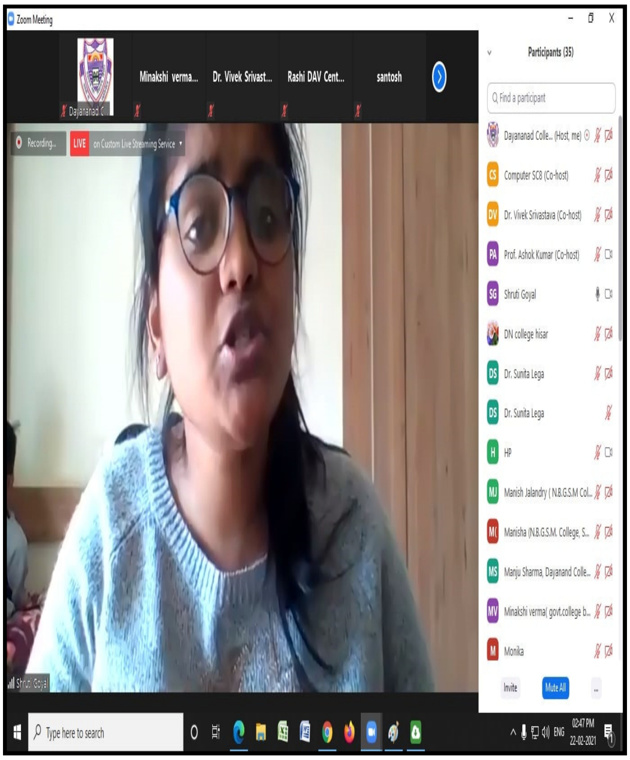

The Arya Samaj of Dayanand College Hisar organised three days (22-24 February) State level competitions which includes Declamation contest both in Hindi and English, Salokocharan and Esay writing on the topic: Teachings of Swami Dayanand Saraswati to celebrate the Birth anniversary of Maharishi Dayanand Saraswati. On the First day Hindi Declamation contest is organised. Heartiest **Congratulations** to all the participants and Arya Samaj of Dayanand College Hisar.

DEPARTMENT OF HISTORY

(7 Day Exhibition on "125th Birth Anniversary of Netaji Subhash Chandra Bose)
Chief Guest: Prof. B.K. Poonia(Haryana State Higher Education Council
Date: 25th Feb-3rd March,2021

DAYANAND COLLEGE, HISAR

Accredited with 'A' Grade by NAAC
Governed by DAV College Managing Committee, New Delhi
Affiliated to Guru Jambheshwar University of Science & Technology, Hisar

Exhibition on 125th Birth Anniversary of
Netaji Subhash Chandra Bose
organised by
Department of History
on 25th February, 2021 at 11:30 a.m.

Chief Guest

Prof. B.K. Kuthiala
Chairperson
Haryana State Higher Education Council

PROGRAMME SCHEDULE

1.	Inauguration of Exhibition	11:30 a.m.
2.	Visit of Exhibition	11:30 a.m. to 12:00 noon
3.	Welcome Ceremony	12:00 noon to 12:10 p.m.
4.	Welcome Speech	12:10 p.m. to 12:25 p.m.
5.	Cultural Programme	12:25 p.m. to 12:45 p.m.
6.	Aims & Objectives of Exhibition	12:45 p.m. to 01:10 p.m.
7.	Address by Chief Guest	01:10 p.m. to 01:50 p.m.
8.	Vote of Thanks	01:50 p.m. to 02:00 p.m.
9.	Visit to Museum & Archives of History Department	02:00 p.m. to 02:30 p.m.

Convener

Dr. Mahender Singh
Head, Department of History

Patron

Dr. Vikramjit Singh
Principal

Organizing Committee

Organising Secretary
Dr. Joginder Singh

Co-Convener
Dr.Suruchi Sharma

Member
Mr. Mahender Singh

नेताजी के आदर्श समझें युवा : प्रो. कुठियाला

नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जीवन और त्याग को समझने के लिए प्रदर्शनी शुरू

माई सिटी रिपोर्टर

कार्यक्रम में उपस्थित स्टाफ और अन्य।

हिसार। दयानंद महाविद्यालय के इतिहास विभाग द्वारा नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती के उपलक्ष्य में सात दिवसीय प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का शुभारंभ हरियाणा उच्चतर शिक्षा समिति के चेयरमैन प्रो. बीके कुठियाला और पूर्व मंत्री एवं आर्य प्रादेशिक प्रतिनिधि सभा के उपप्रधान हरिसिंह सैनी ने किया।

मुख्य अतिथि प्रो. बीके कुठियाला ने कहा कि भारत के संपन्न और समृद्ध इतिहास की एक गाथा लोकगीतों व कथाओं में मिलती है। दूसरी गाथा यह है कि भारत एक बिखरा हुआ देश था, जिसे बाहर के लोगों ने आकर बनाया और बसाया था। आज के युवा को यह समझने की जरूरत है कि नेताजी ने देश की आजादी के लिए अपने आदर्शों एवं सुंदर जीवन का त्याग क्यों किया? आज हमें सभी क्षेत्रों के लोगों से मिलकर हमारे देश की प्राचीन संस्कृति एवं इतिहास को पुनः प्रस्तुत करने की आवश्यकता है।

पूर्व मंत्री चौधरी हरिसिंह सैनी ने कहा कि हमें नेताजी के आदर्शों पर चलकर देश के पुनर्निर्माण में अपना सहयोग देना है। प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने आयोजन के लिए इतिहास विभाग को बधाई दी। महाविद्यालय के विद्यार्थी श्रीकांत ने नेताजी के जीवन पर आधारित रागिनी सुनाकर उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। वहीं, अतिथियों ने सुभाष चंद्र बोस के चित्र पर पुष्प अर्पित करने के बाद प्रदर्शनी का अवलोकन किया। महाविद्यालय के इतिहास विभाग के अध्यक्ष डॉ. महेंद्र सिंह ने प्रदर्शनी में प्रदर्शित चित्रों का विवरण अतिथियों के समक्ष प्रस्तुत किया। अतिथियों ने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने देश सेवा के लिए किस तरह से आईसीएस के पद से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने विभिन्न देशों की यात्रा के उपरांत जापान में आजाद हिंद फौज की स्थापना की थी। इस दौरान देवेंद्र उप्पल, प्रमोद लांबा, ज्ञानचंद बंसल, डॉ. सुरुचि शर्मा, डॉ. शम्मी नागपाल आदि मौजूद रहे।

डीएन कॉलेज में एग्जिबिशन लगा नेताजी के बारे में बताया, 25 फरवरी से 3 मार्च तक लगेगा

सात दिवसीय प्रदर्शनी का प्रो. बीके कुठियाला और पूर्व मंत्री हरिसिंह सैनी ने किया उद्घाटन

भास्कर न्यूज़| हिसार

डीएन कॉलेज में लगे एग्जिबिशन में जानकारी लेते लोग।

दयानंद कॉलेज के इतिहास विभाग की तरफ से नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती पर सात दिवसीय प्रदर्शनी 25 फरवरी से 3 मार्च तक कॉलेज में आयोजित की जाएगी। इस प्रदर्शनी का उद्घाटन मुख्यअतिथि के रूप में हरियाणा शिक्षा उच्चतर शिक्षा परिषद् के चेयरपर्सन प्रो. बीके कुठियाला ने ऑनलाइन के माध्यम से तथा पूर्व मंत्री हरिसिंह सैनी व आर्य प्रादेशिक प्रतिनिधि सभा, नई दिल्ली के उपप्रधान ने किया।

अतिथियों ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस के चित्र को पुष्प अर्पित करने के बाद कॉलेज द्वारा आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। कॉलेज के इतिहास विभाग के अध्यक्ष डॉ. महेंद्र सिंह ने प्रदर्शनी में प्रदर्शित चित्रों का विवरण अतिथियों के समक्ष प्रस्तुत किया तथा उन्होंने नेताजी की प्रतिभा, प्रतिबद्धता, स्वाभिमान व समर्पण को रेखांकित करते हुए बताया कि उन्होंने देश सेवा के लिए किस तरह से आईसीएस के पद से इस्तीफा दे दिया था और उन्होंने किस तरह से विभिन्न देशों की यात्रा के बाद जापान में आजाद हिंद फौज की स्थापना की थी। प्रो. बीके कुठियाला ने ऑनलाइन संबोधन दिया। मुख्यातिथि चौधरी हरिसिंह सैनी ने नेताजी के विचारों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमें नेताजी के आदर्शों पर चलकर देश के पुनर्निमाण में अपना सहयोग देना है। प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने इस आयोजन के लिए इतिहास विभाग को बधाई दी।

DEPARTMENT OF BIOTECHNOLOGY

(2 Days Webinar on "Biotechnology: Applications & Perspectives")

Resource Person: Dr. Sushila Maan,Dr. Neeraj Dilbagi

Date:1st-2nd March,2021

DAYANAND COLLEGE, HISAR

Accredited with 'A' Grade by NAAC
Governed by DAV College Managing Committee, New Delhi
Affiliated to Guru Jambheshwar University of Science & Technology, Hisar

Department of Biotechnology
Invites you to join Two Days National Webinar
on
Biotechnology: Applications & Perspectives

Dated: March 1-2,2021 AT 11:30 am

Resource Persons

Dr. Sushila Maan
Professor& Head
Department of Animal BioTechnology
Lala Lajpat Rai University of Veterinary and Animal Sciences
Topic: Advances in Animal Biotechnology & its applications.

DATE: 1.03.2021 AT 11:30 A.M.

Dr. Neeraj Dilbagi
Professor
Department of Bio & Nano Technology
Guru Jambheshwar University of Science & Technology, Hisar
Topic: Applications & perspectives of Nanobiotechnology.

DATE: 2.03.2021 AT 11:30 A.M.

About the Webinar

Nanobiotechnology has a broad field of appeal, from organ-on-chip technologies to biosensors, from intelligent drug delivery to artificial bioconstructs and from functional nanostructured surfaces to smart materials and nanofluidics. Likewise, Animal Biotechnology encompasses a variety of technologies, including genetic engineering, genetic modification, transgenics, recombinant DNA techniques and cloning, aiming to improve productivity, consistency and quality. Looking onto the current scopes, Department of Biotechnology is going to organize webinars by offering virtual platform to all academicians, researchers and students. The eminent speakers would deliver their presentations on the topics of Nano-Biotechnology and Animal Biotechnology. Department of Biotechnology invites all academicians to be a part of this webinar series and make it a perfect platform for knowledge sharing and networking.

Convener
Dr. Vivek Srivastava
Head, Department of Biotechnology

Patron
Dr. Vikramjit Singh
Principal

Department of Biotechnology of Dayanand College Hisar organised two days National Webinar on the topic Biotechnology: Applications and Perspectives. First day Professor Sushila Maan, Head Department of Animal Biotechnology of LUVAS Hisar delivered a lecture on Advances in Animal Biotechnology and its applications. Second day Professor Neeraj Dilbagi, Department of Bio & Nanotechnology enlightened the participants on Applications and Perspectives of Nanobiotechnology. Heartiest **Congratulations** to Department of Biotechnology.

नैनो तकनीक स्वास्थ्य सेवा रणनीतियों में लाई क्रांति : डॉ. दिलबागी

हिसार/02 मार्च/रिपोर्टर

दयानन्द महाविद्यालय के बॉयो टैक्नोलॉजी विभाग द्वारा बायो टैक्नोलॉजी: एप्लीकेशन्स एंड परस्पैक्टिव्स विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय वैब संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें लुवास में एनीमल बॉयो टैक्नोलॉजी विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. सुशीला मान ने बताया कि स्टैम कोशिका को प्रयोग करके बीमारियों का निदान कैसे किया जाता है। उन्होंने बताया कि मानव समाज के कल्याण के लिए जैव प्रौद्योगिकी का प्रयोग उच्च स्तर पर किया जा सकता है। उन्होंने अपनी प्रयोगशाला में विकसित हो रहे प्रयोगों का वर्णन किया। उन्होंने बताया कि जैव प्रौद्योगिकी द्वारा विकसित पशुओं की विभिन्न किस्मों के माध्यम से किसानों को ज्यादा लाभ मिल सकता है। उनके द्वारा सुझाए गए प्रयोगों के द्वारा समय पर रहते बीमारियों की रोकथाम की जा सकती है। वैबीनार में गुजवि के बॉयो एण्ड नैनो टैक्नोलॉजी विभाग में प्रोफेसर डॉ. नीरज दिलबागी ने बताया कि किस तरह से नैनो तकनीक ने स्वास्थ्य सेवा रणनीतियों में क्रांति ला दी है। उन्होंने अपने अंतरंग संवाद द्वारा शोध विद्यार्थियों में नैनो तकनीक को लेकर रूचि बढाई। महाविद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने महाविद्यालय में चल रहे वैबीनार में दी गई जानकारियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी इस वैबीनार से अर्जित ज्ञान को भविष्य में उपयोग करते हुए अपने देश को आगे लेकर जाएं। कार्यक्रम संयोजक व जैव प्रौद्योगिकी विभाग के अध्यक्ष डॉ. विवेक श्रीवास्तव ने बताया कि कार्यक्रम में लगभग 425 प्रतिभागियों ने रजिस्ट्रेशन करवाया। इस कार्यक्रम में आयोजन सचिव डॉ. आदित्य कुमार, डॉ. छवि मंगला, डॉ. राजरानी तथा को-कन्वीनर डॉ. हेमन्त शर्मा और डॉ. कंचन कामरा ने अहम भूमिका निभाई। इस दौरान कमेटी मैम्बर डॉ. निधि अग्रवाल, डॉ. रितु सहारण, डॉ. आशा, डॉ. इकबाल, डॉ. शालू नारंग, मोनिका व विभा लोहान भी उपस्थित रहे।

स्टेम कोशिका को प्रयोग करके किया जा सकता है बीमारियों का निदान

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 3 मार्च : दयानन्द महाविद्यालय, हिसार के बॉयोटेक्नोलॉजी विभाग द्वारा जैव प्रौद्योगिकी फायदे और इसके दृष्टिकोण विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय वैब संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी के पहले दिन डॉ. सुशीला मान प्रोफेसर विभागाध्यक्ष एनीमल बॉयोटेक्नोलॉजी लाला लाजपतराय विश्वविद्यालय, हिसार ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। डॉ. सुशीला मान ने बताया कि स्टेम कोशिका को प्रयोग करके बीमारियों का निदान कैसे किया जाता है। उन्होंने बताया कि मानव समाज के कल्याण के लिए जैव प्रौद्योगिकी का प्रयोग उच्च स्तर पर किया जा सकता है। उन्होंने अपनी प्रयोगशाला में विकसित हो रहे प्रयोगों का विस्तारपूर्वक वर्णन किया। उन्होंने बताया कि जैव प्रौद्योगिकी द्वारा विकसित पशुओं की विभिन्न किस्मों द्वारा किसानों को ज्यादा से ज्यादा लाभ मिल सकता है। उनके द्वारा सुझाए गए प्रयोगों के द्वारा समय पर रहते बीमारियों की रोकथाम की जा सकती है। दूसरे दिन के वैबीनार में डॉ. नीरज दिलबाकी, प्रोफेसर, बॉयो एण्ड नैनोटेक्नोलॉजी विभाग, गुरू जम्भेश्वर विश्वविद्यालय, हिसार द्वारा नैनोबॉयोटेक्नोलॉजी के उपयोग के विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि किस तरह से नैनो तकनीक ने स्वास्थ्य सेवा रणनीतियों में क्रांति ला दी है। उन्होंने अपने अंतरंग संवाद द्वारा शोध विद्यार्थियों में नैनो तकनीक को लेकर रूचि बढाई। महाविद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने महाविद्यालय में चल रहे वेबीनार में दी गई जानकारियों की सराहना की। उन्होंने विद्यार्थियों को आह्वान करते हुए कहा कि वो इस वेबीनार से अर्जित ज्ञान को भविष्य में उपयोग करते हुए अपने देश को आगे लेकर जाएं। कार्यक्रम के संयोजक व जैव प्रौद्योगिकी विभाग के अध्यक्ष डॉ. विवेक श्रीवास्तव ने बताया कि कार्यक्रम में लगभग 425 प्रतिभागियों ने रजिस्ट्रेशन करवाया। जिसमें मुख्य रूप से अध्यापक व शोध विद्यार्थी उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में आयोजन सचिव डॉ. आदित्य कुमार, डॉ. छवि मंगला, डॉ. राजरानी तथा को-कन्वीनर डॉ. हेमन्त शर्मा और डॉ. कंचन कामरा ने अहम भूमिका निभाई। कमेटी मैम्बर डॉ. निधि अग्रवाल, डॉ. रितु सहराण, डॉ. आशा, डॉ. इकबाल, डॉ. शालू नारंग, मोनिका व विभा लोहान उपस्थित रहे।

DEPARTMENT OF ENGLISH

(1 Day webinar on "Gender Concepts and Definitions)

Resource Person: Prof. Manpreet Kaur Kang

Date: 3rd March,2021

DAYANAND COLLEGE, HISAR

Accredited with 'A' Grade by NAAC

Governed by DAV College Managing Committee, New Delhi

Affiliated to Guru Jambheshwar University of Science & Technology, Hisar

Department of English

Invites you to join a National Webinar

on

Gender Concepts & Definitions

Dated: March 3, 2021 AT 12:00 noon

Resource Person

Prof. Manpreet Kaur Kang

Professor, Department of English

Dean, School of Humanities & Social Sciences

Director Students' Welfare

Guru Gobind Singh Indraprastha University, New Delhi

About the Webinar

Gender identity is defined as a personal conception of oneself as male or female (or rarely, both or neither). This concept is intimately related to the concept of gender role, which is defined as the outward manifestations of personality that reflect the gender identity. Gender identity, in nearly all instances, is self-identified, as a result of a combination of inherent and extrinsic or environmental factors; gender role, on the other hand, is manifested within society by observable factors such as behaviour and appearance. We are surrounded by gender lore from the time we are very small. It is ever-present in conversation, humour, and conflict and is called upon to explain everything from driving styles to food preferences. Gender is embedded so thoroughly in our institutions, our actions, our beliefs, and our desires, that it appears to us to be completely natural. The world swarms with ideas about gender – and these ideas are so commonplace that we take it for granted that they are true, accepting common adage as scientific fact. It is precisely because gender seems natural, and beliefs about gender seem to be obvious truths, that we need to step back and examine gender from a new perspective. Doing this requires that we suspend what we are used to and what feels comfortable and question some of our most fundamental beliefs. This is not easy but as gender is so central to our understanding of ourselves and of the world that it is imperative to pull back and examine it from new perspectives.

Convener

Dr. Yashu Rai Tayal

Head, Department of English

Patron

Dr. Vikramjit Singh

Principal

लैंगिक भेदभाव का जिम्मेवार सामाजिक व्यवस्था–मनप्रीत कंग

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 4 मार्च : दयानन्द महाविद्यालय, हिसार के अंग्रेजी विभाग द्वारा एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया। इस वेबीनार का शुभारम्भ व संचालन डॉ. शम्मी नागपाल को-आर्डिनेटर द्वारा किया गया। वेबीनार के मुख्य प्रवक्ता के तौर पर गुरू गोबिन्द सिंह इन्द्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, नई दिल्ली की प्रोफेसर डॉ. मनप्रीत कौर कंग की उपस्थिति रही। डॉ. मनप्रीत कौर कंग ने नारीवाद के चार चरणों की तर्कसंगत व्याख्या की तथा 'जैंडर ओरिएंटेशन', 'पैटरारकी', 'नेचर नरचर' जैसे विषयों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने समाज में होने वाले लैंगिक भेदभाव का जिम्मेवार सामाजिक व्यवस्था को बताया। महाविद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने मुख्य वक्ता डॉ. कंग का अभिनन्दन करते हुए कहा कि जैंडर से जुड़ी हुई समस्याएं ना केवल हमारे देश में, बल्कि समस्य विश्व में व्यापक हैं। इनका निदान किया जाना अति आवश्यक है। अंग्रेजी विभाग की अध्यक्ष डॉ. यशुराय तायल ने वेबीनार के अंत में मुख्यवक्ता, प्राचार्य तथा समस्त आयोजन समिति का अभिवादन करते हुए कहा कि सिर्फउस घड़ी का इंतजार है जब मनुष्यों में लिंग के आधार पर भेदभाव न होकर केवल इंसान होने पर गौर किया जाएगा। लिट्रेरी सोसायटी की अध्यक्ष डॉ. वलेरिया सेठी द्वारा इस चयनित ज्वलंत विषय ''जैंडर कंसैप्टस एवं डैफिनिशंस'' से सम्बन्धित विषय को चुनने के लिए अंग्रेजी विभाग की भरपूर सराहना की। इस वेबीनार के साथ 296 प्रतिभागी जुड़े। इस वेबीनार में अंग्रेजी विभाग के सभी प्राध्यापकों, डॉ. गीता बिन्दल, डॉ. वलेरिया सेठी, सुरेश यादव, विजय सिंह, मंजीत सिंह, डॉ. संगीता मलिक, मीनाक्षी चौहान, डॉ. रीतू सरदाना, मधुर वेदान्त, अदिति, रीना, मंजीत सिंह व सुखविन्द्र कौर का सराहनीय योगदान रहा।

DEPARTMENT OF MANAGEMENT

(1 Day webinar on "Present and Emerging Human Resource Challenges")

Resource Person: Dr. subhash C. Kundu

Date: 10th march,2021

नभ-छोर

मानव संसाधनों के सदुपयोग में चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है: डॉ. कुंडू

हिसार/13 मार्च/रिपोर्टर

दयानंद महाविद्यालय के प्रबंधन विभाग द्वारा एक दिवसीय वैबीनार का आयोजन किया गया जिसका विषय वर्तमान दौर में मानवीय संसाधनों संबंधी उभरती चुनौतियां रहा। वैबीनार के मुख्य वक्ता गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं तकनीकी विश्वविद्यालय से डॉ. सुभाषचन्द कुंडू ने कहा कि पिछले दस वर्षों से मानव संसाधनों के सदुपयोग में चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है जो कोविड-19 के दौर में उच्चत्तम स्तर पर देखा गया। उन्होंने जोड़ा कि इन चुनौतियों में वित्तीय असुरक्षा व महामारी के समय घर से काम करने पर असंतुलन की वजह से बढ़ौतरी हुई है। उन्होंने महामारी के दौरान 90 देशों में हुए शोध अध्ययन के आधार पर निष्कर्ष रूप में कहा कि यह चुनौतियां सभी देशों में समान रूप से देखी गई हैं और इनको दूर किए बिना हम उचित प्रबंधन व उत्पादन में सक्षम नहीं हो पाएंगे। वैबीनार की संचालक प्रबंधन विभाग की अध्यक्ष डॉ. नीरू बाला ने वर्तमान दौर में प्रबंधन क्षेत्र में आए बदलावों से सभी को परिचित करवाया। कार्यक्रम के अंत में प्रबंधक समिति की सचिव डॉ. सुनीता लेगा ने मुख्य वक्ता व श्रोताओं का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस मौके पर प्रबंधक समिति के सदस्य डॉ. अनुप परमार व डॉ. आदित्य उपस्थित रहे। आयोजक समिति के सदस्यों स्नेहिल, संदीप व पारूल ने अपनी सक्रिय भागीदारी से कार्यक्रम का सुचारू संचालन किया। नरेंद्र व मनदीप ने तकनीकी सहयोग प्रदान किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने सफल व सार्थक आयोजन के लिए प्रबंधन विभाग को बधाई दी।

INTERNAL QUALITY ASSURANCE CELL

(3 Days workshop on "Human Values and Professional Ethics")

Resource Person: Prof. Manjula Chaudhary,Dr. Aisha M. Sharif,Dr. RK Yadav

Date: 16th-18th March,2021

DAYANAND COLLEGE, HISAR

Accredited with 'A' Grade by NAAC

Governed by DAV College Managing Committee, New Delhi

Affiliated to Guru Jambheshwar University of Science & Technology, Hisar

Internal Quality Assurance Cell (IQAC)

Invites you to join a three days National Workshop on

Human Values and Professional Ethics

From March 16-18, 2021 at 2:00 pm

Keynote Speaker

March 16, 2021

Prof. Manjula Chaudhary

Dean Academic Affairs

Kurukshetra University, Kurukshetra

Topic: Human Values in Industrial Age 4.0

March 17, 2021

Prof. Aisha M Sheriff (Resource Person)

Chairperson, Dept. of Business Administration

University of Mysore

Manasagangothri, Mysuru

Topic: Clarifying Organisational Values and Ethics for High Impact Performance

March 18, 2021

Dr. R K Yadav (Resource Person)

Former Director Students' Welfare

CCS HAU, Hisar

Haryana

Topic: Ethics in Teaching

Convener	IQAC Coordinator	Patron
Dr. Shammi Nagpal	Dr. Vivek Srivastava	Dr. Vikramjit Singh
Assoc. Prof., Dept. of English	Head, Department of Botany	Principal

अच्छे मूल्यों का प्रभाव रहता है जीवन पर्यन्त–प्रो. मंजुला

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 18 मार्च : दयानन्द महाविद्यालय में आई.क्यू.ए.सी. द्वारा तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का उद्घाटन 'मानवीय मूल्य तथा व्यवसायिक आचार संहिता' विषय पर किया गया। वेबीनार की शुरूआत संचालिका डॉ. शम्मी नागपाल के उद्बोधन से हुई। आई.क्यू.ए.सी. के प्रभारी डॉ. विवेक श्रीवास्तव ने मुख्यवक्ता प्रो. मंजुला चौधरी, डीन एकेडमिक अफेयर्स, कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरूक्षेत्र का परिचय देते हुए वेबीनार के महत्व पर प्रकाश डाला। मुख्यवक्ता प्रो. मंजुला ने बताया कि समाज तथा संस्कृति मानवीय मूल्यों को निर्धारित करते हैं। जीवन में अच्छे मूल्यों का प्रभाव जीवन पर्यन्त रहता है। आज पढ़ाई में ऑनलाईन टूल्स का प्रयोग बढ़ रहा है। सांस्कृतिक भिन्नता आचार–व्यवहार के लिए जरूरी है। कार्यक्रम के अंत में प्रबंधक समिति की सचिव डॉ. सुनीता लेगा ने मुख्यवक्ता व श्रोताओं का धन्यवाद किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने इस कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए प्रबंधक समिति के सदस्यों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर कार्यशाला प्रबंधक समिति के सचिव डॉ. अनूप सिंह परमार उपस्थित रहे। आयोजक समिति के सदस्य नरेन्द्र कुमार, डॉ. आदित्य कुमार, डॉ. हेमन्त शर्मा, डॉ. नीरू बाला, मंजू शर्मा, विभा लोहान, ने सक्रिय भागीदारी से सफल संचालन किया।

इस कार्यक्रम के आयोजन में शालू रानी, मनदीप व सन्नी कक्कड़ ने तकनीकी सहयोग दिया।

नभ–छोर

ह्यूमन वैल्यूज एंड प्रोफेशनल एथिक्स विषय पर वैबीनार आयोजित

हिसार/19 मार्च/रिपोर्टर

दयानंद महाविद्यालय में आइक्यूएसी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय वर्कशॉप ह्यूमन वैल्यूज एंड प्रोफेशनल एथिक्स के तीसरे दिन एथिक्स इन टीचिंग विषय पर वैबीनार हुआ जिसमें चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय के पूर्व निदेशक डॉ. आरके यादव मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। वर्कशॉप कन्वीनर डॉ. शम्मी नागपाल के उद्बोधन से वैबीनार की शुरुआत हुई। आइक्यूएसी के प्रभारी डॉ. विवेक श्रीवास्तव ने मुख्य अतिथि का परिचय दिया व विषय पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि डॉ. आरके यादव ने बताया कि स्वामी विवेकानंद ने भी कहा था कि शिक्षा और प्रशिक्षण का अंतिम लक्ष्य हमेशा अच्छे इंसान का निर्माण करना ही होता है। उन्होंने नैतिक शिक्षण की छह विशेषताओं के बारें में भी विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि हम धर्म ग्रंथों में लिखी अच्छी शिक्षाओं से सहमति तो जताते हैं परंतु जब उन्हें अनुसरण करने की बात आती है तो हम अक्सर उन्हें भूल जाते हैं। भारत में उच्च शिक्षा का विस्तार हो रहा है इसलिए हमें प्रयास करना चाहिए कि विश्व के सर्वोच्च 100 विश्वविद्यालयों में भारत के विश्वविद्यालय भी शामिल हो। इस अवसर पर आयोजक कमेटी के सदस्य डॉ. आदित्य कुमार ने धन्यवाद ज्ञापित किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने आईक्युएसी को सफल कार्यक्रम के लिए बधाई व शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर वर्कशॉप के ऑर्गेनाइजिंग सचिव डॉ. अनूप सिंह परमार, डॉ. सुनीता लेगा और आयोजन कमेटी के सदस्य डॉ. नीरूबाला, डॉ. हेमंत शर्मा, नरेन्द्र कुमार, मंजू शर्मा, शालू रानी, विभा लोहान, मनदीप, हरीश आदि उपस्थित रहे।

INTERNAL QUALITY ASSURANCE CELL

(3 Days workshop for Non Teaching Staff on "ICTand Computer Skils")

Resource Person: Shalu Rani,Alka Golyan,Monika,Harish Bedi, Nancy, Narender Dhamu,Dakshi,Mandeep

Date: 6th-8th April,2021

दयानन्द महाविद्यालय के इन्टरनल क्वालिटी एश्योरेन्स सैल द्वारा कार्यशाला आयोजित

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 7 अप्रैल : दयानन्द महाविद्यालय, हिसार के इन्टरनल क्वालिटी एश्योरेन्स सैल की ओर से महाविद्यालय के नॉन टीचिंग स्टॉफ के कर्मचारियों के लिए आई.सी.टी. व कम्प्यूटर स्किल की तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला 8 अप्रैल तक चलेगी। इस कार्यशाला के शुभारम्भ अवसर पर आई.क्यू.ए.सी. के को-ऑर्डिनेटर डॉ. विवेक श्रीवास्तव, कम्प्यूटर विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष तथा कार्यशाला संयोजक नरेन्द्र कुमार तथा उप-अधीक्षक सुरेन्द्र कादियान उपस्थित रहे। इस कार्यशाला में 26 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला के प्रथम दिन सभी प्रतिभागियों को कम्प्यूटर बेसिक व एम.एस. वर्ड तथा एम.एस. एक्सेल की जानकारी दी गई। डॉ. विवेक श्रीवास्तव ने एन.ए.ए.सी. (नैक) के मूल्यांकन में इस तरह की कार्यशाला की महत्ता के विषय में बताया। नरेन्द्र कुमार जी ने कार्यशाला के विभिन्न सत्र में किस-किस विषय पर सिखाया जाएगा, इसकी जानकारी दी। सुरेन्द्र कादियान जी ने कार्यशाला के प्रथम दिन उपस्थित सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद किया। इस कार्यशाला का आयोजन कम्प्यूटर विभाग की सह-प्राध्यापक शालू रानी, आयोजन सचिव की देख-रेख में हुआ। कार्यशाला में कम्प्यूटर विभाग से प्राध्यापक अलका गोलयान, मोनिका, हरीश बेदी, मनोज कुमार, नरेन्द्र धामू, नैन्सी मलिक, दाक्षी, मनदीप उपस्थित रहे जोकि इस तीन दिवसीय कार्यशाला में भिन्न-भिन्न विषयों पर जानकारी देंगे।

डीएन कॉलेज में कंप्यूटर स्किल कार्यशाला संपन्न

हिसार/08 अप्रैल/रिपोर्टर

दयानन्द महाविद्यालय के इंटरनल क्वालिटी एश्योरेन्स सैल (आईक्यूएसी) की ओर से महाविद्यालय के नॉन टीचिंग स्टाफ के कर्मचारियों के लिए आईसीटी व कम्प्यूटर स्किल की तीन दिवसीय कार्यशाला का आज समापन हुआ। इस कार्यशाला में महाविद्यालय के नॉन टीचिंग स्टॉफ के 26 प्रतिभागियों ने भाग लिया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने कार्यशाला के सफल आयोजन के लिए आईक्यूएसी के को ऑर्डिनेटर डॉ. विवेक श्रीवास्तव, कम्प्यूटर विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष तथा कार्यशाला संयोजक नरेन्द्र कुमार, आयोजन सचिव शालू रानी, सभी कार्यकारिणी सदस्यों तथा प्रतिभागियों को बधाई दी तथा कहा कि भविष्य में भी इस प्रकार की कार्यशाला का आयोजन किया जाता रहेगा। डॉ. विवेक श्रीवास्तव ने बताया कि कार्यशाला के प्रथम दिन सभी प्रतिभागियों को कम्प्यूटर बेसिक व एमएस वर्ड तथा एमएस एक्सेल, दूसरे दिन इंटरनेट व ई मेल तथा तीसरे तथा अन्तिम दिन एमएस पावर प्वाईट, बेसिक विंडो विषयों पर तथा हार्डवेयर इत्यादि की जानकारी दी गई। इस कार्यशाला में कम्प्यूटर विभाग के सह प्राध्यापक शालू रानी, अलका गोलयान, मोनिका, हरीश बेदी, मनोज कुमार बरनेला ने विभिन्न विषयों पर अपने वकतव्य दिये व रिसोर्स पर्सन की भूमिका निभाई। डॉ. विवेक श्रीवास्तव ने इस कार्यशाला के लिए संसाधन उपलब्ध करवाने के लिए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत का धन्यवाद किया। सुरेन्द्र कादियान ने कार्यशाला में उपस्थित सभी प्राध्यापकों तथा प्रतिभागियों का धन्यवाद किया।

DEPARTMENT OF PHYSICAL EDUCATION

(One day workshop on "International Yoga Day")

Resource Person: Sh. Rupesh Kumar

Date: 20th June,2021

DAYANAND COLLEGE, HISAR

Accredited with 'A' Grade by NAAC

Governed by DAV College Managing Committee, New Delhi

Affiliated to Guru Jambheshwar University of Science & Technology, Hisar

Department of Physical Education Celebrates International Yoga Day

&

Invites to a Yoga workshop on the eve of

International Yoga Day

Join us on

20th June 2021 -6.40 a.m. to 7:40 a.m.

Join with Zoom: https://us02web.zoom.us/j/82574051792?pwd=WFJCaVVWZlQ5UnpFOXpYNjN2Q3JtZz09

Meeting ID: 825 7405 1792 Passcode: 006201

Join with YouTube: https://www.youtube.com/watch?v=nPHuo-pDI8Y

Our Resource Person

Sh. Rupesh kumar

Assistant Professor

Dept. of Yogic Art and Science, Visva-Bharati University, West Bengal

ABOUT THE INTERNATIONAL DAY OF YOGA

The International Day of Yoga has been celebrated annually on 21 June since 2015, following its inception in the United Nations General Assembly in 2014. Yoga is a physical, mental and spiritual practice which originated in India.

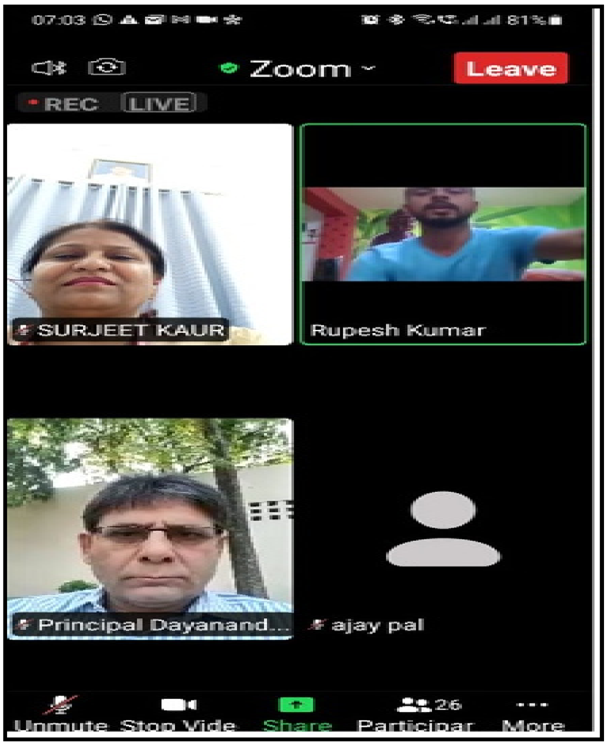

आज भी शारीरिक तथा मानसिक रोगों के निदान में योग बहुत महत्व है: रूपेश कुमार

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 20 जून : अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में स्थानीय दयानन्द महाविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा ऑन लाईन वर्कशाप का आयोजन किया गया। इस वर्कशाप में विश्व भारती विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल से सहायक प्रोफेसर के पद पर कार्यरत रूपेश कुमार मुख्य वक्ता रहे। हैं। उन्होंने मन तथा नकारात्मक विचारों में योग का महत्व बताया। उन्होंने बताया कि योग हमारी प्राचीन संस्कृति की पहचान है तथा आज भी शारीरिक तथा मानसिक रोगों के निदान में इसका बहुत महत्व है। उल्लेखनीय है कि रूपेश कुमार दयानन्द महाविद्यालय के विद्यार्थी रहे हैं। इन्होंने विद्यार्थी कार्यकाल में एशियन चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक, ऑल इण्डिया इन्टर युनिवर्सिटी में स्वर्ण पदक तथा बैस्ट योगी का खिताब जीता था। राष्ट्रीय स्तर पर इन्होंने 20 से ज्यादा पदक प्राप्त किए। इन्हें ग्रैंड मास्टर ऑफ योग के खिताब से दो बार तथा भारत योग रत्न के पुरस्कार से भी नवाजा गया। कार्यक्रम की शुरूआत शारीरिक शिक्षा विभाग की विभागाध्यक्ष सुरजीत कौर द्वारा की गई। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने मुख्य वक्ता का स्वागत किया। उन्होंने अपने सम्बोधन में कहा कि आज कोरोना महामारी के समय में मनुष्य शारीरिक व मानसिक प्रताड़ना के दौर से गुजर रहा है। इस समय में इस तरह की कार्यशाला का आयोजन सारगर्भित है। वर्कशाप में रूपेश कुमार ने आज के दौर में योग के महत्व पर प्रकाश डाला इन्होंने बताया कि यदि हम शारीरिक व मानसिक रूप से स्वस्थ है तो किसी भी महामारी से लड़ सकते रूपेश कुमार ने योगासनों को विद्यार्थियों के सामने प्रस्तुत किया ताकि विद्यार्थी इनका लाभ उठा सकें। वर्कशाप के अन्त में शारीरिक शिक्षा विभाग की विभागाध्यक्ष सुरजीत कौर द्वारा मुख्यवक्ता का धन्यवाद ज्ञापित किया गया। आर्गेनाईजिंग कमेटी के सभी सदस्य मनजीत सिंह, महेन्द्र सिंह, शर्मीला गुणपाल, सुरेश कुमार, नरेन्द्र कुमार, डॉ. नेहा रानी, अजय पाल आदि उपस्थित रहे।

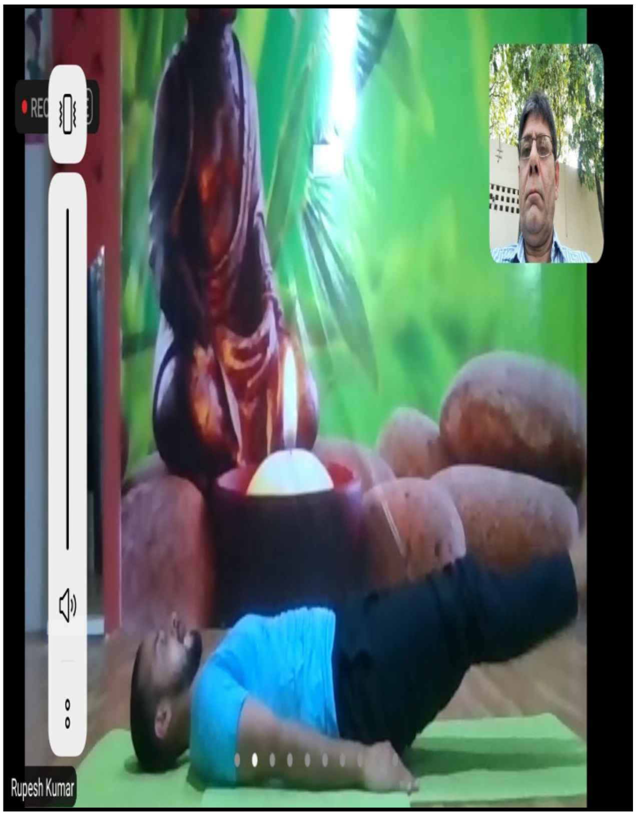

DEPARTMENT OF PHYSICS

(One day webinar on "Quantum Information Science")

Resource Person: Dr. Mukhtiyar Singh

Date: 30th June,2021

DAYANAND COLLEGE, HISAR

Accredited with 'A' Grade by NAAC

Governed by DAV College Managing Committee, New Delhi

Affiliated to Guru Jambheshwar University of Science & Technology, Hisar

Department of Physics

Invites You to Join a Webinar on

Quantum Information Science

30th June, 2021 (Wednesday), 5:00 PM

Eminent Speaker

Dr. Mukhtiyar Singh,
Assistant Professor
Dept. of Applied Physics,
Delhi Technological University, Delhi, India

No Registration Fee

Registration link: https://forms.gle/hKcFJEkfQo8p6nvv7

Registration will remain open till 30th **June, 2021 by 10:00 AM**
All the participants will have to fill up feedback form to get e-certificates.
The link of feedback form will be sent during the webinar.

Join with Zoom: Meeting ID: 850 3441 0026 Passcode: 011152
https://us02web.zoom.us/j/85034410026?pwd=V1pORHRzT2hiRkVrTVdSb29yTGtIZz09

Join with YouTube: https://youtu.be/02S02NoGyfw

Webinar Organizing Committee

Convenor	Organizing secretary	Patron
Mr. Chetan Sharma **Head, Department of Physics**	**Mr. Narender Kumar** **Assistant Professor,** **Department of Physics**	**Dr. Vikramjit Singh** **Principal**

Members: ***Ms. Anisha, Mr. Sanjay Kumar, Dr. Himani Bansal, Mr. Ajay Nain, Ms. Palki, Ms. Anjana, Ms. Mamta, Mr. Sunil Kumar, Mr. Harish Bedi, Mr. Mandeep Kumar, Mr. Narender Dhamu.***

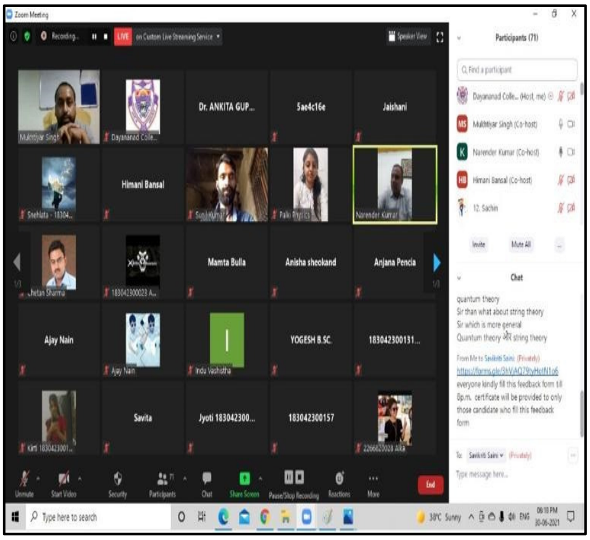

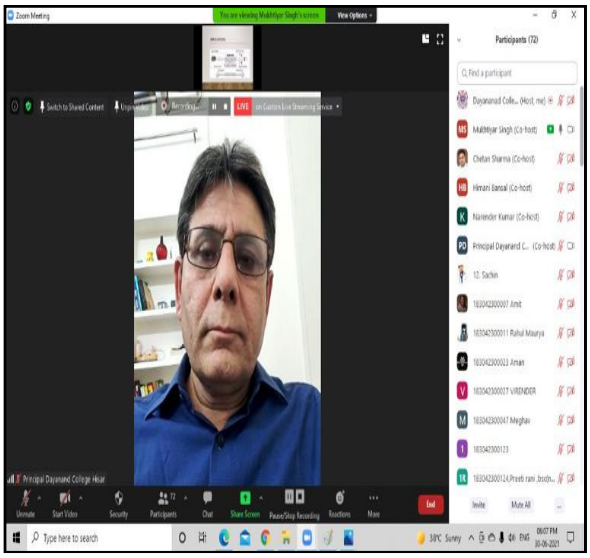

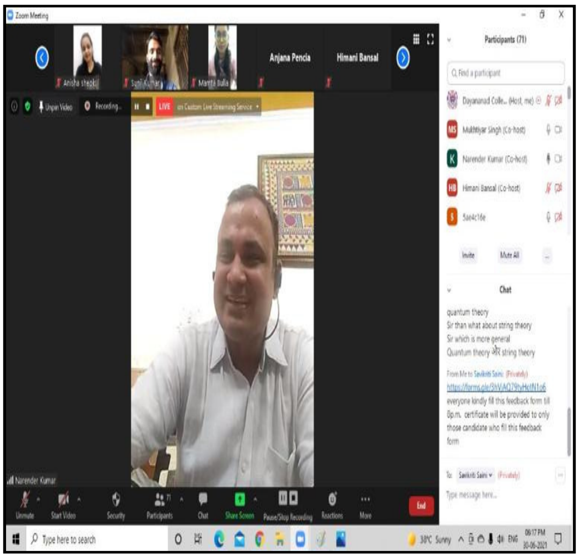

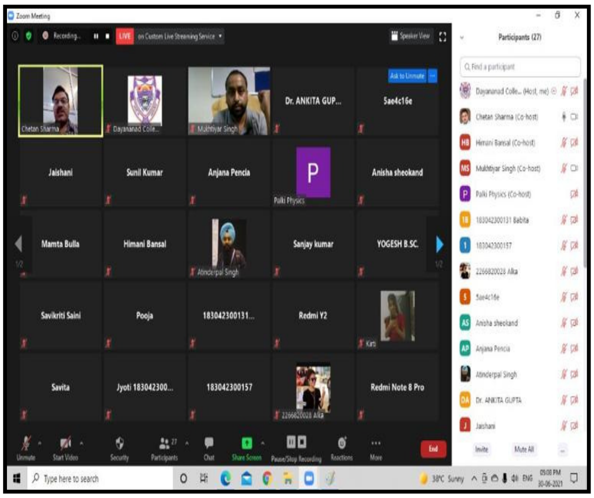

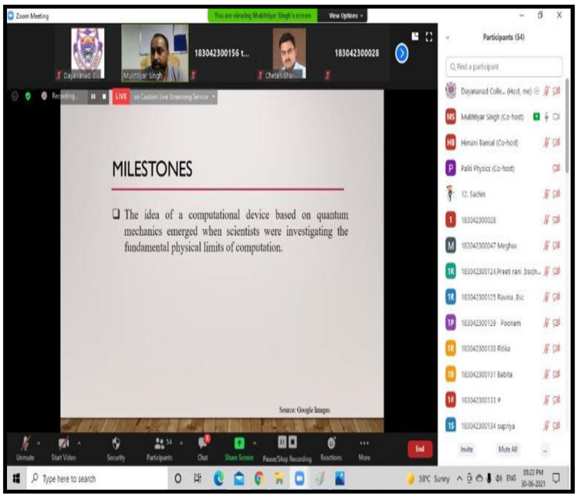
MILESTONES
The idea of a computational device based on quantum mechanics emerged when scientists were investigating the fundamental physical limits of computation.
Source: Google Images